THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 2 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.1 2080 बुधवार, 22 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

World's 1st Jewellery Showroom to present more than 100 exclusive Hallmarked Dulhan set's Certified by BIS

शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वैलर्स

राजस्थानी एवं गुजराती शैली के आभूषणों के विक्रेता

WHOLESALE PRICES GUARANTEED जहाँ विश्वास ही परम्परा है SINCE 1975

GOLD
Bore, Kandora, Hathfull, Bajuband, Necklace, Full Set, Half Set, Dulhan Sets, Antiques, Kundan, Polki, Junagad, Temple, Victorian, Pearl sets, Italian, Turkey & Dubai Sets

DIAMOND
Necklace, Rings, Tops, Watches, Tanmaniya, Pendant Sets, Nosepins, Bangles, Hathfull, Bore, Polki, Jadau, Victorian, all VVS- EF IGI Certified Solitaires from (0.30 cents to 2.00 carate) GIA Certified

SILVER
Thal Sets, Nastaplate, Dinnersets, Glasset, Mangal Kalash, Deepak, Ice cream set, Ghilodi, Gift Items, Suraiset, Aarti plate set, Mickey Mouse set, Bajot, Idols, Artifacts, in 92/50 & 99% purity silver

World's Biggest showroom for North Indian Jewellery Collection

शादी हो या सगाई
अब गहना खरीदना हो गया आसान

शादी एक बार होती है ..
ज्वेलरी एक बार खरीदी जाती है..
फ़िर ..
Designs मे COMPROMISE क्यों ...
Quality मे COMPROMISE क्यों ...
Creativity से COMPROMISE क्यों ...
Quantity से COMPROMISE क्यों ...

DESIGNS AVAILABLE IN READY STOCK

Item	Quantity	Weight Range
बोर	250 Pcs	(10 to 60 gm)
कंदोरा	200 Pcs	(40 to 150 gm)
बाजूबंद	200 Pcs	(15 to 80 gm)
नेकलेस	1500 Pcs	(15 to 350 gm)
दुल्हन सेट	100 Pcs	(150 to 1000 gm)
हाथफूल	200 Pcs	(10 to 100 gm)
बैंगल्स	1500 Pcs	(20 to 100 gm)
गोखरू	100 Pcs	(50 to 200 gm)
गजरा	100 Pcs	(50 to 200 gm)
कालीपोत	800 Pcs	(5 to 200 gm)
चैन	1000 Pcs	(1 to 150 gm)
ब्रासलेट	400 Pcs	(5 to 150 gm)
टूस्सी	50 Pcs	(30 to 60 gm)
सोहनकंटी	100 Pcs	(40 to 150 gm)
रखडी सेट	100 Pcs	(20 to 60 gm)

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में पधारिये और 15000 + Designs को देखकर अपने मन चहित Designer 916 Hallmarked Jewellery
को खरीदिये WHOLE SALE भावों में.....

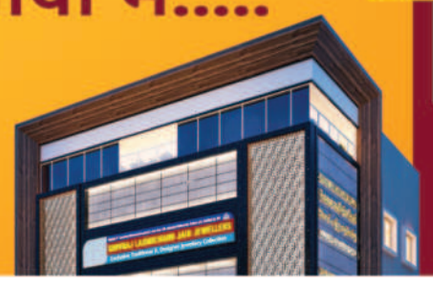

IGI Diamond Certified | BIS | EXCLUSIVE 916 GOLD JEWELLERY

Grab Exciting OFFERS
15,000+
DESIGNS TO EXPLORE

WALK IN TODAY!
6-3-1111/2, Beside Amrutha Mall,
Somajiguda Circle
Hyderabad - 500 082.

SLJ since 1975
JEWELLERS
जहाँ विश्वास ही परम्परा है
GOLD ❖ DIAMOND ❖ SILVER ❖ PEARLS
Bigger. Better. Worldclass.

+91 70 90 916 916 / +91 83 84 916 916
+91 63 09 916 916 / +91 97 80 916 916
Email: slj916916@gmail.com
Website: www.sljjewellers.com

VALET PARKING AVAILABLE
Follow Us @

GRAND OPENING

CHAARBHOOJA
KRISSHI UDYOG LLP

MANUFACTURERS OF HIGH QUALITY PULSES
FULLY AUTOMATED CHANADAL PLANT

INAUGURATION BY
SRI SRI SRI TRIDANDI CHINNA SRIMANNARAYANA RAMANUJA JEEYAR SWAMIJI

22 MARCH 2023
5:00 PM ONWARDS

Survey No. 777/A/1, Farooq Nagar Mandal,
Burgula Village, RR Dist, Telangana-509202

PLANT FEATURES

- FULLY AUTOMATED WITH STATE-OF-THE ART TECHNOLOGY
- HIGHEST FOOD SAFETY STANDARDS
- PROCESSES TO RETAIN THE NUTRITIONAL VALUES OF ALL OUR PRODUCTS
- AUTOMATED DRYING AND DESKINNING TECHNOLOGY
- MOST ADVANCED SORTING TECHNOLOGY WITH HIGH ACCURACY

BRANDS

uttsav | WAAH! SWAAD | शुभ लाभ

BHAVES

RSVP
RAVI HEDA 98480 44115
JUGALKISHORE BUNG 92465 41711
ABHINAV RATHI 94250 40211
SANJAY GUPTA 80088 98800

With best complements from
Dwarkadas Damodarlal Heda, Maharjgunj, Hyderabad
Shivpratap Madangopal Bung, Kabutar Khana, Hyderarbad
Bajrang Dal Mill, Pipariya, M.P.
Pride Logix Pvt. Ltd., Hitech City, Hyderabad

बेमौसम बारिश से रेलवे की तीनों लाइनों पर ट्रेन सेवाएं बाधित

मुंबई, 21 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के उपनगरीय इलाकों में हो रही भारी बारिश की वजह से सेंट्रल रेलवे का यातायात बाधित हो गया है। बारिश से सेंट्रल, वेस्टर्न और हार्बर रेलवे लाइन प्रभावित हुई है। पनवेल-सीएसटी ट्रेनें आधा घंटा देरी से चल रही हैं। मुंबई में कई जगहों पर रेलवे ट्रैक बाधित होने के कारण शेड्यूल में बदलाव किया गया है। मुंबई में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। शहर में बारिश के चलते लोकल की रफ्तार धीमी हो गई है। इससे सेंट्रल रेलवे पर असर पड़ा है और अप और डाउन दोनों रूट प्रभावित हुए हैं और लोकल ट्रेनें 15 से 20 मिनट की देरी से चल रही हैं। एबीपी मांझा के अनुसार, सेंट्रल रेलवे के कल्याण और हार्बर लाइन पर रे रोड, सैंडहर्स्ट रोड स्टेशनों पर तकनीकी खराबी के कारण लोकल कुछ देर रुकी रही और फिर सेवा दोबारा से शुरू हुई। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ लग रही है। रेल प्रशासन ने जानकारी दी है कि मेन लाइन, हार्बर रूट पर भले ही बारिश हो रही है, लेकिन सभी रूटों पर ट्रेनें चल रही हैं। सीएसएमटी से ठाणे और दिवा, डोंबिवली, कल्याण सेक्शन में लोकल ट्रेनें देरी से चल रही हैं। फिलहाल मेन लाइन पर लोकल 15 से 20 मिनट, हार्बर लाइन पर 20 मिनट लेट चल रही है। पश्चिम रेलवे पर लोकल भी 10 से 15 मिनट की देरी से चल रही हैं। मंगलवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण यातायात बाधित हो गया है। सेंट्रल रेलवे की लोकल ट्रेनें आज सुबह से ही देरी से चल रही हैं। कई ट्रेनें 15 से 30 मिनट की देरी से चल रही हैं। इससे सुबह काम पर निकलने वाले नौकरों को परेशानी उठानी पड़ती है। मुंबई के साथ ठाणे जिले में भी बारिश ने दस्तक दी है। अंधेरी इलाके में तेज बारिश शुरू हो गई है।

वर्चित आईआरएस ऑफिसर समीर वानखेड़े बीजेपी ज्वाइन करने वाले हैं

पत्नी संग आरएसएस मुख्यालय में आए नजर

समीर वानखेड़े और उनकी पत्नी

नागपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। 2008 बैच के आईआरएस अधिकारी और मुंबई जोनल यूनिट एनसीबी के पूर्व डायरेक्टर समीर वानखेड़े एक बार फिर चर्चा में है। अपने करियर में दो दर्जन सेलिब्रिटी को पकड़ने से लेकर 20 हजार करोड़ से ज्यादा का ड्रग्स जब्त करने की वजह से डिपार्टमेंट में सिंघम के नाम से जाने जाने वाले वानखेड़े इस बार किसी कार्रवाई के चलते चर्चा में नहीं है बल्कि इसलिए चर्चा में है क्योंकि वह 19 मार्च को नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय गए थे।

आरएसएस मुख्यालय में विजिट के बाद वानखेड़े ने क्या कहा?

वहीं, इस पर समीर वानखेड़े का कहना है कि वह आरएसएस संस्थापक और राष्ट्रीय हीरो डॉ.हेडगेवार व गोलवलकर को श्रद्धांजलि देने गए थे। इस दौरान उन्होंने आरएसएस मुख्यालय में 250 से ज्यादा किताबें भी खरीदी। उनका दावा है कि वो बचपन में भी आरएसएस की शाखाओं में जाते रहे है और इस बार वो अपनी पत्नी के साथ मुख्यालय गए थे। लेकिन बीजेपी ज्वाइन करने के सवाल पर वानखेड़े ने कहा, "अगले एक से डेढ़ साल चुनावी साल है और इस दरम्यान क्या कुछ हो सकता है ये अभी से कहना संभव नही है, भविष्य में कुछ भी संभव है।" इसका मतलब ये हुआ कि वानखेड़े इस बात को सिरे से खारिज नहीं कर रहे है कि वो बीजेपी ज्वाइन करेंगे या नहीं। उनके जवाब में संभावना साफ दिख रही है बात सिर्फ सही समय और सही दावेदारी मिलने पर तय होगी।

2024 में राजनीति की पिच पर दिखेंगे समीर वानखेड़े?

समीर वानखेड़े का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें वह आरएसएस मुख्यालय में पूरा भ्रमण करने के बाद विजिटर डायरी में लिखते हुए दिख रहे है। इस दौरान उन्होंने आरएसएस के बड़े पदाधिकारियों से मुलाकात की और घंटों चर्चा भी की। ऐसे में इस बात के कयास लगने शुरू हो गए कि वो बीजेपी ज्वाइन करने जा रहे है। समीर वानखेड़े खुद इस बात को खारिज भी नहीं कर रहे है तो साल 2024 तक शायद वानखेड़े राजनीति की पिच पर दिखाई दे सकते है।

आर्यन खान को फर्जी तरीके से फंसाने का लगा था आरोप

आपको बता दें कि एनसीबी नेता नवाब मलिक बीजेपी पर समीर वानखेड़े को समर्थन देने का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि समीर वानखेड़े बीजेपी नेताओं के इशारे पर काम कर रहे हैं। बीजेपी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के बीच सांठगांठ हो रही है। हालांकि वानखेड़े ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। वहीं, एनसीबी की जांच में पता चला था कि आर्यन खान को समीर वानखेडे ने गलत तरीके से फंसाया था जिसके उन्हें एनसीबी के जोनल डायरेक्टर के पद से हटा दिया गया था।

पेपर हुआ खराब तो लड़की ने गढ़ी छेड़छाड़ की कहानी, लेकिन ऐसे सच्चाई आ गई सामने

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में 14 वर्षीय एक लड़की ने ब्लेड से खुद को घायल कर लिया और फिर यह कहानी गढ़ी कि हाथापाई के दौरान वह घायल हो गई और तीन लड़कों ने उसके साथ छेड़छाड़ भी की। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी-उत्तरी क्षेत्र), जॉय तिर्की ने कहा कि पुलिस ने शुरू में पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं और भारतीय दंड संहिता की छेड़छाड़ और अपहरण की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था,

लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया, जब लड़की ने स्वीकार किया कि उसने झूठी कहानी बनाई थी। रिपोर्ट 15 मार्च को भजनपुरा थाने में दर्ज कराई गई थी। डीसीपी ने कहा, एक स्कूल जाने वाली लड़की ने बताया था कि जब वह अपने स्कूल से लौट रही थी, तो उसे 2-3 अज्ञात लड़कों ने रोका और वे उसे किसी स्थान पर ले गए, उसके साथ छेड़छाड़ की और उसके साथ मारपीट की। उसकी मेडिकल जांच के साथ-साथ काउंसलिंग भी की गई। उन्होंने कहा, जांच के दौरान पीड़िता द्वारा पहचाने गए घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और यह पता चला कि ऐसी कोई घटना पीड़ित द्वारा बताई गई जगह और समय पर नहीं हुई थी। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता की फिर से काउंसलिंग की गई और पूछताछ की गई, जिसमें उसने कहा कि उसकी कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं चल रही थीं और उसका सामाजिक अध्ययन का पेपर अच्छा नहीं हुआ था और उसे डर था कि उसके माता-पिता निराश हो सकते हैं।

केरल में महिला के साथ मारपीट और छेड़छाड़ मामले में दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

तिरुवनंतपुरम, 21 मार्च (एजेंसियां)। (केरल): तिरुवनंतपुरम में वंचियूर मूलविलकम जंक्शन पर महिला के साथ मारपीट और छेड़छाड़ मामले में दो पुलिस अधिकारियों पर गाज गिरी है। दोनों पुलिसकर्मियों को उच्चाधिकारियों ने सस्पेंड कर दिया है। दरअसल, इसी महीने की 13 तारीख को 49 वर्षीय एक महिला रात 11 बजे वंचियुर के मूलविलकम जंक्शन पर दवा लेने पहुंची थी। इस दौरान बाइक सवार एक व्यक्ति ने उसके साथ छेड़छाड़ की और उसके बाद बेरहमी से पिटाई कर दी। हमले में महिला को गंभीर चोट भी आई थी। पीड़ित महिला अपनी बेटी के साथ रहती है और उस दिन वह अपने दोपहिया वाहन से दवा लेने के लिए निकली थी। घटना के बाद वह अपने घर पहुंची और अपनी बेटी को जानकारी दी। शिकायतकर्ता महिला का आरोप है कि घटना की सूचना उन्होंने तुरंत ही पुलिस को दी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। बाद में जब यह मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आया तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। दो पुलिस अधिकारी वरिष्ठ सिविल पुलिस अधिकारी जयराज और सिविल पुलिस अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विशेष शाखा द्वारा दी गई जांच रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल में मौजूद महिला से मुलाकात नहीं की और न ही उसका बयान दर्ज किया। पुलिसकर्मियों ने महिला का केस दर्ज करने से भी मना कर दिया था। पुलिस उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद केस दर्ज किया गया है।

केंद्र ने दिल्ली के बजट को मंजूरी दी

कल केजरीवाल ने बजट रोकने का आरोप लगाया, आज पीएम को चिट्ठी लिखी थी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार का बजट अप्रूव कर दिया है। इसकी जानकारी दिल्ली सरकार को भेज दी गई है। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। इससे पहले सोमवार को सीएम अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर दिल्ली का बजट रोकने का आरोप लगाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक उप राज्यपाल (एलजी) के जरिए गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार से विज्ञापन समेत तीन मुद्दों पर जवाब मांगा था। इस पर दिल्ली सरकार ने रिप्लाई नहीं किया था। इसलिए बजट अप्रूव नहीं हो सका था। तब केजरीवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी तक को चिट्ठी लिखकर कहा कि बजट मत रोकिए। आज ही दिल्ली सरकार ने इसे वापस गृह मंत्रालय को भेजा था।

दिल्ली के सीएम ने कहा था- ऐसा 75 साल में नहीं हुआ

सीएम केजरीवाल ने इस मसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा- प्रधानमंत्री जी दिल्ली के लोगों से आप क्यों नाराज हैं। कृपया बजट मत रोकिए। केजरीवाल ने कहा कि देश के 75 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब दिल्ली में बजट पेश होने से एक दिन पहले केंद्र ने इस पर रोक लगा दी है। ये सीधे तौर पर केंद्र सरकार की गुंडागर्दी है। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में बताया कि बजट की फाइल को अप्रूवल के लिए दोबारा गृह मंत्रालय भेज दिया गया है। उन्होंने बजट रोके जाने पर अफसोस जताते हुए कहा कि जनता का चुना हुआ मुख्यमंत्री और कैबिनेट होने का क्या फायदा, जब एक बजट तक पास न कर पाएं।

एलजी ऑफिस ने कहा- सरकार ने नोट्स के जवाब ही नहीं दिए

केजरीवाल के बयान पर दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर (एलजी) ऑफिस ने स्टेटमेंट जारी किया। जिसमें बताया गया कि एलजी वीके सक्सेना ने बजट पास कर कुछ नोट्स जोड़कर उसे 9 मार्च को दिल्ली सरकार के पास भेज दिया था। दिल्ली सरकार ने फिर इसे राष्ट्रपति से अप्रूव कराने के लिए गृह मंत्रालय को भेजा। सूत्रों ने एलजी ऑफिस के हवाले से बताया कि दिल्ली सरकार ने इन तीनों पॉइंट्स पर अब तक गृह मंत्रालय को जवाब नहीं भेजा। एलजी ऑफिस अभी तक इस फाइल के भेजे जाने का इंतजार कर रहा है।

वित्त मंत्री बोले- चीफ सेक्रेटरी और फाइनेंस सेक्रेटरी ने बजट लेट कराया

एलजी ऑफिस से स्टेटमेंट जारी होने के बाद फाइनेंस मिनिस्टर कैलाश गहलोत ने देर शाम बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने बजट को लेकर अपनी कुछ चिंता जाहिर की थी और 17 मार्च को चीफ सेक्रेटरी को एक लेटर भेजकर बजट को अप्रूव करने से इनकार कर दिया था। कैलाश गहलोत ने अपने बयान में कहा- अस्पष्ट कारणों के चलते दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी ने 3 दिन तक इस लेटर को अपने पास छिपाकर रखा। मुझे इस लेटर के बारे में सोमवार दोपहर 2 बजे पता चला है। मुझे शाम 6 बजे यह फाइल मिली है और हमने रात 9 बजे तक गृह मंत्रालय की सारी चिंताओं को लेकर अपना जवाब एलजी ऑफिस को भेज दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा प्रशासनिक ट्रिब्यूनल खत्म करने के फैसले को बताया वैध

भुवनेश्वर, 21 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि ओडिशा प्रशासनिक न्यायाधिकरण को समाप्त करना संवैधानिक रूप से वैध है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। संवैधानिक पीठ में शामिल जस्टिस पीएस नरसिम्हा ने कहा, 'हम मानते हैं कि उड़ीसा प्रशासनिक न्यायाधिकरण (ओएटी) का उन्मूलन संवैधानिक रूप से मान्य था। अनुच्छेद 323ए(प्रशासनिक न्यायाधिकरणों से संबंधित) राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरणों को समाप्त करने के लिए भारत संघ को नहीं रोकता है। न्यायाधिकरण को समाप्त करने का निर्णय अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं है।' बता दें कि शीर्ष अदालत उड़ीसा प्रशासनिक ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन द्वारा उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने दो अगस्त, 2019 को केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना को बरकरार रखा था, जिसमें ओएटी को समाप्त करने का आदेश दिया गया था। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि राज्य सरकार के इस विचार का समर्थन करने के लिए पर्याप्त सामग्री है कि ट्रिब्यूनल ने वादियों को त्वरित न्याय देने के उद्देश्य को पूरा नहीं किया है।

महुआ मोइत्रा ने निशिकांत दुबे की उम्र पर उठाया सवाल

शेयर किया एफिडेविट

नई , 21 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजेपी नेता और लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे की डिग्री और उम्र को लेकर सवाल उठाया है। मोइत्रा ने दावा किया है कि निशिकांत दुबे की ओर से फाइल किए गए एफिडेविट में उनकी शिक्षा और उम्र को लेकर अगल-अलग दावे किए गए हैं। टीएमसी सांसद ने मोइत्रा ने ट्वीट कर कहा है कि 2009 के शपथ पत्र में सदस्य (निशिकांत दुबे) की आयु 37 साल है जबकि 2014 के शपथ पत्र में उम्र 42 साल बताई गई है। मोइत्रा ने दावा किया है कि दोनों ही शपथ पत्रों में 1982 में मैट्रिक पास करने का जिक्र है। इसका मतलब हुआ कि उन्होंने 10 साल की उम्र में मैट्रिक की परीक्षा पास की है। दरअसल, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा निशिकांत दुबे की एमबीए डिग्री को लेकर पिछले कई दिनों से हमलावार हैं। ऐसे में भला निशिकांत दुबे भी कहा शांत रहने वाले। उन्होंने शनिवार को बिना किसी का नाम लिए 'नगरवधू' शब्द का इस्तेमाल कर बवाल खड़ा कर दिया। मोइत्रा ने प्रताप यूनिवर्सिटी की निशिकांत दुबे की एमबीए डिग्री की कथित प्रति भी साझा की थी जिसमें उन्होंने गलतियों की ओर से इशारा करते हुए निशाना साधा था। इसके साथ-साथ उन्होंने बीजेपी सांसद की कथित पीएचडी आवेदन को भी साझा किया था जिसमें उन्होंने दावा किया था कि एप्लीकेशन में एमबीए डिग्री का कोई उल्लेख नहीं है।

लोकसभा चुनाव में फाइल एफिडेविट को किया शेयर

महुआ ने एक के बाद एक ट्वीट करते हुए निशिकांत दुबे की ओर से 2019 लोकसभा चुनाव में फाइल किए गए एफिडेविट को शेयर किया। महुआ ने दावा किया कि एफिडेविट में दुबे की ओर से एमबीए की डिग्री होने की जानकारी नहीं दी गई है। इसके साथ-साथ टीएमसी सांसद ने यह भी कहा कि वैलिट मास्टर डिग्री के बिना कोई भी पीएचडी नहीं कर सकता है। मोइत्रा के बाद कांग्रेस पार्टी से विधायक दीपिका सिंह ने भी एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए निशिकांत दुबे को फर्जी करार दिया था। विधायक ने दावा किया कि जब उन्होंने उनकी डिग्री पर सवाल उठाया तो बीजेपी नेता ने ब्लॉक कर दिया।

पंजाब सरकार ने इंटरनेट, एसएमएस सेवाओं पर प्रतिबंध 23 मार्च तक बढ़ाया

चंडीगढ़, 21 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह की खोज के बीच, मंगलवार सुबह सरकार द्वारा जारी एक ताजा बयान में कहा गया है कि 23 मार्च तक पूरे राज्य में इंटरनेट सेवाएं और एसएमएस सेवाएं निलंबित रहेंगी। तरनतारन, फिरोजपुर, मोगा, संगरूर, सब-डिवीजन जिलों में वॉयस कॉल को छोड़कर सभी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, सभी एसएमएस सेवाएं (बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और मोबाइल नेटवर्क पर प्रदान की जाने वाली सभी डोंगल सेवाएं 23 मार्च (12 घंटे) तक निलंबित कर दी गई हैं। पंजाब सरकार ने मोबाइल इंटरनेट और एसएमएस सेवाओं के निलंबन को मंगलवार दोपहर तक के लिए बढ़ा दिया, जबकि खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की तलाश तीसरे दिन भी जारी रही। राज्य के अधिकारियों ने शनिवार को राज्य में इंटरनेट और एसएमएस सेवाओं को रविवार दोपहर तक के लिए निलंबित कर दिया था। बाद में, प्रतिबंधों को सोमवार दोपहर तक बढ़ा दिया गया। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि ब्रॉडबैंड सेवाओं को निलंबित नहीं किया जा रहा है ताकि बैंकिंग सुविधाएं, अस्पताल सेवाएं और अन्य आवश्यक सेवाएं बाधित न हों। खालिस्तानी उग्रवाद पर पंजाब सरकार की कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर में फिलहाल विधानसभा चुनाव जल्द होने के आसार नहीं

जम्मू, 21 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में फिलहाल विधानसभा चुनाव जल्द होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। अब फिर से यहां गुजरात व हिमाचल प्रदेश के साथ मतदाता पुनरीक्षण अभियान चलेगा। चुनाव की ओर से जल्द ही कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। इसमें कम से कम दो महीने का समय का मौसम भी रहेगा लगेगा। इसके बाद अमरनाथ यात्रा शुरू हो जाएगी। फिर जी-20 सम्मेलन का वक्त आ जाएगा। ज्ञात हो कि वर्ष 2014 में यहां अंतिम विधानसभा चुनाव हुए थे। आयोग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि एक जनवरी को मतदाता पुनरीक्षण का आधार माना जाता है। जम्मू-कश्मीर समेत तीन राज्यों में एक अक्तूबर को आधार मानकर यह पूरी कवायद की गई है। केवल तीन राज्यों जम्मू-कश्मीर, गुजरात तथा हिमाचल में एक जनवरी को आधार मानकर मतदाता पुनरीक्षण नहीं हुआ है, जबकि अन्य राज्यों में एक जनवरी के आधार पर ही हुआ है। ऐसे में इन तीन राज्यों के लिए मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम चलेगा। आयोग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान जम्मू-कश्मीर समेत तीन राज्यों में शुरू होगा। इसके लिए कार्यक्रम की घोषणा जल्द की जाएगी।

इसमें कम से कम दो महीने का समय लगेगा। बताते हैं कि मई तक मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल सकता है। जून-जुलाई में अमरनाथ यात्रा रहेगी। फिर बरसात का मौसम। सितंबर-नवंबर के बीच जी-20 सम्मेलन प्रस्तावित है। हालांकि, अभी जी-20 बैठक की तिथि तय नहीं है। ऐसे में चुनाव के लिए वक्त नहीं मिल पाएगा। विधानसभा चुनाव कराने के लिए नेकां प्रमुख डॉ। फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व 13 दलों के नेताओं ने 16 मार्च को दिल्ली में चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया था। आयोग को ज्ञापन भी सौंपा गया था जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, शरद पवार, सीताराम येचुरी व अन्य ने दस्तखत किए थे। आजाद की पार्टी को छोड़ जम्मू कश्मीर के लगभग सभी प्रमुख विपक्षी दलों के नेता चुनाव आयोग से मिले थे। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि उन्होंने पार्टी महासचिव अमरीक सिंह रीन को भेजा था। आयोग से मिलने के बाद यह उम्मीद जताई जा रही थी कि इस बाबत कोई फैसला लिया जा सकता है। गृह मंत्री अमित शाह भी एक कार्यक्रम में बोल चुके हैं कि यदि आयोग रिपोर्ट मांगेगा तो तत्काल उसे चुनाव के बाबत रिपोर्ट भेज दी जाएगी।

मंगोलपुरी में लड़की को कार में खींचने के मामले में नया ट्विस्ट

वीडियो जारी कर लड़की ने दी यह सफाई

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक लड़की को कार में खींचने के मामले में एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो लड़की ने ही जारी किया है। वीडियो में इस लड़की ने मामले को अपने और मंगेतर के बीच की गलतफहमी बताया है। वीडियो में इस लड़की ने कहा कि उसका अपने मंगेतर से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया, उसके बाद वो कार से गुस्से में उतर गई थी। लड़की ने दिल्ली पुलिस का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस बहुत तेजी से उस तक पहुंची। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस की ऐसी कार्रवाई से वो खुश है। दिल्ली पुलिस ने इस लड़की का बयान कोर्ट में भी दर्ज करा दिया है लड़की इस वीडियो में कहती नजर आ रही है, आप सबका शुक्रिया जिन्होंने मेरी इतनी चिंता की। खासकर दिल्ली पुलिस का शुक्रिया जिसने परवाह कर मेरी तलाश की। कल रात जो वीडियो वायरल हुई, वह मेरे और मेरे मंगेतर के बीच एक मिसअंडरस्टेडिंग थी। निजी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। बाद में हमारे बीच सुलह हो गई थी। दिल्ली पुलिस लड़कियों के लिए 24 घंटे उपलब्ध है। धन्यवाद कि आप लड़कियों को लेकर इतने प्रोटेक्टिव हो। धन्यवाद।

नोटबंदी के बाद आपके पास बचे नोट का क्या होगा? सुप्रीम कोर्ट ने कही ये बात

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। 2016 की नोटबंदी मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार का सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने अमान्य करार दिये गये मुद्रा नोट को स्वीकार करने से संबंधित अलग-अलग मामलों पर विचार करने से मना कर दिया है जबकि याचिकाकर्ताओं को केंद्र से संपर्क करने का निर्देश दिया है। 2016 नोटबंदी के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को अमान्य करार दिये गये नोट को बदलने के संबंध में अभ्यावेदन पर 12 सप्ताह के भीतर निर्णय करने को कहा है। यदि आपको याद हो तो केंद्र सरकार ने 8 नवंबर, 2016 को सभी 500 रुपये और 1,000 रुपये के नोटों के विमुद्रीकरण की घोषणा की थी।

सनातन धर्म के विरोध से मची खलबली

एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड बोले- हिंदू धर्म पूरी तरह है अलग

मुंबई, 21 मार्च (एजेंसियां)। एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सरेआम सनातन धर्म का विरोध करने का ऐलान कर खलबली मचा दी है। आव्हाड ने कहा है कि वो सनातन धर्म का विरोध करते रहेंगे, क्योंकि सनातन धर्म और हिंदू धर्म पूरी तरह से अलग है। हिंदू धर्म लोगों को जोड़ता है, जबकि सनातन धर्म मनुवाद से प्रेरित है, जहां महिलाओं को सम्मान नहीं मिलता, छोटी जातियों के लोगों को अपमानित किया जाता है।

महाराष्ट्र विधानसभा में जब जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म पर बोलना शुरू किया, तब सत्ताधारी बीजेपी और शिंदे शिवसेना के विधायकों ने आव्हाड के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। सदन के बाहर सड़क पर हिंदूवादी संगठनों ने आव्हाड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विरोध बढ़ने के बाद सनातन धर्म पर अपना पक्ष रखते हुए आव्हाड ने कहा कि सनातन धर्म रूढ़िवादी परंपराओं को बढ़ावा देता है। आव्हाड ने आगे कहा, बुद्ध को जिसने सताया वह सनातन धर्म, सनातनियों से परेशान होकर ही हिंदू धर्म से बाहर निकलकर महावीर जैन भगवान ने जैन धर्म की स्थापना की। इन्हीं सनातनियों की वजह से संत ज्ञानेश्वर के माता-पिता को खुदकुशी करनी पड़ी थी। मनुवादी सनातनियों ने संत तुकाराम महाराज को भी काफी परेशान किया था। शिवाजी महाराज को उनके मुंह पर तुम शूद्र हो इसलिए तुम्हारा राज्य अभिषेक नहीं करेंगे, ये इन्हीं मनुवादी सनातनियों ने कहा था। उन्होंने कहा, संभाजी महाराज को औरंगजेब के हाथों पकड़वाने के लिए जिसने टिप दी थी वह कौन थे, यही सनातनी थे। सनातनियों ने हमारे समाज में जाति-जाति का भेदभाव पैदा किया, किसी भी जाति के लोगों को इंसान की तरह जीने नहीं दिया। कई वर्षों तक मनुवादी सनातनियों ने समाज के 97 फीसदी आबादी को धर्म की मुख्यधारा से अलग कर रखा, उन्हें प्रताड़ित किया।

'विधवा होने पर उनके बाल नोच-नोचकर निकाले जाते थे'

आव्हाड ने कहा, सनातन धर्म में ब्राम्हण महिला के विधवा होने पर उनके बाल नोच-नोचकर निकाले जाते थे, लड़कियों को मासिक आने के बाद 4 दिनों तक घर से बाहर रखा जाता था। इन्हीं परंपराओं के खिलाफ आवाज उठाते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले ने उनका विरोध किया। फुले ने अपनी पत्नी को पढ़ाया और फिर अन्य स्त्रियों को भी पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सनातन धर्म के अत्याचारों के खिलाफ ताबूत में आखिरी कील बाबासाहेब अंबेडकर ने ठोकी थी, जब उन्होंने मनुस्मृति को जलाया था, कालाराम मंदिर में पूजा की थी और चवदार तालाब में पानी पीकर उस तालाब को आम जनता के लिए खुला किया था।

आव्हाड ने कहा, हमारा विरोध सनातन धर्म को है, ना कि हिंदू धर्म को। वसुधैव कुटुंबकम का नारा देने वाला हमारा हिंदू धर्म है, जबकि दूसरों को नीचे दिखाने वाला, छोटा समझने वाला सनातन धर्म है, इसलिए जब मैं कहता हूं कि मैं सनातन धर्म का विरोध करता हूं, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि मैं हिंदू धर्म का विरोध करता हूं। फिर एक बार सनातन धर्म आएगा, तो हमारी बहनों को घर के बाहर रखा जाएगा, फिर एक बार हमारी बहनों को स्कूल जाने नहीं दिया जाएगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 2 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.1 2080 बुधवार, 22 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राहुल-अडाणी मुद्दे पर संसद स्थगित

नारेबाजी के बीच 25 मिनट ही चली लोकसभा, सुबह विपक्ष ने फर्स्ट फ्लोर पर किया था प्रदर्शन

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। विपक्ष की नारेबाजी के बाद राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही लगातार 7वें दिन स्थगित कर दी गई। दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर 2 बजे शुरू दोबारा शुरू हुई थी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने कहा, लेकिन बाकी सदस्यों ने राहुल गांधी की माफी की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने 23 मार्च तक के लिए राज्यसभा को स्थगित कर दिया।

इसके पहले जगदीप धनखड़ ने अपने चेम्बर में सदन के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई थी। जिसमें बीजेपी, वाईएसआरसीपी और टीडीपी को छोड़कर अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग नहीं लिया।

लोकसभा की कार्यवाही 25 मिनट तक चली, लेकिन विपक्ष की नारेबाजी के बीच इसे भी 23 मार्च सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया गया। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने भी दोपहर 1 बजे अपने चेम्बर में ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई थी।

सुबह कार्यवाही रुकने बाद विपक्ष ने किया प्रदर्शन :

कार्यवाही स्थगित होने के बाद सभी विपक्षी दलों ने संसद की पहली मंजिल पर प्रदर्शन किया। सभी सांसदों के हाथ में बैनर-पोस्टर था। वे अडाणी-हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर संसद की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। इधर, ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के सांसदों ने कांग्रेस से अलग प्रदर्शन किया। वे अडाणी मुद्दे पर पीएम से चुप्पी तोड़ने की मांग कर रहे थे।

लोकसभा और राज्यसभा में नहीं हो सकी कार्यवाही :

राहुल गांधी के लंदन में दिए बयान और अडाणी मामले पर विपक्ष की जेपीसी की मांग को लेकर दोनों सदनों में हंगामा होता रहा। जिसके कारण 13 मार्च के बाद से कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। केंद्र सरकार के सीनियर मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि राहुल को माफी मांग लेना चाहिए ताकि पार्लियामेंट की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का पीएम मोदी से सवाल

बेंगलुरू, 21 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक के बेलगावी में कहा कि पीएम मोदी पूछते हैं खड़गे का रिमोट कंट्रोल किसके पास है, मैं उनसे ये पूछना चाहूंगा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में है? खड़गे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सच बोल रहे हैं इसलिए मोदी की भाजपा सरकार उन्हें परेशान कर रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसी बातों से उन्हें डर नहीं लगता है और वे किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। 27 फरवरी को बेलगावी में एक रैली में पीएम मोदी ने कहा था कि खड़गे जी कांग्रेस के अध्यक्ष भले ही हैं, लेकिन उनकी वरिष्ठता और उम्र के बावजूद कांग्रेस उनका अपमान करती है। कांग्रेस सिर्फ एक परिवार का सम्मान करती है, इससे समझ आता है कि खड़गे जी सिर्फ कहने भर के अध्यक्ष हैं। जिस तरीके से उनके साथ व्यवहार किया जाता है, उससे पता चलता है कि रिमोट कंट्रोल किसी और के हाथ में है। खड़गे कांग्रेस की तरफ से यहां आयोजित किए गए यूथ कंवेंशन 'युवा क्रांति समावेश' में बोल रहे थे।

कविता ने फोन नष्ट किये जाने को खारिज किया, उपकरण ईडी को सौंपे

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा किये गये प्रचार कि उसने अपने मोबाइल फोन नष्ट कर दिए हैं, को खारिज कर दिया तथा दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े अपने बयान की रिकॉर्डिंग के लिए पेश होने के दौरान एजेंसी को उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए फोन वाले दो कवर सौंपे।

ईडी को लिखे पत्र में उन्होंने यह भी पूछा कि एजेंसी ने कैसे आरोप लगाया कि उन्होंने फोन नष्ट कर दिए। 11 मार्च के बाद से तीसरी गवाही के लिए ईडी कार्यालय पहुंचीं, बीआरएस एमएलसी आत्मविश्वास से भरी दिखाई दीं और मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के सामने उनका इंतजार कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। ईडी कार्यालय जाने से पहले उसने इस्तेमाल किए गए सेल फोन के दो कवर भी लहराए और मीडिया को भी दिखाए। ईडी के आरोपों के मद्देनजर कि उसने अपने द्वारा इस्तेमाल किए गए कई फोन नष्ट कर दिए, कविता ने ईडी के सहायक निदेशक जोगेंद्र को एक पत्र भी लिखा और कहा कि जांच अधिकारियों को उनकी उचित सहायता और सहयोग जारी रखने के लिए, वह अपने सभी सेलफोन जमा कर रही हैं, जो उसने अतीत में इस्तेमाल किया था। हालांकि, उसने कहा कि फोन उसके अधिकारों और उसके निजता के अधिकार सहित विवादों के बिना पूर्वाग्रह के प्रस्तुत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैं इस अवसर पर एजेंसी की ओर से दुर्भावना का आरोप लगाया कि एजेंसी ने नवंबर 2022 में कुछ अन्य अभियुक्तों पर दायर अभियोजन शिकायत में मेरे खिलाफ आरोप लगाने का विकल्प चुना था, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कुछ फोन नष्ट हो गए हैं। यह देखकर हैरानी होती है कि कैसे, क्यों और किन परिस्थितियों में एजेंसी ने इस तरह के आरोप लगाए जबकि मुझे न तो समन किया गया और न ही कोई सवाल पूछा गया।

राहुल गांधी का स्पीकर को दूसरा लेटर

मुझे सदन में बोलने का अधिकार, मेरे खिलाफ बेतुके और बेकार के आरोप लगाए गए

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक बार फिर लेटर लिखा है। उन्होंने लिखा कि बेतुके और बेकार के आरोप के लगाए जा रहे हैं। राहुल ने अपील की है कि उन्हें ब्रिटेन में दिए गए बयान को लेकर सदन में अपनी बात रखने का मौका दिया जाए, क्योंकि उन्हें सदन में बोलने का अधिकार है। इससे पहले कांग्रेस नेता ने इसी मामले सोमवार को भी लोकसभा स्पीकर को लेटर लिखा था। संसद में अपनी बात रखने की मांग की थी। ब्रिटेन में भारतीय लोकतंत्र पर टिप्पणी को लेकर भाजपा उनसे लगातार माफी की मांग कर रही है। वहीं, राहुल का कहना है कि सरकार के कुछ मंत्रियों ने उनपर भारत के खिलाफ बोलने के आरोप लगाए हैं, जो पूरी तरह से बेसलेस है।

राहुल ने नियम 357 का हवाला दिया :

लेटर में राहुल ने लोकसभा के नियम 357 का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नियम 357 सदन में पर्सनल एक्सप्लेनेशन की अनुमति देता है। राहुल के मुताबिक, कोई भी सांसद स्पीकर की परमिशन से अपना स्पष्टीकरण दे सकता है, भले ही सदन के सामने कोई सवाल न हो। उन्होंने कहा कि वह यह परमिशन संसदीय परंपराओं, नेचुरल जस्टिस के संवैधानिक रूप से निहित नियमों और लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 357 के तहत मांग रहा हूं।

राहुल ने लिखा कि वे प्रशासनिक मनमानी के खिलाफ एक गारंटी हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को एक ऐसे मामले में सुनवाई का अधिकार है, जिससे वे संबंधित हैं। निश्चित रूप से, आप इस बात से सहमत होंगे कि सभी संस्थानों की तरह संसद इस अधिकार के सम्मान करने की जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती। उन्होंने कहा, लोकसभा डिजिटल लाइब्रेरी पर भी कई उदाहरण मौजूद हैं, जो बताते हैं कि यह अधिकार संसद के भीतर दिए गए बयानों का जवाब देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पब्लिक डोमेन में लगाए गए आरोपों तक भी है।

मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई टल गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी। वहीं, इस मामले में कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया है। उधर, सोमवार को कोर्ट ने सीबीआई को फिर सिसोदिया की 14 दिन की रिमांड दे दी। जांच एजेंसी ने उन्हें 26 फरवरी को 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। 27 मार्च को एजेंसी ने उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सिसोदिया को 7 दिन (4 मार्च) की सीबीआई रिमांड में भेज दिया। फिर 4 मार्च को अदालत ने एजेंसी को पूर्व डिप्टी सीएम की 2 दिन (6 मार्च) की कस्टडी दे दी थी। वहीं, 6 मार्च की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीबीआई ने कहा था कि सिसोदिया की और रिमांड नहीं मांगी जा रही है, लेकिन अगले 15 दिनों में जरूरत पड़ने पर दोबारा कस्टडी मांगी जा सकती है। इसके बाद कोर्ट ने सिसोदिया को 14 दिन (20 मार्च) की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया था। यहां से उन्हें ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। बता दें कि सीबीआई और ईडी दोनों ही शराब नीति केस की जांच कर रही हैं। फिलहाल सिसोदिया 22 मार्च तक ईडी की कस्टडी में हैं। इसीलिए सोमवार को ईडी ने उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया।

संबित पात्रा ने राहुल गांधी को मीर जाफर बताया

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भारतीय राजनीति के आज के मीर जाफर हैं। वे भारत के शहजादे हैं, जो नवाब बनने के लिए लंदन में बयान देते हैं। उन्हें ब्रिटेन में कही बातों के लिए संसद में माफी मांगनी होगी। ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी बिना माफी मांगे निकल जाएंगे। हम उनसे माफी मंगवा कर रहेंगे। पात्रा ने यह बात प्रेस कॉन्फ्रेंस कही।

पवन खेड़ा ने कहा, कम से कम भाजपा प्रवक्ता प्रेस कॉन्फ्रेंस तो करते हैं :

संबित पात्रा के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि शाह और शहंशाह जानते हैं कि राहुल गांधी माफी नहीं मांगेंगे। भाजपा प्रवक्ताओं की परंपरा रही है दिन में वॉट्सऐप रिचार्ज करते हैं और शाम को टीवी पर आकर कचरा बांट देते हैं। चलिए कुछ तो करते हैं, अपने बॉस की तरह प्रेस कॉन्फ्रेंस से बचते तो नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि लंदन के वफादार, हमारे स्वतंत्रता सैनानियों के खिलाफ मुखबरी करने वाले, नौ बार नाक रगड़कर इंग्लैंड से माफी मांगने वाले, वाइसरॉय से पेंशन लेने वाले जब सुबह-सुबह आकर हमें देशभक्ति का ज्ञान देते हैं, तो हंसी आती है। राहुल गांधी को मौजूदा दौर का 'मीर जाफर' कहने वाले संबित पात्रा के बयान पर जल्द होगी कार्रवाई।

संसद में उनकी भागीदारी सबसे कम, कहते हैं बोलने नहीं देते :

पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा देश को बदनाम करते हैं। उन्होंने देश का अपमान किया और विदेशी ताकत से देश में हस्तक्षेप करने के लिए कहा है। यह कांग्रेस और राहुल गांधी की साजिश है। संसद में उनकी भागीदारी सबसे कम है और वे कहते हैं कि कोई भी उन्हें बोलने की इजाजत नहीं देता है। राहुल गांधी की तुलना मीर जाफर से करते हुए पात्रा ने कहा कि मीर जाफर ने भी वही किया। जाफर ने ईस्ट इंडिया कंपनी से मदद लेने के लिए 24 परगना दिया था।

ब्रह्मोस की डर से पाक ने तैनात किया अमेरिकी रडार

इस्लामाबाद, 21 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा से महज 58 किलोमीटर दूर चोर छावनी में एक और टीपीएस-77 रडार साइट स्थापित की है। टीपीएस-77 मल्टी-रोल रडार (एमआरआर) एक अत्यधिक सक्षम रडार सिस्टम है।

इसका इस्तेमाल दुनियाभर में सिचुएशन अवेयरनेस और एयर ट्रैफिक पर निगाह रखने के लिए किया जाता है। टीपीएस-77 रडार की फैमिली में अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन के एएन/टीपीएस-77 और एएन/टीपीएस-117 रडार शामिल हैं। टीपीएस-77 एमआरआर लॉकहीड मार्टिन की सफल टीपीएस-77 प्रोडक्ट सीरीज का मोबाइल वेरिएंट है। इसे बहुत कम बिजली की खपत के लिए डिजाइन किया गया है। यह टीपीएस-77 की तुलना में अधिक ट्रांसपोर्टेबल है। टीपीएस-77 एमआरआर एक मोबाइल रडार सिस्टम है, जिसे आसानी से कहीं भी तैनात किया जा सकता है। इसे पहाड़ी, जमीनी और समुद्री क्षेत्रों में आसानी से पहुंचाया जा सकता है। यह रडार एस-बैंड फ्रीक्वेंसी रेंज में काम करता है। इसका अधिकतम डिटेक्शन रेंज 463 किलोमीटर तक है। यह रडार चुनौतीपूर्ण वातावरण में सटीकता के साथ लक्ष्य का पता लगाने और ट्रैकिंग को अंजाम दे सकता है। इस काम के लिए रडार में अपग्रेडेड डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग तकनीकों का उपयोग किया गया है। टीपीएस-77 एमआरआर रडार हवा में उड़ने वाले लक्ष्यों की एक विशाल रेंज का पता लगा सकते हैं और उन्हें ट्रैक कर सकते हैं।

भविष्य की लड़ाइयां अंतरिक्ष में लड़ी जाएंगी : वायुसेना प्रमुख

नई दिली, 21 मार्च (एजेंसियां)। वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल वीआर चौधरी का कहना है कि अंतरिक्ष को हथियारबंद करने की शुरूआत हो चुकी है और वह दिन दूर नहीं जब भविष्य की लड़ाईयां जमीन, समुद्र, आसमान के साथ ही साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी लड़ी जाएंगी। हमें भी अपने अहम ठिकानों की सुरक्षा के लिए अंतरिक्ष में अपनी रक्षात्मक और आक्रामक दोनों ताकतों को बढ़ाना होगा। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में हमें मिली शुरूआती सफलता का हमें फायदा उठाना चाहिए और खुद को भविष्य के लिए तैयार करना चाहिए। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान वायुसेना प्रमुख ये बातें कही।

वायुसेना प्रमुख ने बीते साल भी एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि भविष्य में अंतरिक्ष की ताकत ही विजेता का फैसला करेगी। पिछली सदी में अंतरिक्ष के क्षेत्र में काफी खोज हुई और आज ऐसा समय है कि आधुनिक समाज लगभग पूरी तरह से अंतरिक्ष आधारित तकनीक पर आश्रित हो गया है। हम हर दिन सैटेलाइट आधारित तकनीक का इस्तेमाल अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में करते हैं। जिसमें जीपीएस, टीवी प्रसारण, मोबाइल फोन का इस्तेमाल शामिल है। जीपीएस, हाई स्पीड कम्युनिकेशन और जासूसी के लिए अंतरिक्ष तकनीक का इस्तेमाल अहम सैन्य औजार बन गए हैं। इसके चलते सुरक्षा बलों के लिए भी सैटेलाइट अहम हो गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट नहीं सुनेगा नोटबंदी के अलग मामले

याचिकाकर्ता चाहें तो सरकार के पास जाएं, केंद्र को निर्देश 12 हफ्ते में जिम्मेदारी तय करे

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 की नोटबंदी में बंद किए गए 500-1000 के नोटों को एक्सेप्ट करने के अलग-अलग मामलों पर विचार करने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा कि इसके लिए याचिकाकर्ता केंद्र सरकार के पास जाएं। कोर्ट ने सरकार को भी 12 हफ्ते के अंदर 500-1000 के नोटों के आदान-प्रदान पर जिम्मेदारी तय करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि अगर कोई याचिकाकर्ता सरकार की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है, तो वह हाईकोर्ट जाने के लिए स्वतंत्र होगा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने कहा, याचिकाकर्ताओं की शिकायतें और परेशानियां सही हो सकती हैं, लेकिन कानून के मद्देनजर ये अदालत उन्हें कोई राहत नहीं दे सकती। हमें नहीं लगता कि संविधान पीठ के फैसले के बाद संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत हमें व्यक्तिगत मामलों में अपने अधिकार का इस्तेमाल करने की परमिशन दी जाएगी।

नोटबंदी को सही ठहरा चुकी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ :

जनवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के नोटबंदी के फैसले को सही ठहराया था। पांच जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि 500 और 1000 के नोट बंद करने की प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। बेंच ने यह भी कहा था कि आर्थिक फैसले को पलटा नहीं जा सकता।

केवल जस्टिस बीवी नागरत्ना ने बाकी चार जजों की राय से अलग फैसला लिखा। उन्होंने कहा कि नोटबंदी का फैसला गैरकानूनी था। इसे गजट नोटिफिकेशन की जगह कानून के जरिए लिया जाना था।

6 साल पहले सरकार ने महज 4 घंटे में पुराने नोट अवैध किए :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर 2016 को देश के नाम संदेश में आधी रात से 500 और 1000 रुपये के पुराने नोट बंद करने का ऐलान किया था। यानी प्रधानमंत्री की घोषणा के 4 घंटे बाद ही ये पुराने नोट चलन से बाहर हो गए थे।

तब 500 और 1000 रुपये के 15.52 लाख करोड़ रुपये अर्थव्यवस्था से बाहर हुए थे। अक्टूबर 2022 में एक रिपोर्ट में सामने आया कि नोटबंदी के समय जारी नए 500 और 2000 के नोटों में से अब 9.21 लाख करोड़ गायब हो गए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 22 मार्च, 2023 4

सु वि चा र

जिसके भीतर है जड़ की पकड़, वही रहा संसार में रगड़। जिसने की चैतन्य की पकड़, उसका संसार गया उखड़

एससीआर ने वसूला 9.62 करोड़ का रिकॉर्ड जुर्माना

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) अनधिकृत यात्रा को रोकने और वास्तविक रेल उपयोगकर्ताओं को किसी भी असुविधा को कम करने के लिए लगातार सघन टिकट जांच अभियान चला रहा है। इस दिशा में समर्पित टिकट चेकिंग स्टाफ की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं, जिससे पूरे जोन में टिकटों की बिक्री में सुधार हुआ है। दक्षिण मध्य रेलवे के नौ टिकट चेकिंग स्टाफ ने बिना टिकट यात्रा करने वाले, अनियमित यात्रा करने वाले और बिना बुक किए सामान रखने वाले यात्रियों से एक-एक करोड़ जुर्माना राथश वसूली है। विभिन्न ट्रेनों में गहन टिकट जांच अभियान के माध्यम से 1.16 लाख यात्रियों से 9.62 करोड़ रुपये वसूले गये हैं। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2022-23 में नौ टिकट चेकिंग स्टाफ में से प्रत्येक ने अपने समर्पित प्रयासों से "वन करोड़ क्लब" में जगह बनाई है। दक्षिण मध्य रेलवे के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी व्यक्तिगत टिकट जांच कर्मचारी ने 1.0 करोड़ रूपये कमाये है। कर्मचारियों में सिकंदराबाद मंडल के सात और गुंतकल और विजयवाड़ा मंडलों के एक-एक कर्मचारी शामिल हैं। सिकंदराबाद मंडल के मुख्य टिकट निरीक्षक/वरिष्ठ डीसीएम बैच टी. नटराजन सबसे अधिक कमाने वाले हैं और उन्होंने बिना टिकट/अनियमित टिकट यात्रा करने वाले और बिना बुक सामान ले जाने वाले 12,689 यात्रियों से 1.16 करोड़ रुपये वसूले हैं।

अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने टिकट चेकिंग स्टाफ के अनुकरणीय प्रदर्शन और समर्पण के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों के लिए पूरी वाणिज्यिक शाखा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि टिकट जांच महत्वपूर्ण तंत्रों में से एक है जो ट्रेनों में अनधिकृत यात्रा को कम करने में मदद करता है और वास्तविक रेल यात्रियों के बीच विश्वास भी पैदा करता है। उन्होंने सभी रेल यात्रियों से अपील की कि वे वैध रेलवे टिकट और ट्रैवल अथॉरिटीज के साथ यात्रा करें।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने टीएसपीएससी पेपर लीक के खिलाफ किया प्रदर्शन

हैदराबाद पुलिस की समय पर कार्रवाई ने बचाई 16 लोगों की जान

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक पुलिस वाले की त्वरित सोच और समय पर प्रतिक्रिया ने मंगलवार को यहां खैरताबाद के पास एक बड़ा हादसा होने से बचा लिया और 16 लोगों की जान बचा ली।

यह घटना तब हुई जब एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने टीएसपीएससी पेपर लीक होने के विरोध में प्रगति भवन का घेराव करने की कोशिश की। जब प्रदर्शनकारियों ने परिसर में घुसने की कोशिश की तो सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया और एहतियातन हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारियों को एक पुलिस वाहन में खैरताबाद के रास्ते बजारा हिल्स पुलिस में स्थानांतरित किया जा रहा था, जब ड्राइवर रमेश व एक होमगार्ड को अचानक मिर्गी का दौरा पड़ा। बंजारा हिल्स के सब-इंस्पेक्टर एस. करुणाकर रेड्डी, जो वाहन के अंदर थे, ने तुरंत वाहन से छलांग लगा दी और उसे नियंत्रित किया। इस प्रक्रिया में, रेड्डी और एक कांस्टेबल, साई कुमार को मामूली चोटें आईं। सब-इंस्पेक्टर, कांस्टेबल और होमगार्ड को इलाज के लिए तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

DECLARATION

General Public is hereby informed that we, (1) Sunil Kumar Agarwal S/o. Late Kishan Lal Ji, Aged about 56 Years, Occ : Business (2)Smt. Rekha Agarwal W/o. Suniil Kumar Agarwal, Aged about 50 Years, Occ.: Household, Both R/o.: 5-3-264, Goshamahal, Hindi Nagar, Nampally, Hyderabad, T.S., Do hereby declare that w.e.f. 20/02/2023, we had severed all our relations with our Son Vishal Agarwal, aged about 29 Years, Occ : Private Service, whose whereabouts are not known. The said person by name Vishal Agarwal shall not be known as our Son henceforth and the General Public is informed to this effect.

IRCTC

इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लि.
(भारत सरकार का उपक्रम-मिनि रत्ना श्रेणी-I)
दक्षिण मध्य अंचल
9-1-129/1/102, पहली मंजिल, आक्सफोर्ड प्लाजा, एसडी रोड, सिकंदराबाद-500003
CIN:L 74899DL1999जीओआई101707

अनुभवी होटल मेनेजमेंट/हास्पिटालिटी/टूरिज्म व्यावसायिकों के लिए वॉक-इन इंटरव्यू

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम मर्या.(**आईआरसीटीसी लि.**), दक्षिण मध्य अंचल द्वारा अनुबंध आधारित '**हॉस्पिटालिटी मानिटर**' तथा '**टूरिज्म मॉनिटर**' की सेवाओं को संलग्न करने का इरादा रखती है। पात्रता मानदंड, वॉक्-इन इंटरव्यू तिथियों/ कार्य स्थल एवं तत्संबंधित संलग्न की जानेवाली सेवाओं के अन्य नियम व शर्तों हेतु वेबसाइट:https://www.irctc.com

अग्रवाल समाज हिमायत नगर शाखा की मासिक सभा संपन्न

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज-हिमायत नगर शाखा की मार्च मास की मासिक सभा नारायण गुड़ा स्थित ताज महल होटल में संपन्न हुई।

उक्त जानकारी देते हुए अग्रवाल समाज हिमायत नगर शाखा की सचिव रमा बाजोरिया ने बताया कि उक्त सभा में आने वाली वार्षिक सभा के बारे में विचार विमर्श किया गया। महिला शाखा द्वारा आयोजित गणगौर पर तय किया गया 35 मार्च को निर्मला संघी के निवास स्थान प्रतिभा अपार्टमेंट, किंग कोटि, भारतीय विद्या भवन के सामने प्रातः 2- बजे से गणगौर पूजा का आयोजन किया जाएगा। अवसर पर संस्थापक एवं केन्द्रीय समिति सदस्य डीपी अग्रवाल, अध्यक्ष पवन भुवानिया, सचिव रमा बानोरिया, उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, सहसचिव नवीन, परामर्शदाता प्रताप नारायण संघी, कार्यकारिणी सदस्य अनिल बाजोरिया, आनन्द डालमिया, संजय गुप्ता, महिला संयोजिका सुमन भुवानिया, युवा संयोजक विकास अग्रवाल एवं कमल केडिया, मनीष अग्रवाल, आनन्द पित्ती आदि उपस्थित थे।

हार्दिक श्रद्धांजलि

डॉ. पी. सुब्रह्मण्यम

स्वर्गवास: दिनांक 14 मार्च 2023

(पूर्व प्राचार्य)

हिन्दी महाविद्यालय

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता

हिन्दी महाविद्यालय प्रबंध समिति, प्राध्यापक, कार्यालय एवं सहायक कर्मचारी

चैत्र अमावस्या के अवसर पर इमलीबन गौशाला में गौसेवा करते हुए बजरंग सेना तेलंगाना उपाध्यक्ष लक्ष्मण राव, श्रीरामोजू महिला महासचिव रजनी, सूर्य शुक्ला, काजल कुशवाहा, श्रीनिवास गुप्ता, महेंद्रव अन्य।

चैत्र अमावस्या के अवसर पर गगन पहाड़ स्थित सत्यम्-शिवम्-सुंदरम् गनिवास में गोसेवा करते हुए श्रद्धालु। इस अवसर साध्वी लक्ष्ययशाश्रीजी, साध्वी लब्धियशाश्रीजी तथा साध्वी आज्ञायशाश्रीजी ने भी भक्तों को आशीर्वचन दिया।

अमावस्या पर शमशेरगंज स्थित शिव मंदिर गौशाला में गोसेवा करते हुए श्रद्धालु।

जातीय भारतीय वैद्य परंपरा संस्था
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ सलाहकार (संस्कृत)-01, एसआरएफ (आयु.)-04 और एसआरएफ (वनस्पति विज्ञान)-01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण हैं। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

भवदीय,
(डॉ.जी.पी.प्रसाद)
प्रभारी सहायक निदेशक

राजा सिंह को मिली जान से मारने की धमकी, डीजीपी से की शिकायत

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने मंगलवार को डीजीपी अंजनी कुमार के पास शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें व्हाट्सएप पर जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने कहा कि उन्हें एक अज्ञात नंबर से फोन आया जो संभवत: पाकिस्तान से है।

अपनी शिकायत में, भाजपा विधायक ने कहा कि खतरा "बहुत गंभीर" लग रहा है, क्योंकि कॉल करने वालों ने कथित तौर पर उन्हें अपने परिवार के सदस्यों का पूरा विवरण, उनकी दिनचर्या और अन्य विवरण बताए। उन्होंने कहा कि कॉल करने वालों ने एक बम लगाने की धमकी भी दी जिसे मोबाइल फोन से संचालित किया जा सकता है। विधायक ने यह भी कहा कि आत्मरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस के उनके अनुरोध को भी पुलिस ने इस आधार पर ठुकरा दिया कि उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। भाजपा विधायक ने पूर्व में भी पुलिस में धमकी भरे कॉल आने की शिकायत दर्ज कराई थी।

जातीय भारतीय वैद्य परंपरा संस्था
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

|| आयुर्वेददो अमृतानम्||

स्वास्थ्य निवारण हेतु आयुर्वेद

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने कोविड-19 जैसे संचारी रोगों की रोकथाम और सामान्य प्रतिरक्षा में वृद्धि के लिए वकालत जारी की थी। सामान्य स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा में सुधार एवं कोविड-19 सहित सभी प्रकार के बुखारों की रोकथाम के लिए संशमनिवती और अश्वगंधा जराचिकित्सा आबादी को वितरित किया जा रहा है।

औषधि, रा.भा.चि.सं.सं, हैदराबाद में उपलब्ध हैं और आम जनता सेवाओं का लाभ उठाने हेतु कार्यालय से (सोमवार से शुक्रवार सुबह 10.00 बजे से शाम 5:00 बजे तक) पर संपर्क कर सकते है।

भवदीय,
(डॉ.जी.पी.प्रसाद)
प्रभारी सहायक निदेशक

आसिफाबाद में भूकंप के हल्के झटके

कुमरामभीम आसिफाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोटाला, बेज्जुर और चिंतालमनेपल्ली मंडलों के कुछ हिस्सों में मंगलवार को कुछ सेकंड के लिए भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। तीनों मंडलों के निवासियों ने कहा कि उन्होंने थोड़ी देर के लिए जमीन में झटके महसूस किए। वे अपने घरों से बाहर आ गए। ये मंडल गोदावरी की एक सहायक नदी प्राणहिता नदी के तट पर और महाराष्ट्र की सीमाओं पर स्थित हैं। संयोग से, सीमावर्ती महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के कुछ हिस्सों में भी एक सेकंड के लिए झटके महसूस किए गए।

स्ट्रीट डॉग के हमले में 19 भेड़ों की मौत

जगतियाल, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार देर रात इब्राहिमपट्टनम मंडल के कोमाटिकोंडापुर में कथित तौर पर आवारा कुत्तों के हमले में 19 भेड़ों की मौत हो गई और चार घायल हो गए।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गांव का एक चरवाहा और मालिक दानवेनी मल्लैया रविवार की रात भेड़ों को एक छप्पर में छोड़ गया था। कहा जाता है कि आवारा कुत्तों के एक समूह ने झुंड पर हमला किया और 19 भेड़ों को मार डाला। मल्लैया ने पशुपालन अधिकारियों को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद पशु चिकित्सक श्रीनिवास रेड्डी ने घटनास्थल का दौरा किया और घायल भेड़ों का इलाज किया।

अग्रसेन बैंक
दि अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि.

'युग आदि' (उगादि) का अर्थ है
एक नए युग (वर्ष) की शुरुआत।
आइए इस नए साल की शुरुआत
एक नई उम्मीद के साथ करें।

आपको और आपके परिवार को

उगादी की शुभकामनाएँ

प्रमोद कुमार केडिया
चेयरमैन

CA नवीन कुमार अग्रवाल
वाईस चेयरमैन

DIRECTORS
विजय कुमार पित्ती, नरसिंगदास, ओमप्रकाश अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, गोपालचंद अग्रवाल, नारायण दत्त, मोहन अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, अंजू केडिया, अपूर्वा अग्रवाल
पी.वी. शर्मा Advisor, डी.वी. प्रसाद राव General Manager, सी.वी. राव Dy. General Manager

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office:
15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar,
Hyderabad - 500012. T.S. Ph : 040-24736228 / 229
www.agrasenbank.in info@agrasenbank.in

Siddiamber Bazar : 040 2473 6228
Malakpet : 040 2455 0351
Rikab Gunj : 040 2456 3981
Secunderabad : 040 2789 0309

एक साथ तीन बाघ देख उड़े पर्यटकों के होश, पहले डरे फिर रोमांचक नजारे का बनाया वीडियो

उमरिया, 21 मार्च (एजेंसियां)। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ लगातार बढ़ रहे हैं, वहीं अब जो शावक थे वे अब वयस्क बाघ के रूप में सबके सामने आ रहे हैं। बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसा ही एक नजारा हाल ही में देखने को मिला, जिसे देखकर पर्यटक हैरान रह गए। बांधवगढ़ के मगधी जोन में सफारी के दौरान सैलानियों को एक साथ तीन टाइगर दिखाई दिए। जो सड़क पर चल रहे थे, जिनके फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। यहां तीनों बाघ मदमस्त चाल से चल रहे हैं। वहींस पर्यटकों के बीच दहशत का माहौल था क्योंकि तीन बाघ अचानक सामने आ जाने की वजह से वह सभी डर गए। लेकिन बाद में सैलानियों ने इस पल को काफी एंजॉय किया और वीडियो और फोटो खींचे जो कि अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

अमृतपाल पर एनएसए, पत्नी के खातों की जांच: हाईकोर्ट ने पूछा

देश के लिए खतरा तो पकड़ा क्यों नहीं, 80 हजार पुलिसकर्मी क्या कर रहे थे?

अमृतसर, 21 मार्च (एजेंसियां)। वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पुलिस पिछले चार दिन से तलाश रही है। अमृतपाल कहां है, अभी इसकी जानकारी किसी को नहीं है। हालांकि, पिता का आरोप है कि पुलिस फंसा रही है और उसे हिरासत में रखा है। पुलिस का कहना है कि अमृतपाल सिख देश बनाना चाहता था। अब अमृतपाल की एनआरआई पत्नी किरणदीप कौर और परिवार के बैंक खातों, मूवमेंट और संबंधों की जांच की जा रही है। जांच के लिए अमृतपाल के 500 करीबियों की लिस्ट भी तैयार की गई है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने पहली बार इस मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने कहा- पंजाब की शांति से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आम आदमी पार्टी कट्टर देशभक्त पार्टी है।

देश के लिए खतरा तो पकड़ा क्यों नहीं?

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने मंगलवार को सरकार से पूछा कि जब एफिडेविट में अमृतपाल को देश के लिए खतरा बताया तो उसे अभी तक पकड़ा क्यों नहीं गया? पंजाब सरकार के एडवोकेट जनरल विनोद घई ने कहा कि अमृतपाल अभी फरार है। उस पर एनएसए लगाया गया है। एजी ने कहा कि बहुत सी बातें वह यहां नहीं बता सकते।

2. 80 हजार पुलिसकर्मी क्या कर रहे थे?

हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि आपके 80 हजार पुलिसकर्मी क्या कर रहे थे। साथी पकड़े गए तो अमृतपाल कैसे भाग गया। यह आपका इंटेलिजेंस फेलियर है। 4 दिन बाद फिर इस मामले की सुनवाई होगी। वहीं खुफिया एजेंसियों की जांच में नया खुलासा हुआ है कि अमृतपाल को पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई ने जॉर्जिया में हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी थी। वह पंजाब आने से पहले दुबई से जॉर्जिया गया था। उसकी आनदंपुर खालसा फोर्स (एकेएफ) बनाने की तैयारी भी इसी ट्रेनिंग का हिस्सा थी। उसे पंजाब में गड़बड़ी कर देश का माहौल खराब करने की पूरी ट्रेनिंग जॉर्जिया में ही दी गई।

एसएफजे ने पावर प्लांट उड़ाने की धमकी दी

सिख अलगाववादी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस ने अमृतपाल सिंह का समर्थन करते हुए दिल्ली के बवाना स्थित प्रगति तीन पावर प्लांट पर हमले की धमकी दी है। सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत पन्नू ने एक बयान जारी कर सिखों से असहयोग आंदोलन शुरू करने और दिल्ली को शटडाउन करने की अपील की है। अमृतपाल के समर्थकों को दूसरे राज्यों की जेलों में शिफ्ट किया जा रहा अमृतपाल के सभी समर्थकों की गिरफ्तारी के बाद उन्हें पंजाब से बाहर की जेलों में शिफ्ट किया जा रहा है। अब तक 116 लोग अरेस्ट हो चुके हैं। एनआईए और पंजाब पुलिस ने मिलकर देश की 13 जेलों को आईडेंटिफाई किया, जो पंजाब से सैकड़ों किलोमीटर दूर हैं। इनमें अधिकतर जेलें देश के दक्षिणी हिस्से में हैं। ऐसा इसलिए किया जाएगा, ताकि पंजाब का माहौल तनावपूर्ण न हो और अमृतपाल सिंह के नेटवर्क को पूरी तरह से तोड़ा जा सके।

दावा- अलग सिख देश बनाना चाहता है

पुलिस ने दावा किया है कि अमृतपाल के ड्रग माफिया से संबंध थे। वह अलग सिख देश बनाने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था। ड्रग माफिया उसे फंडिंग कर रहे थे।

चार थाना प्रभारी सहित 14 पुलिसकर्मी को हाईकोर्ट का नोटिस बिना अपराध के तीन युवकों को बनाया था आरोपी

ग्वालियर, 21 मार्च (एजेंसियां)। रात क्राइम ब्रांच के कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा एक युवक और उसके भाइयों के साथ मारपीट करने और उन्हें अलग-अलग बिना अपराध के कई थानों में बंद करने के मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने तत्कालीन चार थाना प्रभारी समेत 14 पुलिसकर्मियों को नोटिस जारी किए हैं। बता दें कि बिरला नगर में रहने वाले परिवादी यतेंद्र सिंह चौधरी ने हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में याचिका दायर करके दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्जकर सीआरपीसी की धारा-156 के तहत कार्रवाई करने का निवेदन किया है। ऐसे में परिवादी यतेंद्र सिंह द्वारा जिन लोगों पर आरोप लगाया गया है, उनमें पांच पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी आलोक परिहार, जितेंद्र मावई, राजेंद्र बर्मन, सुदेश तिवारी और संजू कामले के अलावा एक एएसआई और आठ आरक्षक शामिल हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सभी संबंधित पुलिसकर्मियों से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। एडवोकेट जितेन्द्र सिंह राठौर के माध्यम से दायर याचिका में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्जकर मामले की जांच कराने का निवेदन किया गया है। न्यायालय ने प्रतिवादी घनश्याम जाट, अनिल राजावत, संतोष भदौरिया, जितेन्द्र सिंह तोमर, लोकेन्द्र राजावत, रामसहाय यादव, अंजनी चंदेल, राहुल यादव सभी आरक्षक, सत्यवीर जाटव एएसआई, टीआई जीतेंद्र मावई, राजेन्द्र बर्मन, संजू कामले, सुदेश तिवारी और आलोक परिहार सभी थाना प्रभारी हैं, जिन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, यतेन्द्र सिंह जाट निवासी लाइन नंबर-12 बिरला नगर ने भारतीय दंड संहिता की धारा-452, 364, 364 ए, 365, 367, 368, 395, 397 भादंसं तथा 11 एवं 13 डकैती अधिनियम के तहत विशेष न्यायालय में परिवाद पेश किया है।

अधीररंजन चौधरी का प्रधानमंत्री मोदी पर हमला

बोले- पीएम बनने से पहले दाऊद को लाने की बात करते थे पीएम बनने के बाद से केवल राहुल गांधी की बात करते हैं

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अधीररंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा कि आज की तारीख में भारत की आम जनता को पता है कि देश के प्रधानमंत्री अयोग्य हैं। जब तक वो केंद्र की सत्ता में नहीं आये थे, तब तक कहा करते थे कि कांग्रेस कमजोर और कायर है।

अगर मैं सत्ता में आया तो दाऊद इब्राहिम को भारत वापस लाऊंगा और जेल में डालूंगा लेकिन अब वो केवल राहुल गांधी की आलोचना में व्यस्त रहते हैं। कांग्रेस सांसद चौधरी ने सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी जी और उनकी सरकार का प्लॉन है कि वो सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों के जरिये विपक्षी नेताओं को झूठे केस में फंसाएं। हम देख रहे हैं कि वो किस रास्ते से देश का हजारों करोड़ लूटकर कैरेबियन समुद्र में आनंद ले रहे हैं। नीरव मोदी और मेहुल चौकसी बेखौफ घूम रहे हैं। संसद में चल रहे अवरोध पर अधीररंजन चौधरी ने कहा कि सत्तापक्ष की ओर से संसद के कार्य को बाधित किया जा रहा है और ऐसा पहली बार हो रहा है कि सत्तापक्ष विपक्ष के सवालों का जवाब देने की बजाए उनकी आवाज को खामोश कर रहा है। इस पूरे मामले में सबसे दुर्भाग्य की बात है कि संसद चलाने वाले अध्यक्ष विपक्षी सदस्यों के माइक को बंद कर रहे हैं।

जहां तक संसद में माफी मांगने का सवाल तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माफी मांगनी होगी। दरअसल सत्तापक्ष और विपक्ष में लगातार राहुल गांधी के बयान को लेकर संसद में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा नीत एनडीए सदन में मांग कर रही है कि राहुल गांधी ने लंदन में जो भी देश विरोधी बातें कही हैं, उसके लिए वो संसद में माफी मांगे।

वहीं राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी ने विदेश में ऐसी कोई बात नहीं कही है, जो देश के खिलाफ है, बल्कि आज के दौर में राहुल गांधी की कही सारे बातें सही हैं। संसद में सत्तापक्ष विपक्ष की आवाज को दबाना चाहता है क्योंकि विपक्ष लगातार अडानी विवाद के संबंध में सरकार से सवाल कर रहा है और चूंकि अडानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी हैं। इस कारण सरकार विपक्ष के सवालों से असहज हो रही है।

गैराज में लगी आग, तीन गाड़ियां जलकर हुई खाक

कुरुक्षेत्र, 21 मार्च (एजेंसियां)। (हरियाणा) कुरुक्षेत्र के पिहोवा में एक कार गैराज में अचानक आग लग गई, जिससे तीन गाड़ियां जलकर राख हो गई। आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि पिहोवा के कैथल रोड पर स्थित सैनी कार गैराज को हर रोज की तरह सुबह गैराज मालिक ने खोला था, जिसके बाद सफाई कर वह किसी काम के चलते वापस घर चला गया। कुछ देर बाद ही उसे किसी ने सूचना दी कि गैराज में आग लगी है। वह मौके पर पहुंचा तो आग भड़क चुकी थी। आनन-फानन में फायर ब्रिगेड केंद्र पर सूचना दी, जिसके बाद फायर कर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक तीन गाड़ियां जल चुकी थी। गैराज में अन्य सामान भी जलकर राख हो गया। माना जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी है, लेकिन अभी सही कारणों की जांच की जा रही है।

शौहर ने थाने में दे दिया तीन तलाक

पीड़िता बोली- पति पर एक्शन नहीं, चाय नाश्ता करवा रही थी पुलिस

चंद्रपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर से तीन तलाक का ऐसा मामला सामने आया है, जिसके सुनकर हर कोई हैरान है। दरअसल, यहां पति की प्रताड़ना से तंग आकर थाने में मामला दर्ज करवाने पहुंची बीवी को उसके शौहर ने पुलिस वालों के सामने ही तीन तलाक दे डाला। हैरानी की बात ये रही कि जब ये सब हो रहा था तो पुलिस बस तमाशबीन बनी रही। न ही उन्होंने पीड़िता के पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। मामला जीवति तहसील के पाटण थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि महिला का पति नामी अखबार में बतौर पत्रकार काम करता है। उसकी पुलिस वालों से अच्छी सांठ-गांठ है। इसलिए पुलिस वालों ने महिला की एक न सुनी। और न ही पीड़िता के पति के खिलाफ मामला दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक, 34 साल की शाहिस्ता की शादी 8 साल पहले अनवर खान के साथ हुई थी। दोनों के दो बच्चे भी हैं। शाहिस्ता के मुताबिक शादी के पांच-छह महीने तक सब ठीक चलता रहा। लेकिन बाद में अचानक अनवर के तेवर ही बदल गए। वह आये दिन उससे मारपीट और गाली-गलौच करता। यही नहीं, लाठी-डंडों से पीटना, गर्म प्रेस से शरीर को जलाना, खाना न देना, मुंह पर थूकना, और कभी भी घर से बाहर निकाल देना अनवर के लिअ आम बात हो गई थी। लेकिन फिर भी बच्चों की खातिर शाहिस्ता पति अनवर के सारे जुल्म सहती रही। उसे उम्मीद थी कि कभी न कभी अनवर सुधर जाएगा। लेकिन उल्टा उसे जुल्म बढ़ते ही चले गए। हद तो तब हो गई जब अनवर ने शाहिस्ता को उसके बच्चों से ही दूर कर दिया। अनवर ने बच्चों को अपने भाई के पास पुणे भेज दिया। शाहिस्ता ने फिर तय किया कि वह अब अनवर के खिलाफ मामला दर्ज करवाएगी। 26 फरवरी को शाहिस्ता पाटन थाने पहुंची। उसने पुलिस को बताया कि अनवर और उसके ससुराल वाले उस पर जुल्म करते हैं। लेकिन यहां पुलिस वालों ने उल्टा अनवर को बुलाकर उसे पहले चाय-नाश्ता करवाया। वहीं, शाहिस्ता के साथ आरोपियों जैसा व्यवहार किया। फिर घंटों बाद अनवर ने पुलिस वालों के सामने ही शाहिस्ता को तीन तलाक दे डाला। जब दर-दर भटक रही शाहिस्ता खान सामाजिक संगठन और कुछ पत्रकारों के पास अपनी फरियाद लेकर पहुंची तो उनके जरिए मामला चंद्रपुर पुलिस अधीक्षक रविंद्र सिंह परदेशी तक पहुंचा। पुलिस अधीक्षक ने पीड़िता की दर्द भरी कहानी सुनी और पाटण पुलिस थाना प्रभारी घोडके को तीन तलाक और घरेलू हिंसा के मामले में तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिये।

इंदौर में पीएफआई जासूस को पकड़वाने वाले वकील से मारपीट

इंदौर, 21 मार्च (एजेंसियां)। कोर्ट में पीएफआई के लिए वीडियो रिकार्डिंग कर रही युवती को पकड़वाने वाले वकील पर के साथ इंदौर के सदरबाजार क्षेत्र में तीन लोगों ने मारपीट की। इस मामले में एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया है। वकील को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस के अनुसार मनीष गडकर वकालत करते है। उनका दफ्तर तिलक पथ पर है। उनके दफ्तर में जुनैद अपने भाई की जमानत के लिए आया था। मैने उसे दस्तावेज दिए और कहा कि उस पर भाई के हस्ताक्षर लाना है। बीच में उसने फोन लगाया तो मैने व्यस्त होने का हवाला देकर शाम को आने का कहा। शाम को वह अपने दो साथियों के साथ आया और कहा कि आजकल तुम फेसबुक पर मुस्लिमों के खिलाफ पोस्ट डाल रहे हो। ऐसा मत करो, वर्ना जान से हाथ धोना पडेगा। इसके बाद तीनों ने मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी और दफ्तर के कांच भी फोड़ दिए। मनीष का कहना है कि आरोपी भाई की जमानत के बहाने आए, लेकिन वे मुझ पर हमला करने की योजना बना रहे थे। मनीष हिन्दू महासभा से जुड़े है। बजरंग दल से जुड़े नेता को कोर्ट में पेश करने के दौरान लॉ स्टूडेंट सोनू मंसूरी कोर्ट में वीडियोग्राफी कर रही थी। मनीष व एक अन्य वकील ने इस पर आपत्ति ली थी और छात्रा की शिकायत पुलिस को की। छात्रा के पास से नोटों की गड्डी भी मिली थी। मनीष सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहत है और अजान के दौरान बजने वाले लाऊंड स्पीकरों के खिलाफ मुहिम भी चलाई थी।

सीएम शिवराज ने पीएम नरेंद्र मोदी को दी फसलों के तबाही की जानकारी, किसानों को दिया आश्वासन

भोपाल, 21 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों पर आई विपदा की खबर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी हो गई है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर फसल बर्बादी की जानकारी दी है।वहीं सीएम चौहान आज प्रदेश के सागर और विदिशा जिले के दौरे पर रहेंगे।यहां सीएम खेतों में पहुंचकर बर्बाद हुई फसलों को देखेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री जी से फोन पर बात कर ओलवृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी दी है।सीएम शिवराज ने कहा,"मैं अपने किसान भाइयों और बहनों को कहना चाहता हूं कि संकट है, परेशानी है। लेकिन आपकी क्षति का आंकलन होगा और क्षति का आंकलन करके हम नुकसान की भरपाई करेंगे। हर खेत तक पहुंचना मेरा संभव नहीं है,लेकिन मैं हर जिले की चिंता करुंगा,जहां फसलें खराब हुई हैं। हर गांव की चिंता करुंगा,हर किसान की करुंगा जिन किसानों की फसलें खराब हुई है।" सीएम ने कहा कि मेरे किसान भाइयों और बहनों अपने आप को अकेला मत समझना,संकट की इस घड़ी मैं तुम्हारे साथ खड़ा हूं और तुम्हें इस संकट के पार निकालकर ले जाऊंगा,यह मेरा संकल्प है।

सीएम ने दिया आश्वासन, 25 तक होगा सर्वे

बता दें कि मध्य प्रदेश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से 500 से अधिक गांवों में 30 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की फसलें बर्बाद हो गई हैं।सबसे अधिक हालत नीमच जिले की खराब है।नीमच जिले में 411 गांवों में 904 हेक्टेयर रकबा प्रभावित हुआ है। भिंड में 15 गांवों में 80 प्रतिशत नुकसान बताया जा रहा है।श्योपुर में 12 गांवों में नुकसान की बात सामने आ रही है। आदिवासी बहुल झाबुआ में 30 फीसदी किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं।इसके अलावा अनेक जिलों में किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है।जिन किसानों की फसलें खराब हुई हैं, सीएम ने उन्हें आश्वासन दिया है कि प्रदेश में 25 मार्च तक सर्वे कार्य पूरा हो जाएगा।सर्वे में पूरी पारदर्शिता रखी जाएगी। बर्बाद फसल का आंकलन करने के बाद नुकसान की भरपाई की जाएगी।

अब मौसम में सुधार की संभावना

बता दें कि मप्र में बीते आठ दिनों से बेमौसम बारिश का दौर जारी है।एमपी के किसी न किसी जिले में प्रतिदिन ही बारिश व ओले गिर रहे हैं।सोमवार को भी एमपी के मंडला,शिवपुरी,गुना,इंदौर,भोपाल में बारिश हुई,जबकि टीकमगढ़ और ओरछा में ओले गिरे हैं। इधर मौसम वैज्ञानिकों ने आज से मौसम में सुधार की संभावना जताई है।

पानीपत सेशन कोर्ट कर्मी से धोखाधड़ी

बिना किसी जानकारी के खाते से निकले साढ़े 99 हजार

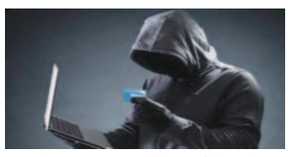

पानीपत, 21 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले के सेशन कोर्ट के एक कर्मचारी के साथ साइबर ठगी हो गई। ठगों ने बिना किसी तरह की जानकारी लिए, बिना ओटीपी के ही खाते से 99 हजार 500 रुपए निकाल लिए। मोबाइल फोन आए एसएमएस से ठगी होने का पता लगा। बैंक से पता लगा कि ठगी एमपी के एक निजी बैंक के खाताधारक ने की है। जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में गजेंद्र कुमार ने बताया कि वह गांव हालुवास, जिला भिवानी का रहने वाला है। वह पानीपत जिला एवं सत्र न्यायधीश कार्यालय में कार्यरत है। उसका पानीपत लघु सचिवालय स्थित एसबीआई शाखा में खाता है। 17 मार्च की शाम 7:07 बजे उसके मोबाइल फोन पर बैंक से रुपए डेबिट संबंधित होने का मैसेज आया। जिसमें उसके खाते से 99 हजार 500 रुपए डेबिट हुए थे। गजेंद्र का दावा है कि उसने अपने खाता संबंधित कोई भी जानकारी किसी से भी शेयर नहीं की है। न ही उसने अपना किसी तरह का लिंक ओपन किया है। इतना ही नहीं, यह ट्रांजेक्शन भी उसने खुद नहीं की है। उसने इस बारे में बैंक से जाकर पता किया। बैंक कर्मियों ने बताया कि खाते से मध्य प्रदेश की गुना स्थित रिले कॉलोनी में कोटक महिंद्रा बैंक में चल रहे रचना जाडोन नाम के खाते में उक्त राशि ट्रांसफर हुई है।

उल्टी करने के लिए बस से झांक रही बच्ची के सिर के हुए टुकड़े

खंडवा, 21 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के खंडवा में सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात साल की बच्ची की मौत हो गई। छैगांव माखन के पास बच्ची बस की खिड़की से उल्टी करने के लिए अपना मुंह बाहर निकाल रही थी, तभी साइड से चल रही एक आइशर गाड़ी से उसका सिर इस तरह टकराया कि बच्ची के सिर के टुकड़े हो गए। हादसे में उसकी आंख और सिर का ऊपरी हिस्सा शरीर से अलग होकर बाहर गिर गया, जिसे देखकर बस में सवार यात्री कांप उठे। खून से लथपथ बच्ची के शरीर को बस से खंडवा तक लाया गया, जिसके बाद एंबुलेंस से उसे अस्पताल पहुंचाया। पर तब तक मासूम की मौत हो चुकी थी। हादसे से गुस्साए परिजनों ने बस पर पथराव कर दिया। गनीमत रही कि बस में बैठे किसी अन्य यात्री को चोट नहीं आई। वहीं, पुलिस ने बस को जब्त कर ड्राइवर और क्लीनर को हिरासत में ले लिया। खंडवा के पदमनगर थाना पुलिस के अनुसार केवलराम सर्विस की बस (एमपी-12 पी-8118) को जब्त कर ड्राइवर व क्लीनर को हिरासत में ले लिया गया है। छैगांव माखन थाना क्षेत्र का मामला होने के कारण वहां एक्सीडेंट की कायमी हो चुकी है। दुर्घटना में इंदौर स्थित तेजाजी नगर निवासी राजकुमारी पिता चीकू (7) की मौत हुई है। राजकुमारी का परिवार मूलतः सिंगोट का रहने वाला है। लेकिन रोजी-रोटी के चलते वे तेजाजी नगर शिफ्ट हो गए।

जम्मू कश्मीर: गुजरात जालसाज किरण पटेल की जमानत पर फैसला 23 को

श्रीनगर, 21 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) श्रीनगर ने गुजरात के एक व्यक्ति द्वारा दायर जमानत अर्जी पर आदेश के लिए सुरक्षित रखा, जिसने गिरफ्तारी से पहले इस महीने की शुरुआत में सुरक्षा प्रतिष्ठान को पीएमओ का अधिकारी होने का विश्वास दिलाया था और सभी प्रोटोकॉल का लुत्फ उठाया। गुजराती किरण पटेल और अभियोजन पक्ष के वकील को सुनने के बाद, सीजेएम राजा मोहम्मद तसलीम ने मामले को 23 मार्च को आदेश के लिए रखा।

रेवाड़ी में नाबालिग से दुष्कर्म

किडनैप कर ले गया था साथ; पुलिस ने ऑटो सहित गिरफ्तार किया

रेवाड़ी, 21 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी जिले में एक नाबालिग छात्रा को किडनैप कर ऑटो चालक ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने लापता नाबालिग लड़की को बरामद करने के साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही आरोपी को ऑटो को भी कब्जे में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, रेवाड़ी के सदर थाना क्षेत्र में पड़ने वाले एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी 14 साल बेटी आठवीं कक्षा की छात्रा है। देर रात उनकी बेटी घर से अचानक लापता हो गई। काफी देर तक नाबालिग वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं लग पाया। नाबालिग के पिता ने गांव के ही एक युवक पर उनकी बेटी को अपने साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया। शिकायत के बाद सदर थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए नाबालिग को बरामद कर लिया। बरामद हुई नाबालिग ने बताया कि उसके ही गांव का ही एक व्यक्ति उसे बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया। आरोपी उसे दिल्ली-जयपुर हाइवे पर पड़ने वाले गांव खरखड़ा के पास ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस द्वारा नाबालिग की काउंसलिंग कराने के बाद कोर्ट में बयान दर्ज कराए। कार्रवाई के बाद पुलिस ने नाबालिग को परिजनों को सौंप दिया है। साथ ही आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से वारदात में प्रयोग किया गया ऑटो भी बरामद कर लिया है।

छात्रों को भूखा देख आईएएस अधिकारी ने तले पकौड़े

बच्चों ने बड़े चाव से खाए, रसोइया बोला- गजब अफसर हैं

मुरैना, 21 मार्च (एजेंसियां)। कहते हैं कि सफलता की ऊंचाइयों को छूते ही न सिर्फ आदमी का रंग-ढंग बदल जाता है, बल्कि उसके हृदय में धड़कता कोमल दिल भी कठोर हो जाता है। लेकिन मुरैना जिपं सीईओ इच्छित गढ़पाले के ऊपर यह जुमला फिट नहीं बैठता है। बीते रोज उन्होंने हैरिटेज वॉक के दौरान भूख से व्याकुल हो रहे बच्चों के लिए भजिए (पकौड़े) तलकर अपने सहज और सरल होने का परिचय दिया। उनके पकौड़े (भजिए) तलने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिपं सीईओ के इस काम की जिले भर में प्रशंसा हो रही है। जानकारी के अनुसार मुरैना में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हेरिटेज वॉक का कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें जिले के अधिकारियों ने स्कूली बच्चों को साथ लेकर ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। जिला पंचायत सीईओ इच्छित गढ़पाले बच्चों को ऐतिहासिक धरोहरों का भ्रमण करते हुए गढ़ी पड़ावली पहुंचे। यहां तक पहुंचते-पहुंचते काफी देर हो चुकी थी। इस वजह से बच्चों को तेज भूख भी लग रही थी। सीईओ इच्छित गढ़पाले बच्चों की भूख को भांप गए और वह तुरंत रसोइयों के पास पहुंचे। यहां पर दो लोग बच्चों के लिए नाश्ता तैयार कर रहे थे। लोगों की कमी होने से नाश्ता तैयार करने में समय लग रहा था। यह देखकर वह खुद रसोइए के साथ बैठकर पकोड़े तलने लगे। सीईओ को पकौड़े तलते हुए देख उनके साथ गए अन्य अधिकारी भी नाश्ता बनवाने में रसोइयों की मदद करने लगे। सीईओ के हाथ के तले पकौड़े बच्चों ने बड़े ही चाव से खाई। रसोइयों ने बताया कि इस प्रकार का अधिकारी हमने पहली बार देखा है, जो इतना सरल और सहज है। जिनके काम को देख कर दिल खुश हो गया। उन्होंने बताया कि यह पल हमारे लिए यादगार रहेगा। जिला पंचायत सीईओ इच्छित गढ़पाले ने बताया कि आप लोग इसे बड़ी बात कह रहे हैं। यह भी एक सामान्य बात ही है। बच्चे भूखे थे और बच्चों से मेरा लगाव भी है। बच्चो को हम अपने साथ लेकर गए तो हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी थी कि उनके लिए खाने-पीने की उचित व्यवस्था की जाए। इसलिए मैंने अपनी जिम्मेदारी निभाई है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 22 मार्च- 2023

सवालों के घेरे में टीएमसी

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों के बीच हिंसक टकराव कोई नई बात नहीं है। वहां के राजनीति की तासीर रह है कि सत्तापक्ष अपने प्रतिद्वंद्वी राजनेताओं पर बदले की भावना से कार्रवाई करने से बिलकुल नहीं हिचकता। ऐसे राजनीतिक माहौल में ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार भला अलग कैसे रह सकती है। पश्चिम बंगाल में पहले कम्युनिस्ट पार्टियों और कांग्रेस के बीच मुख्य रूप से मुकाबला हुआ करता था, अब वह स्था तृणमूल कांग्रेस और भाजपा ने ले लिया है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच आए दिन झडप होती रहती है। खासकर जबसे तृणमूल कांग्रेस दोबारा सत्ता में आई है तब से तो उसने भाजपा समर्थकों का जीना हराम कर रखा है। आए दिन दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच रार देखी जा सकती है। बीते विधानसभा चुनाव के वक्त हवा का रुख भांपते हुए तृणमूल कांग्रेस के बहुत सारे नेता भाजपा में चले गए थे, लेकिन जब अपेक्षित परिणाम नहीं आया तो चुनाव नतीजों के बाद उनमें से अधिकतर घरवापसी कर टीएमसी में लौट आए। इसी आवाजाही से ही स्पष्ट हो गया था कि वहां के नेताओं में सत्तापक्ष की बदले की कार्रवाइयों का कितना भय समाया रहता है। जो पहले तृणमूल छोड़ कर गए थे, उन्हें तब यही लगा था कि सरकार भाजपा की बनेगी और वे सुरक्षित रहेंगे, लेकिन नतीजे उलटे आए तो वे इसी भय से वापस लौट आए कि टीएमसी उन्हें परेशान कर सकती है। जो भाजपा में रह गए, वे आज सत्तापक्ष के निशाने पर हैं। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही तृणमूल छोड़ कर भाजपा में चले गए और ममता बनर्जी को सीधे चुनौती देते आ रहे शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ शिकंजे कसे जाने लगे हैं। हालांकि भ्रष्टाचार के मामले में अधिकारी के खिलाफ केंद्रीय जांच एजंसियां पहले से जांच कर रही थीं, मगर उनके भाजपा में शामिल होने के बाद वे ठहर गई थीं। फिर पश्चिम बंगाल सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमे दायर कराए। इसे लेकर अधिकारी ने कोलकाता हाईकोर्ट में चुनौती दी। वहां से कोई सकारात्मक निर्देश न मिल पाने की वजह से उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिख कर गुहार लगाई कि पश्चिम बंगाल सरकार विपक्षी नेताओं के खिलाफ झूठे और मनगढ़ंत मुकदमे थोप कर परेशान कर रही है। इस पर गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब की है। केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच भी रिश्ते कोई सौहार्दपूर्ण नहीं हैं। इसलिए ममता बनर्जी केंद्र के हर फैसले को चुनौती देती देखी जाती हैं। इसलिए वे गृह मंत्रालय के ताजा निर्देश पर कितना सकारात्मक रुख दिखाएंगी, समझना मुश्किल नहीं है। जाहिर है अगर गृह मंत्रालय इस मामले को तूल देगा, तो वे उसे सियासी रंग देने से बिलकुल परहेज नहीं करेंगी। बीते काफी समय से राजनीतिक दलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का लोप होते देखा जा रहा है, फिर भी उम्मीद कायम है कि किसी न किसी दिन हालात सुधरेंगे। सत्ता में आने के बाद राजनीतिक पार्टियां अपने प्रतिद्वंद्वी को प्रायः रंजिश और बदले की भावना से सबक सिखाने का प्रयास करती हैं। उस पर भी ममता बनर्जी तो इस मामले में कुछ ज्यादा ही आक्रामक मानी जाती हैं। वे तो अपने किसी कार्यकर्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने पर खुद थाने तक में पहुंच जाती हैं। अगर उनके खिलाफ कोई व्यंग्य-चित्र बनाता है, तो उसे गिरफ्तार करवाने से भी पीछे नहीं रहती। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनके कार्यकर्ताओं का खूनी संघर्ष अनेक मौकों पर देखा जा चुका है। एक राज्य की मुखिया होने के नाते उनसे संतुलित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। हालांकि इस मामले में वे अकेली नहीं हैं। दूसरे राज्यों में भी यही प्रवृत्ति देखने को मिल रहा है।

सरकारी बस अड्डा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

"भैया यह ओरुगल्लू की बस कब आ ए गी ?" "जब आएगी तब आएगी। आप वहाँ नए बने विश्राम गृह में जाकर बैठिए। थोड़ा राज्य सरकार का विकास कार्य भी तो देखिए। बस यूँ ही बस में बैठे फुर्र हो जायेंगे तो राज्य के विकास के बारे में कैसे पता चलेगा?""अरे भैया! आप भी कमाल करते हैं। हमें बस की पड़ी है और आप हमें जबरन विश्राम गृह दिखाने पर तुले हैं। हमें सीधे-सीधे बस के समय की जानकारी क्यों नहीं दे देते?" बस काउंटर वाला मन ही मन बड़बड़ाने लगा – "अगर मैं तुम्हें यह बता दूँ कि बस दो घंटे लेट है तो तुम मुझे इतना गरियाओगे कि हमारी हालत खराब हो जाएगी।" दो मिनट झेंपने के बाद काउंटर वाले ने जैसे-तैसे मुझे विश्राम गृह में बैठने के लिए मना लिया। झक मारकर मैं विश्राम गृह में जाकर बैठ गया। अभी मैं बैठा ही था कि एक बंदा वहाँ आया और कहने लगा – "भैया! दो दिन से भूखा हूँ। गाँव जाने के लिए भी पैसे नहीं है। इस गरीब की कुछ सहायता कर दो। भगवान आपको बरकत देगा।"मुझे उस बंदे से अधिक विश्राम गृह पर गुस्सा आ रहा था। खाक विकास हुआ है। दो-चार टाइल लगाकर एक-दो रिचार्ज प्वाइंट लगाने को विकास कहते हैं? बस अड्डे में कुछ भी बदलाव नहीं आया। पहले भी भिखमंगे भीख माँगने आते थे और आज भी आते हैं। यदि इसी को विकास कहते हैं तो ऐसा विकास सरकार को ही मुबारक। मैंने जैसे-तैसे उस बंदे को वहाँ से भगाया। घुम-फिरकर वह बंदा फिर से मेरे पास आया। इस बार मैंने उसे इतनी जोर से झिड़की दी कि वह अगली बार आने से पहले दो-चार बार अवश्य सोचेगा। बस अड्डे पर बस की प्रतीक्षा करने के बहाने लोग क्या-क्या सीख जाते हैं। संयमता, तपस्या करना, खीझ नियंत्रित करना, गुस्से का पारा अधिक होने पर झिडकी देना आदि-आदि। बस अड्डा न हुआ बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र हो गया। बैठे-बैठे प्यास लगने लगी। अड्डे से पानी की बोतल खरीदने लगा तो दुकानदार ने किनली के बदले सिनली की बोतल थमा दी। ऊपर से तय कीमत से पाँच रुपए अधिक वसूल रहा था। पूछने पर गुटके की पीक मेरे बगल से दूर थूकते हुए मेरी ओर ताकते हुए कहा – "देखिए साहब ज्यादा तीन-पाँच मत कीजिए। यहाँ का कानून ऐसा ही है। किनली में 'के' होता है सिनली में 'सी' है। इसमें ज्यादा अतंर क्या है। एक ही अक्षर का अंतर तो है। इसके लिए सिर पर पहाड़ उठाने की क्या आवश्यकता है? पाँच रुपए की शिकायत आप जहाँ करना चाहते हैं कीजिए। यह गीदड़ भभकी आप किसी और को सुनाना।"मेरे गुस्से का पारा सातवें आसमान को छू रहा था। मैंने उसकी बोतल लौटानी चाही। लेकिन दुकानदार बड़ा ही कमीना और धूर्त किसिम का था। उसने बोतल लेने से यह कहते हुए मना कर दिया कि मैंने बोतल छू दी है और छुई हुई बोतल वापस नहीं ली जाती। दुकानदार मुझ जैसों का खून चूस-चूसकर हट्टा-कट्टा बन चुका था। मैं उससे लड़-झगड़ नहीं सकता था। फिर सोचा पच्चीस-तीस रुपए के लिए कौन भल मानुस अस्पताल के चक्कर लगाएगा और हजारों का बिल भुगतेगा। सो मैंने उसकी तय राशि देकर हाथ जोड़ लिये। तभी वरंगल की बस आ गई। मैंने कंडक्टर से पूछा कि क्या यह बस ओरुगल्लू जाएगी? इस पर उसने कहा – हाँ जाएगी। लेकिन साथ में उसने यह भी पूछ लिया कि मुझे उतरना कहाँ है? मैंने उसे फलाना पुलिया का हवाला देते हुए उतरने का पता बता दिया।

ना कहना भी है एक कला है, तार्किक ना कहने से न करे संकोच

श्याम कुमार कोलारे

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा हर किसी का चाहेता बना रहे, हर कोई उसके काम की तारीफ करे एवं उसकी सराहना करे । इसलिए वह उसको दिए गए काम एवं जिम्मेदारी को हमेशा से पूर्ण इमानदारी एवं लगन के साथ के साथ करता है और चाहता है इसका हमेशा उसको श्रेय मिले साथ ही साथ सभी के सामने उसके काम की प्रशंसा हो 1 परन्तु कभी आपने सोचा है सभी को खुश रखने के चक्कर में आप पर हमेशा जिम्मेदारियाँ बढ़ा दी जाती है, आप कोई भी काम को सहर्ष स्वीकार कर लेते है इसलिए आपको ही काम के लिए हमेशा चुना जाता है । आप हमेशा काम वगैर कोई न-नुकर करे स्वीकार कर करने लगते है, आपको और अन्य काम की जिम्मेदारी सौप दी जाती है, पहले से आपके पास काम की एक लम्हैबी लिस्ट है,आपको और अतिरिक्त काम का बोझ डाल दिया जाता है । यदि आप किसी के अधिनस्त कार्य करते है और आपके बॉस ने आपको कोई अतिरिक्त कार्य दे दिया तो आपको ना कहते नहीं बनता। आप मन में सोच रहे होते है कि बॉस को ना कहना यानि अपनी नौकरी खतरा मोल लेना या बॉस के कोप का शिकार होना । बस आपके पास हाँ कहने के आलावा और कोई विकल्प नहीं रहता है । किसी भी काम के लिए हमेशा हाँ कहना यानि अपने आप को और अधिक समय के लिए काम से जोड़ लेना है । अतिरिक्त काम करना गलत नहीं है परन्तु यदि हमें पता है कि इससे हमें कोई विशेष फायदा नहीं होने वाला है, इससे केवल समय, शक्ति और उत्साह का हनन ही होना है तब भी काम करते रहना यह स्वयं को थकाने जैसा कार्य होता है । इससे काम करने वाला व्यक्ति अपने निजी पलो को भी प्रोपेस्नल कामो में लगा देता है और पर्सनल जीवन को अपने जॉब या नौकरी में लगा कर अपने स्वयं के सुखद पलो को खोते रहता है । हमें रोज़मर्रा के जीवन में निरंतर दूसरों के अनुरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों की मदद करना भले ही अच्छी आदत कहलाती है लेकिन लगातार ऐसा करते रहने से हम पाते है कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास समय नहीं रह जाता है। इस तरह के कार्य करते रहने से हमारे भीतर हताशा पैदा होने लगती है। 'न' एक सरल शब्द है जो महज एक अक्षर का है लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए 'न' उच्चारण कर पाना कठिन होता है। जबकि हम सभी जानते है कि 'न' कह देने से हम जीवन की अनेक कठिनाइयों से बच सकते हैं। जतिन एक निजी कम्पनी में काम करता है, कम्पनी की तरफ से उसे फील्ड के दैनिक काम निर्धारित है, वह अपनी कम्पनी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी के काम को भलीभांति पूर्ण निष्ठा के साथ करता है जिससे उसके बॉस के सामने उसकी अच्छी इमेज है । वह सब कम समय पर करता है बॉस को उस पर पूर्ण विश्वास है कि वह किसी भी काम को अच्छे से कर सकता है। कम्पनी में एक प्रोजेक्ट आता है, इस काम का पूर्व अवलोकन करने के लिए लोगो का चयन में जतिन एवं उसी के जैसे काम करने वाले लोगो का नाम आगे आता है, जतिन को इस नया काम की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाती है, वह भी अपने मूल काम को बिना प्रभावित किये इस नया काम को करने के लिए आदेशित कर दिया जाता है । चूँकि उसके पास फुलटाईम अपना मूल काम है, ऐसे में उसके पास अतिरिक्त समय नहीं है जिससे यह कोई अन्य काम की जिम्मेदारी ले सके परन्तु बॉस के नजरो में अच्छा दिखना एवं बॉस के कोप का भागीदार न बनने की सोच कर वह इस काम को ना नहीं कह पाता और इस काम की जिम्मेदारी ले लेता है । अब वह इस नई जिम्मेदारी के लिए दो महीनो से घर से बाहर कार्य के लोकेशन में रहकर कार्य संभाल रहा है , इसके साथ वह उसके मूल काम को भी कर रहा है । वह सुबह से शाम तक जिम्मेदारी वाले काम करता है एवं देर रात तक अपने मूल काम का उत्तरदायित्व को निभाता हुआ अपने आप को व्यस्त रखता है । कभी-कभी दिन-दिन भर ऑनलाइन मीटिंग, रिपोर्टिंग, प्रेसेंटेशन, फोर्मेट क्रिएशन, कार्यक्रम क्रियान्वयन के चलते घर में बात में करने का भी समय नहीं मिलता । एक शादी शुदा जिन्दगी पूरी तरह कम्पनी को समर्पित करने वाला जतिन आज एक ऐसे दोराहा पर खड़ा है कि इसे समझ नहीं आ रहा है कि वह क्या करे, जिनके लिए कमा रहा है, उनके लिए उसके पास ही नहीं है । अब वह सोचता है कि उस समय मैंने ना क्यों नहीं बोला; मैंरे पास पहले से ही काम है ऐसे में अन्य काम की जिम्मेदारी को नहीं कर पाहुंगा ऐसा मुझे ख देना चाहिए था । अब वह अवसाद से धीरे-धीरे घिरता जा रहा है । उसे उसके काम में अब वो बात नहीं लग पा रही है जैसे वह पूर्व में किया करता था । पहले जब वो काम करता था उसके काम में पूर्ण गुणवत्ता होती थी, अब उसके काम की वह पैनी नोक जैसे कम होती नजर आ रही है । परन्तु काम को बीच में छोड़कर भी नही जाया जा सकता । इस प्रकार से अपने ऊपर बोझ को लेकर अब उसे उब होने लगी है। हमारे आसपास ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जो अपने काम से संतुष्ट न होने से अवसाद का शिकार हो जाते है ।

अच्छे काम के लिए पहले जो जाने जाते थे अब उस काम में उनकी रुचि नहीं लगती है । आखिर यह सब हुआ "ना" नहीं कहने के कारण । हर काम के लिए हमेशा "हाँ" कह देना आप पर न केवल काम का बोझ बढ़ाएगा बल्कि आपको ऐसे कार्य भी करने होंगे जिनको करना आप पसंद नहीं करते है । आपको समझना होगा कि आपका समय और बहुमूल्य उर्जा सीमित है और आपको इसकी अहमियत देनी होगी । कई बार लोग अपनी छवि खराब होने के डर से किसी भी कार्य को "न" नही कह पाते है । लेकिन आपको यह समझना होगा कि काम करने के लिए "हां" कहने के बाद समय की कमी के चलते काम ख़राब होता है तो इससे आपकी छवि अधिक ख़राब होगी। कई स्थानों पर आपके पास "ना" कहना आसन नहीं होता है । सबसे पहले तो हमें बहुत ही सभ्य तरीके से किसी कार्य के लिए मना करना चाहिए । साथ ही मना करने का उचित व तार्किक कारण भी बताया जाना जरुरी है । लेकिन इस कारण को विस्तार में बताने की आवश्यकता नहीं होती है । कई बार देखा गया है कि कुछ लोग पूरी कहानी बताएगे , जबकि सिर्फ कारण बताने भर से काम चल सकता है । किसी कार्य को मना करने के साथ आप उन्हें उस कार्य करने का विकल्प भी बता सकते है । जैसे आप कह सकते है कि आप आज व्यस्त है लेकिन आने वाले रविवार को आप खाली रहेंगे और उस दिन इस कार्य को कर सकते है । या फिर उस कार्य को करने के लिए किसी अन्य का नाम सुझा सकते है । ना कहना भी एक कलां है जिसने तर्क पूर्ण ना कहना सीख लिया यानि उसने अपने खुश रहने की कुंजी खोज लिया ।

आइये कुछ ऐसे तरीकों को जानते है जिससे आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते है - दोस्तों के दबाव से बचे अक्सर हम दोस्ती रिश्तेदारी, आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं। जैसे ''पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने भी एक पैग ले लिया। ऑफिस के लोग बाहर खाना खाने जा रहे थे, तो मैं भी चला गया, अब बजट गड़बड़ हो गया।" इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानी, अगर चाहते तो, शालीनता से मना भी कर सकते थे। ना कहने का मतलब है अपने खुद के लिए खडे होना। कुछ बातों में ना करके आप अनचाही परिस्थितियों में फंसने से बचते हैं, इससे आत्मविश्वास बढता है । अपनी ऊर्जा को बचाए रखें कई बार हम दूसरों को खुश करने की लिए उनकी बात के लिए हामी भर देते है और बाद में सोचते हैं कि ना कह देते तो ज्यादा अच्छा होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम ना को नकारात्मक भाव से जोडते है। ऐसा करने से हम अपना समय खुद ही बर्बाद करते हैं।

अब हमारी आदत ही पानी बचा सकती है

प्रियंका सौरभ

नीति आयोग की 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 600 मिलियन भारती य अत्यधिक जल संकट का सामना करते हैं और सुरक्षित पानी तक अपर्याप्त पहुंच के कारण हर साल लगभग दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। 2030 तक, देश की पानी की मांग उपलब्ध आपूर्ति से दोगुनी होने का अनुमान है, जो लाखों लोगों के लिए गंभीर पानी की कमी और देश के सकल घरेलू उत्पाद में 6% की हानि का संकेत है। अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि 84% ग्रामीण घरों में पाइप से पानी की सुविधा नहीं है, देश का 70% से अधिक पानी दूषित है। जल जीवन मिशन ने 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर पानी की आपूर्ति की परिकल्पना की है। यह जल शक्ति मंत्रालय के अधीन है। इसे 2019 में लॉन्च किया गया था। यह 2024 तक हर ग्रामीण घर में पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए सरकार के जल जीवन मिशन का एक घटक है। यह योजना एक अनूठे मॉडल पर आधारित है, जहां ग्रामीणों की पानी समितियां (जल समिति) यह तय करेंगी कि वे अपने द्वारा उपभोग किए जाने वाले पानी के लिए क्या भुगतान करेंगे। इस पहल का भारत में ग्रामीण और शहरी समुदायों पर महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक प्रभाव है जैसे बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता से लोगों के स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है। उचित स्वच्छता और साफ पानी की आपूर्ति के अभाव में जलजनित रोग फैल सकते हैं। नल से जल पहल से सुरक्षित पेयजल तक पहुंच में सुधार होगा, जिससे जलजनित रोगों की घटनाओं में कमी आ सकती है। सुरक्षित पेयजल तक पहुंच के साथ, लोग उत्पादक गतिविधियों पर अधिक समय व्यतीत कर सकते हैं, जैसे कि खेती, जो ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोगों के लिए आजीविका का मुख्य स्रोत है। इससे उत्पादकता और आर्थिक विकास में वृद्धि हो सकती है। इस पहल से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराकर ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार की उम्मीद है, जिससे जलजनित रोगों की घटनाओं में कमी आएगी। पाइप द्वारा जल आपूर्ति तक पहुंच ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं के लिए समय और प्रयास की बचत करेगी, जो परंपरागत रूप से दूर के स्रोतों से पानी एकत्र करने के लिए जिम्मेदार हैं।

स्वच्छता तक पहुंच में वृद्धिः इस पहल से स्वच्छता सुविधाओं की पहुंच भी बढ़ेगी, क्योंकि घरेलू शौचालयों के लिए पाइप जलापूर्ति का उपयोग किया जा सकता है। पहल भूजल स्रोतों पर निर्भरता को कम करेगी, जो भूजल संसाधनों के संरक्षण में मदद करेगी और समग्र पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान देगी। नल से जल पहल, जिसका उद्देश्य 2024 तक हर घर में पाइप से पानी की आपूर्ति करना है, कई चुनौतियों का सामना करती है। नल से जल पहल को लागू करने में सबसे बड़ी चुनौती कई क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की कमी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। पाइप वाली जल आपूर्ति प्रणाली के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होती है, जिसमें पाइप, पंप और उपचार संयंत्र शामिल हैं। पहल के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण फंडिंग की आवश्यकता होती है, और सरकार को इस पहल के लिए पर्याप्त फंडिंग हासिल करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पहल की सफलता स्थानीय स्तर पर योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक क्षमता पर भी निर्भर करती है। पानी की आपूर्ति की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है, क्योंकि जल स्रोतों के संदूषण और प्रदूषण से स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है और पहल की प्रभावशीलता कम हो सकती है। पहल की सफलता पानी के उपयोग, संरक्षण और स्वच्छता प्रथाओं के संदर्भ में लोगों के व्यवहार को बदलने पर भी निर्भर करती है।

कुछ राज्यों में जल संसाधनों के बंटवारे को लेकर अंतर्राज्यीय विवाद हो सकते हैं, जो पहल की प्रगति को बाधित कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन जल संसाधनों की उपलब्धता को प्रभावित कर सकता है, और इसलिए, पहल की स्थिरता।मिशन पानी के लिए सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित है और इसमें मिशन के प्रमुख घटक के रूप में व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार शामिल है। जेजेएम पानी के लिए एक जन आंदोलन बनाना चाहता है, जिससे यह हर किसी की प्राथमिकता बन जाए। केंद्र और राज्यों के बीच फंड शेयरिंग पैटर्न हिमालयी और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10, अन्य राज्यों के लिए 50:50 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100% है। आजादी के 70 साल बाद भी, लगभग 50% भारतीय लोग पीने के पानी तक पहुंच नहीं पाते हैं। केंद्र और राज्य स्तर पर अलग-अलग सरकार ने इसके लिए काम किया है, लेकिन वास्तविकता एक ही है कि देश के लोगों, विशेषकर महिलाओं को पीने के पानी के लिए मीलों पैदल चलना पड़ता है।

इसलिए लाल किले से पीएम मोदी ने जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। जल जीवन मिशन जल शक्ति मंत्रालय द्वारा राज्यों के साथ साझेदारी में लागू किया जाता है। इसका उद्देश्य 2024 तक देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित और दीर्घकालिक आधार पर निर्धारित गुणवत्ता का पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। केंद्रीय सरकार ने पीएम जल जीवन मिशन के तहत 3.6 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया है। पीएम ने भारत को पूरी तरह से खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने पर भी भरोसा जताया है। यह मिशन सेवा वितरण पर केंद्रित है न कि आधारभूत संरचना निर्माण पर। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न राज्यों, गांवों और स्थानीय निकायों को इसके प्रति एक मजबूत अभियान बनाने का श्रेय दिया है। नल से जल पहल का उद्देश्य 2024 तक ग्रामीण भारत में हर घर में पाइप से पानी की आपूर्ति करना है।

इस पहल का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव है, और यह पानी और स्वच्छता तक सार्वभौमिक पहुंच के व्यापक लक्ष्य में योगदान देता है।

पीएफआई पैन इस्लामिक मूवमेंट का हिस्सा है

मुनीष त्रिपाठी

हाल ही में एनआईए ने अपनी चार्जशीट में पीएफआई की देश घातक कारगुजारियों का खुलासा किया है । एनआईए ने कहा है कि पीएफआई का लक्ष्य भारत को 2047 तक इस्लामिक राष्ट्र बनाने का था। पीएफआई बीते वर्षों में भारत के कई जिलों में अपना संगठन बनाने में सफल रही थी । देश की राजधानी दिल्ली सहित कई प्रदेशों में उसके कार्यालय भी स्थापित हो चुके थे। कई जिलों में उसके एक्टिव मेंबर और स्लीपर सदस्य देशविरोधी गतिविधियों में लिप्त थे । केरल , कर्नाटक सहित देश के कई स्थानों में इनकी देशघाती कारगुजारियों का खुलासा भी हो चुका है राष्ट्रीय जांच एजेंसी बीते 17 तारीख को केरल के कोच्चि और तमिलनाडु के चेन्नई में दो अलग-अलग मामलों में पीएफआई के कुल 68 नेताओं, कार्यकर्ताओं और सदस्यों के खिलाफ दो चार्जशीट दाखिल की हैं । इन मामलों को मिलाकर एनआईए इस महीने में अब तक कुल 4 मामले रिपोर्ट कर चुकी है। इस तरह की पहली चार्जशीट 13 मार्च को जयपुर में और दूसरी हैदराबाद में 16 मार्च को दायर की गई थी। केरल और तमिलनाडु दो ऐसे राज्य हैं जहां पीएफआई सबसे ज्यादा एक्टिव संगठन है। इन राज्यों में पीएफआई के खिलाफ अलग-अलग आपराधिक साजिशों से संबंधित मामले भी दर्ज हैं। इन राज्यों में देश भर के मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथीकरण के जरिए विभिन्न समुदायों के लोगों के बीच दरार पैदा करने के लिए ट्रेनिंग देती है। इसका उद्देश्य है कि 2047 तक भारत में इस्लामिक शासन स्थापित करने के अंतिम उद्देश्य के साथ हथियारों को संभालने, आतंक और हिंसा के कृत्यों को अंजाम देने के लिए धन जुटाया जाए। सितंबर 2022 में एनआईए द्वारा पीएफआई और उसके नेताओं और कैडरों द्वारा रची गई आपराधिक साजिश की जांच के लिए मामला दर्ज किया गया था।

एनआईए ने अपनी केरल की चार्जशीट में पलक्कड़ निवासी श्रीनिवासन की नृशंस हत्या से जुड़े मामले को भी शामिल किया है जिसे सशस्त्र पीएफआई कैडरों द्वारा मार डाला गया था । दोनो दायर चार्जशीट में आरोपियों पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं, गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम, 1967 और शस्त्र अधिनियम, 1959 के तहत आरोप लगाए गए हैं। एनआईए ने 2022 में मामले को संभालने के बाद 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया था जबकि अन्य को केरल पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था एनआईए द्वारा राज्यभर में 100 से ज्यादा जगहों पर की गई तलाशी के बाद केरल में चार्जशीट दायर की गई है। एनआईए ने 17 संपत्तियों को भी कुर्क किया है क्योंकि उनकी पहचान 'आतंकवाद की आय' के रूप में की गई थी और इसकी जांच के दौरान अभियुक्तों के 18 बैंक खातों को सील कर दिया गया था। इसके अलावा तमिलनाडु मामले में एनआईए की विशेष अदालत चेन्नई में दाखिल चार्जशीट में पीएफआई के प्रदेश उपाध्यक्ष खालिद मोहम्मद समेत 10 आरोपियों को नामजद किया गया है।

यह मामला सितंबर 2022 में भी दर्ज किया गया था जब 9 आरोपियों को एनआईए ने गिरफ्तार किया था 10वें आरोपी को कुछ महीने बाद हिरासत में ले लिया गया। मामले में एनआईए की जांच से पता चला था कि आरोपियों ने भोले-भाले मुस्लिम युवाओं को प्रेरित करने, भड़काने और भर्ती करने के लिए कट्टरपंथी कार्यक्रम चलाए थे जिन्हें तब प्रशिक्षण शिविरों में हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया गया था । पीएफआई के पदाधिकारी कैडर को निर्देशों का पालन करने और विरोधियों पर हमला करने और गैरकानूनी और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल करते थे। भारत में ही नही विश्व के ज्यादातर देशों में इस्लाम के मानने वालों में से एक कट्टरपंथी तबका पूरे विश्व को इस्लाम के झंडे की नीचे लाने का मंसूबा पाले हुए है। वह सर्व इस्लामवाद के उद्देश्य को लेकर भिन्न भिन्न देशों में भिन्न भिन्न रूप में हिंसा और आतंक फैला रहा है। इस्लामिक आतंकवाद की यह समस्या मौजूदा समय से ही नही बल्कि इस्लाम के उदभव के कुछ सालों बाद ही शुरू हो गई थी। भारत में यह 712 ईसवी में मुहम्मद बिन कासिम के सिंध में आक्रमण के साथ शुरू हुई थी जो मध्य के कुछ सालों को छोड़कर भारत विभाजन तक खुलेआम चलती रही । सीरिया , ईराक और फ्रांस में आईएसआईएस, अमेरिका, ब्रिटेन सहित कई यूरोपी देशों में अलकायदा, इजरायल में हमास और पीएलओ , अफगानिस्तान में तालिबान, नाइजीरिया में बोकोहराम, भारत में लश्कर ए तैयबा, केन्या में अल शबाब, लेबनान और सूडान में हिजबुल्लाह, बांग्लादेश में हूजी सहित कई अन्य अतिवादी,कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन पैन इस्लामिक मूवमेंट हिंसा के बल पर चलाकर विश्व भर में भय और आतंक फैलाने में लगे हुए है।

शिष्या को पढ़ाना शहर को जीतने से कम नहीं होता

नवीन जैन

गजब संयोग है कि हिंदू वर्ष का कैलेंडर ,जिसे विक्रम संवत के नाम से जाना जाता है, इस वर्ष के मार्च महीने की 22 तारीख से प्रारंभ हो रहा है। साथ ही पारसी समुदाय का नया साल भी 21 मार्च से शुरू हो गया है जिसे नवरोज कहा जाता है ।

पारसी समुदाय की बुद्धिमत्ता ,देश भक्ति , उद्यम शीलता , परोपकार ,खेल ,और खासकर नारी शिक्षा के प्रति समर्पण के कई किस्से मशहूर हैं ,लेकिन एक किस्सा शायद बहुत कम लोगों ने पढ़ा_ सुना होगा। दादाभाई नौरोजी ब्रिटिश संसद के पहले भारतीय सदस्य थे। दादाभाई स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। वे अपने पौत्र पौत्रियों को अपने बाल्यकाल की कथाएं सुनाया करते थे। कथा सुनाने के इस विचार को उन्होंने कॉलेज में भी जारी रखा। सर पी . आर.मसानी ने इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए लिखा था कि दादाभाई ने अपने उक्त विचार को आगे बढ़ाने के लिए एक अनूठा प्रयोग किया था ।वे अपने कॉलेज के एक सहपाठी को साथ लेकर घर _घर जाया करते थे । वे बच्चों के माता पिता तथा संरक्षकों से प्रार्थना करते थे कि वे अपने बरामदो में उन दोनों को बैठने की जगह दें ताकि वे खासकर उनकी लड़कियों को पढ़ना_ लिखना सिखा सकें और विशेषकर गणित की शिक्षा दे सकें । सर मसानी के अनुसार कई अभिभावकों ने दादाभाई नौरोजी की उक्त पहल का तहेदिल से स्वागत किया लेकिन ,कुछ अभिभावक ऐसे भी थे जिन्होंने इस प्रयास को हास्यादपद और निरर्थक बताकर दादाभाई को उनके साथी सहित मकान की सीढ़ियों से नीचे फेंक देने की धमकी तक दे डाली । मसानी ने दादाभाई के बारे में उक्त जानकारी देते हुए एक बहुत ही दमदार बात कही थी कि कभी कभी किसी शिष्य को पास बैठाकर पढ़ाना किसी शहर को जीतने से कम नहीं होता ।कारण यह कि रूढ़िवादी शक्तियों का बच्चियों के आसपास जमाव रहता है तथा इसके साथ ही ऐसे अज्ञानी लोगों को यह भ्रम भी होता है कि इस प्रकार के आंदोलन से लोगों के सामाजिक जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

दादाभाई के शिक्षक दादाभाई को नए भारत की आशा कहते थे। दादाभाई ने अपने लंबे तथा भीड़ भरे जीवन में अनेक कार्य प्रथम रहकर संपन्न किए। वे एक ब्रिटिश विश्वविद्यालय में प्रथम भारतीय प्रोफेसर रहे । भारतवासियों के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक उत्थान के लिए दादाभाई नैरोजी ने ही कई संगठनों की स्थापना की। वे रॉयल कमीशन पर बैठने वाले पहले भारतीय थे।

उगादी पर्व : दक्षिण भारत में नववर्ष के रूप में मनाया जाता है

उगादी उत्सव दक्षिण भारत का एक प्रमुख पर्व है। इसे दक्षिणी राज्यों जैसे कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में नववर्ष के रुप में मनाया जाता है। उगादी उत्सव कई जगह युगादी के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्सव चैत्र माह के पहले दिन मनाया जाता है और मार्च या अप्रैल में आता है। दक्षिण भारत के राज्यों में उगादी उत्सव को बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है क्योंकि इस दौरान वसंत के आगमन का प्रतीक है जो किसानों के नयी फसल के लिए अत्यधिक लाभकारी होता है। शब्द "उगादि" संस्कृत के शब्द "युग" से लिया गया है, जिसका अर्थ है युग, और "आदी", जिसका अर्थ है शुरुआत। इसलिए, युगादी एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

उगादी उत्सव की पौराणिक कथा

हिन्दू पौराणिक कथाओ के अनुसार इसी पर्व के दिन ब्रम्हा जी ने ब्रह्माण्ड की रचना प्रारम्भ की थी। आंध्रप्रदेश राज्य में आज भी उगादी अवसर पर ब्रम्हाजी की ही पूजा की जाती है और इसी दिन भगवान विष्णु ने मतस्य अवतार में अवतरित हुए थे। उगादि का यह उत्सव उस समय आता है जब भारत में वसंत ऋतु अपने चरम पर होती है और इस समय किसानों को नयी फसल भी मिलती है। युगादी विशेष रूप से कलियुग को संदर्भित करता है जिसमें वर्तमान पीढ़ी रहती है।

उगादी उत्सव का महत्व

उगादी उत्सव दक्षिण भारत में बहुत विशेष महत्व रखता है। यह पर्व चैत्र माह के पहले दिन मनाया जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस त्योहार के दौरान वसंत का मौसम अपने चरम पर होता है। जिसके कारण मौसम काफी सुहावना रहता है, इसके साथ ही इस समय लोग नयी फसल को लेकर भी खुश रहते है।

इसके साथ ही ऐसी मान्यता है कि इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। यह लोगों के लिए सौभाग्य, धन और समृद्धि लाने के लिए कहा जाता है।इसलिए उगादी के दिन दक्षिण भारतीय राज्यों में लोग दुकानों का उद्घाटन, भवन निर्माण का आरंभ आदि जैसे नये कार्यों की शुरुआत करते हैं। उगादी या युगादी भी वसंत की शुरुआत और फसल के मौसम का प्रतीक है। त्योहार समृद्धि और कल्याण का प्रतीक है। यह एक नए युग की शुरुआत होती है।

उगादि तिथि व शुभ मुहूर्त

उगादी को नए साल का पहला दिन माना जाता है जिसे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के लोगों द्वारा मनाया जाता है। तो, उगादी महोत्सव तेलुगु नववर्ष है।

उगादी की पूजा विधि

उगादी उत्सव के दिन पूजा और इसका पालन करने से इस त्योहार पर भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

– सुबह उठकर अपने शरीर पर बेसन तथा तेल का उबटन लगाकर स्नान करना चाहिए।

– हाथ में गंध, अक्षत, फूल और जल लेकर भगवान ब्रम्हा के मंत्रों का उच्चारण करके ब्रम्हा जी की पूजा करें।

– घर में रंगोली या स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं इस से घर में सकरात्मक ऊर्जा पैदा होती है।

– इस दिन, एक विशेष पेय बनाने की भी प्रथा है, जिसे पचड़ी के नाम से जाना जाता है। पचड़ी नामक यह पेय नए इमली, आम, नारियल, नीम के फूल, गुड़ जैसी चीजों को मिलाकर एक बर्तन में बनाया जाता है।

– इस पेय को पीने के साथ ही गरीब लोगो में भी बांटा जाता है।

और पूजा के समय अगर आप श्वेत कपड़ा बिछाकर उसपर हल्दी या केसर से रंगे अक्षत से अष्टदल बनाकर उसपर ब्रम्हा जी की प्रतिमा स्थापित करेंगे तो आपको ब्रम्हा जी की विशेष कृपा प्राप्त होगी।

उगादी का पर्व 22 मार्च 2023 को यानि आज बुधवार को मनाई जाएगी।

इस उगादी पर्व का पूजन का शुभ मुहूर्त की शुरुआत प्रतिपदा तिथि रात 10 : 50 बजे 21 मार्च को है। और समाप्ति अगले दिन 22 मार्च को रात 8 : 20 बजे होगी।

चैत्र नवरात्रि पर दुर्गा मां की आरती

**जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी।
तुमको निशिदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवरी॥
जय अम्बे गौरी
माँग सिन्दूर विराजत, टीको मृगमद को।
उज्जवल से दोउ नैना, चन्द्रवदन नीको॥
जय अम्बे गौरी
कनक समान कलेवर, रक्ताम्बर राजै।
रक्तपुष्प गल माला, कण्ठन पर साजै॥
जय अम्बे गौरी
केहरि वाहन राजत, खड्ग खप्परधारी।
सुर-नर-मुनि-जन सेवत, तिनके दुखहारी॥
जय अम्बे गौरी
कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती।
कोटिक चन्द्र दिवाकर, सम राजत ज्योति॥
जय अम्बे गौरी
शुम्भ-निशुम्भ बिदारे, महिषासुर घाती।
धूम्र विलोचन नैना, निशिदिन मदमाती॥
जय अम्बे गौरी
चण्ड-मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे।
मधु-कैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे॥
जय अम्बे गौरी
ब्रहमाणी रुद्राणी तुम कमला रानी।
आगम-निगम-बखानी, तुम शिव पटरानी॥
जय अम्बे गौरी
चौंसठ योगिनी मंगल गावत, नृत्य करत भैरूँ।
बाजत ताल मृदंगा, अरु बाजत डमरु॥
जय अम्बे गौरी
तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता।
भक्तन की दुःख हरता, सुख सम्पत्ति करता॥
जय अम्बे गौरी
भुजा चार अति शोभित, वर-मुद्रा धारी।
मनवान्छित फल पावत, सेवत नर-नारी॥
जय अम्बे गौरी
कन्चन थाल विराजत, अगर कपूर बाती।
श्रीमालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योति॥
जय अम्बे गौरी
श्री अम्बेजी की आरती, जो कोई नर गावै।
कहत शिवानन्द स्वामी, सुख सम्पत्ति पावै॥
जय अम्बे गौरी**

पंचक में शुरु होगा हिंदू नववर्ष

5 राशिवालों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

हिंदू नववर्ष 2080 का प्रारंभ 22 मार्च बुधवार से पंचक में हो रहा है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से विक्रम संवत 2080 शुरु हो रहा है। पहले दिन बुधादित्य राजयोग, गजकेसरी योग और नवपंचम राजयोग बन रहा है। हिंदू नववर्ष का प्रारंभ बुधवार को होने से इस साल के राजा बुध हैं और शुक्र उनके मंत्री हैं। मीन राशि में गुरु, सूर्य, बुध और चंद्रमा की उपस्थिति होगी, जबकि अपनी ही राशि कुंभ में शनि विराजमान होंगे। हिंदू नववर्ष के प्रारंभ के समय उत्तर भाद्रपद नक्षत्र है। नया विक्रम संवत 2080 5 राशि के जातकों के जीवन में नई चुनौतियां लेकर आने वाला है। उनके करियर, सेहत, आर्थिक पक्ष पर असर पड़ सकता है।

हिंदू नववर्ष 2023 राशिफल

मेष राशि: आपकी राशि के जातकों को इस हिंदू नववर्ष में बिजनेस से जुड़ा कोई बड़ा फैसला करने से पहले बहुत ही सोच विचार कर लेना चाहिए। आपका गलत फैसला बहुत ही नुकसानदायक हो सकता है। जोखिमपूर्ण निवेश से बचकर रहें तो अच्छा है। सेहत को लेकर सावधान रहना होगा। अपने खानपान और दिनचर्या पर ध्यान दें। छोटी सी परेशानी को भी नजरअंदाज न करें, तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें क्योंकि इस साल आपकी सेहत खराब होने की आशंका है। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी, लेकिन अधिक उत्साह काम को खराब कर सकता है।

वृष राशि: हिंदू नववर्ष 2023 में आपको अपनी फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखना होगा, नहीं तो आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। उधार लेने की नौबत भी आ सकती है। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम पर फोकस करना चाहिए। नौकरी में कार्यस्थल पर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। नई नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है, लेकिन जॉब में अभी मुश्किलें हो सकती हैं। यदि आप महिला हैं तो पुरुष से और पुरुष हैं तो किसी करीबी महिला से सावधान रहें। उसकी बातों में फंसकर हानि उठाना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि: आपकी राशि के जातकों को इस साल सावधानी से वाहन चलाना होगा क्योंकि दुर्घटना का योग बन रहा है। किसी भी कागज पर हस्ताक्षर करने से पहले सही से पढ़ लें, वरना मुश्किल में फंस सकते हैं। वाणी पर संयम रखें, वाद विवाद की स्थिति बन सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। कर्ज की स्थिति बनेगी, कोशिश करें कि कर्ज न लेना पड़े। हालांकि इस साल काफी खर्च हो सकता है।

मकर राशि: आपकी राशि के जातकों पर शनि का प्रभाव रहेगा। कोई भी काम अति उत्साह में न करें क्योंकि वह आपके कष्ट का कारण बन सकता है। हड़बड़ी में कोई भी बड़ा फैसला न करें। बिजनेस से जुड़े हुए लोग निवेश में समझदारी से काम लें, जल्दी पैसा बनाने के चक्कर में हानि हो सकता है। निवेश से पहले चाहें तो किसी एक्सपर्ट का सुझाव ले सकते हैं। तात्कालिक लाभ वाले सौदे आपके लिए समस्या बन सकते हैं।

कुंभ राशि: इस हिंदू नववर्ष में आप पर लोन का दबाव पड़ सकता है। आप परिवार के लिए घर लेने का विचार कर सकते हैं लेकिन बैंक का कर्ज आपको परेशान करेगा। समय पर लोन चुकता न कर पाने का दबाव मानसिक तनाव दे सकता है। परिवार में वाद विवाद की स्थिति बन सकती है। आपकी सेहत भी खराब हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण हो सकता है। दुर्घटना की आशंका है। संभलकर वाहन चलाएं।

राशि अनुसार करें मां दुर्गा की पूजा

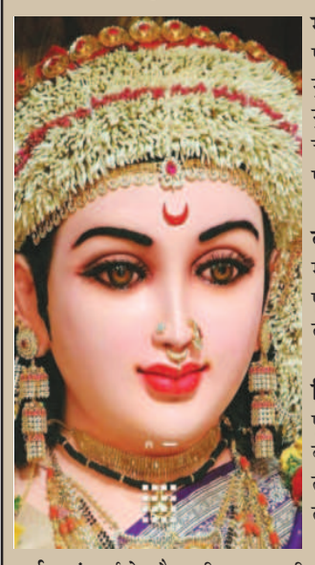

मेष: आप मां स्कंदमाता की पूजा लाल रंग के फूलों जैसे गुड़हल, लाल कमल, लाल गुलाब आदि से करें। श्री दुर्गा चालीसा या दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

वृष: आपकी राशि के जातक मां महागौरी की पूजा सफेद रंग के फूलों से करें। पूजा के समय आप ललिता सहस्रनाम का पाठ करें।

मिथुन: आपको मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करनी चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी को पीले रंग के फूल अर्पित करें। तारा कवच का पाठ आपके लिए लाभदायक हो सकता है।

कर्क: मां दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा आपको करनी चाहिए। आप मां शैलपुत्री की पूजा में सफेद या गुलाबी रंग के फूलों का इस्तेमाल करें। लक्ष्मी सहस्रनाम का पाठ आपकी उन्नति में सहायक होगा।

सिंह: आपको मां कूष्मांडा की पूजा नारंगी और लाल रंग वाले फूलों से करनी चाहिए। आपका राशि स्वामी सूर्य है। आप मां कूष्मांडा के मंत्र का जाप 5 माला कर सकते हैं।

कन्या: आपकी राशि के लोगों को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करनी चाहिए। पूजा में पीले रंग के फूलों का उपयोग अच्छा रहेगा। लक्ष्मी मंत्रों का जाप आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा।

तुला: आप इस नवरात्रि मां महागौरी की पूजा विधि विधान से करें। पूजा में सफेद रंग के फूलों का उपयोग करें। श्री काली चालीसा या दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। आप पर माताराणी की कृपा होगी।

वृश्चिक: आपकी राशिवाले लोग मां स्कंदमाता की पूजा करें। उनको लाल रंग के फूल अर्पित करें। श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। आपका कल्याण होगा।

धनु: धनु राशिवालों को नवरात्रि में मां चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा पीले रंग के फूलों से करनी चाहिए। मां चंद्रघंटा के मंत्र का जाप 2 माला करें। मां दुर्गा आपकी मनोकामनाएं पूरी करेंगी।

मकर: आपकी राशिवाले मां कालरात्रि की पूजा करें। माताराणी को लाल गुलाब, गुड़हल के फूल चढ़ाएं। मां कालरात्रि के आशीर्वाद से आपके सभी काम सफल होंगे।

कुंभ: आप भी मां कालरात्रि की पूजा करें और देवी कवच का पाठ करें। आपकी भी राशि के स्वामी शनि हैं। मां दुर्गा के आशीर्वाद से परिवार में संपन्नता आएगी।

मीन: आप मां चंद्रघंटा की पूजा पीले रंग के फूलों से करें और मां बगलामुखी के मंत्र का जाप करें। मां दुर्गा की कृपा से पूरे वर्षभर आपकी उन्नति होगी।

नवरात्रि पर्व के लिए सजे देवी मंदिर

नवरात्रि से पहले आदिशक्ति की आराधना के लिये देवी मंदिर सज गए हैं। शहर के प्रमुख देवी मंदिरों पर तैयारियां शुरू हो गईं हैं। मंदिर के गर्भगृह से लेकर मंदिर परिसर की साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन किया जा चुका है। नवरात्रि पर दुर्गा सप्तशती का पाठ भी प्रमुख मंदिरों में किया जाएगा। इस बार नवरात्र में पूरे नौ दिनों की नवरात्रि होगी। ज्योतिषाचार्य पंडित अजय व्यास ने बताया कि नवरात्रि के दौरान तीन सर्वार्थ सिद्धि योग 23 मार्च, 27 मार्च 30 मार्च को लगेगा। जबकि अमृत सिद्धि योग 27 और 30 मार्च को लगेगा। रवि योग 24 मार्च, 26 मार्च और 29 मार्च को लगेगा और नवरात्रि के अंतिम दिन रामनवमी के दिन गुरु पुष्य योग भी रहेगा। हरसिद्धि मंदिर, गढ़कालिका माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर, नगरकोट माता मंदिर, हामूखेड़ी स्थित माता मंदिर पर रंगाई-पुताई के साथ विद्युत सज्जा का काम किया जा रहा है।

चैत्र नवरात्रि घटस्थापना शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि बुधवार 22 मार्च से शुरू हो रही है। चैत्र नवरात्र घटस्थापना के मुहूर्त की शुरुआत 22 मार्च को सुबह 6 बजकर 23 मिनट से लेकर सुबह 7 बजकर 32 मिनट तक (अवधि) 1 घंटा 9 मिनट) रहेगी। चैत्र नवरात्र प्रतिपदा तिथि 21 मार्च को रात 10 बजकर 52 मिनट से शुरू हो रही है और प्रतिपदा तिथि का समापन 22 मार्च को रात 8 बजकर 20 मिनट पर होगा।

नौका से होगा माता का प्रवेश

माता की आराधना का पर्व नवरात्रि इस बार 22 मार्च से शुरू हो रहा है, इसी दिन से भारतीय नववर्ष यानी नवसंवत्सर भी प्रारंभ हो जाएगा। इस बार तिथियों की घट बढ़ नहीं होने के कारण पूरे नौ दिन ही माता की आराधना की जाएगी। दुर्गा सप्तशती के मुताबिक बुधवार को शुरू होने से माता का आगमन नौका से होगा, जो फसल, धन धान्य और विकास के लिए लाभकारी रहेगा। चैत्र नवरात्र में इस बार तीन सर्वार्थ सिद्धि, तीन रवि योग, दो अमृत सिद्धि योग, दो राजयोग और गुरु पुष्य नक्षत्र का संयोग भी बनेगा। नवरात्र में पड़ रहे शुभ योगों में खरीदारी फलदायक रहेगी। इस दौरान घरों और मंदिरों में देवी मां की विशेष पूजा अर्चना होगी। हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु माताराणी के दर्शनों को पहुंचेंगे। 22 मार्च को गुड़ी पड़वा, 23 को सिंधारा दूज, 24 को गणगौर तीज, 25 मार्च को विनायक चतुर्थी, 29 को महाअष्टमी और 30 मार्च को श्रीराम नवमी पर्व मनाया जाएगा। इस दिन शहर के राम मंदिरों में दोपहर ठीक 12 बजे श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

सुरक्षा मिलने से खुश नहीं हैं सलमान

करीबी दोस्त ने बताया- लॉरेंस की धमकियों के बाद भी वो नॉर्मल हैं, लेकिन पिता सलीम रातभर सो नहीं पा रहे

19 मार्च को सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी। जिसके बाद से ही उनके घर गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा बढ़ाते हुए एक अस्थाई पुलिस चौकी बना दी है। इसमें दो असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर और 8-10 कॉन्स्टेबल 24 घंटे तैनात रहेंगे।

अब इसी बीच सलमान के एक करीबी ने खुलासा किया है कि सलमान इन सभी धमकियों पर नॉर्मल रिएक्ट कर रहे हैं। वहीं उनके नॉर्मल रिएक्ट करने की वजह ये भी हो सकती है कि वो नहीं चाहते है कि उनके परिवार वाले परेशान हों। पूरा परिवार इस धमकी से डरा हुआ है, लेकिन कोई भी अपना डर किसी के सामने दिखा नहीं रहा है।

धमकी मिलने के बाद से सलमान के पिता रात भर सो नहीं पा रहे हैं

सलमान के करीबी दोस्त ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके पिता सलीम बहुत शांत रहते हैं, लेकिन उनका परिवार जानता है कि वो इन दिनों रात में ढंग से सो नहीं पा रहे हैं।

पुलिस की तरफ से मिली सुरक्षा से नाखुश हैं सलमान

दोस्त का ये भी कहना है कि धमकी के बाद मिली कड़ी सुरक्षा के भी सलमान खिलाफ हैं। उनका कहना है कि जो जब होना होगा वो होगा ही। हालांकि परिवार के दबाव पर उन्होंने फिल्म किसी का भाई किसी की जान के पोस्ट प्रोडक्शन के काम को छोड़कर अपने सभी प्लान कैंसल कर दिए हैं। शूटिंग और प्रमोशन को भी रोक दिया है।

अलविदा दोस्त, जा तुझे माफ किया : सतीश कौशिक को याद कर इमोशनल हुए अनुपम

बॉलीवुड एक्टर और डायरेक्टर सतीश कौशिक ने 9 मार्च को हार्ट अटैक से निधन हो गया है। इसी बीच मुंबई में उनके परिवार ने दिवंगत एक्टर के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया। इसमें कई बड़े सितारों ने शिरकत की। वहीं उनके सबसे करीबी दोस्त अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर एक बार फिर उन्हें याद किया। जबसे सतीश की मौत हुई है तब से ही अनुपम लगातार पोस्ट शेयर कर अपना दर्द बयां कर रहे हैं।

अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर प्रार्थना सभा के दौरान का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें अनुपम दिवंगत एक्टर की तस्वीर के सामने फूल चढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर उदासी साफ नजर आ रही है। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने एक इमोशनल नोट भी लिखा है।

अनुपम खेर ने इस वीडियो के साथ लिखा- 'जा!!! तुझे माफ किया! मुझे अकेला छोड़ कर जाने के लिए!! मैं तुझे लोगों की हंसी में जरूर खोजूंगा। लेकिन हर दिन हमारी दोस्ती की कमी खलेगी! अलविदा मेरे दोस्त। तेरा फेवरेट गाना लगाया है बैकग्राउंड में। तू भी क्या याद करेगा।' बता दें कि सतीश कौशिक और अनुपम खेर की दोस्ती करीब चार दशकों पुरानी थी। उनके अचानक चले जाने से अनुपम खेर को गहरा सदमा लगा है।

20 मार्च को मुंबई में उनके लिए प्रार्थना सभा रखी गई, जिसमें बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए। प्रेयर मीट में जाने-माने गीतकार जावेद अख्तर पहुंचे थे। इनके अलावा फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री, डेविड धवन, मनीष पॉल, अनुपम खेर, राजेश खट्टर, विद्या बालन, बोनी कपूर समेत कई सेलेब्स ने शिरकत की है।बता दें, दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक का 66 साल की उम्र में हार्ट अटैक से 9 मार्च को दिल्ली में निधन हो गया था। सतीश दिल्ली में एक फैमिली फंक्शन में शामिल होने पहुंचे थे लेकिन रात में उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद उनके पार्थिव शरीर को मुंबई लाया गया और वर्सोवा

हिंदुत्व को झूठा बताने पर अरेस्ट हुए कन्नड़ एक्टर चेतन

ट्वीट कर लिखा- बाबरी मस्जिद की जगह पर नहीं हुआ भगवान राम का जन्म

कन्नड़ एक्टर चेतन कुमार को बेंगलुरु पुलिस ने 'हिंदुत्व' पर किए ट्वीट के लिए अरेस्ट कर लिया है। हाल ही में चेतन अहिंसा ने ट्वीट किया कि हिंदुत्व का आधार सिर्फ झूठ है। उन्होंने लिखा कि सावरकर की ये थ्योरी कि रावण को हराकर भगवान राम के अयोध्या लौटेने के बाद ही भारत को एक देश के तौर पर पहचान मिली, ये सरासर झूठ है।

चेतन के ट्वीट पर शिकायत मिलने के बाद बेंगलुरु में शेषाद्रीपुरम पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है। चेतन के खिलाफ हिंदुत्व की भावना को चोट पहुंचाने और हिंदुत्व की बेइज्जती करने के लिए आईपीसी के सेक्शन 295 ए और 505 बी के तहत केस दर्ज किया गया है।

20 मार्च को चेतन कुमार ने ट्वीटर पर न सिर्फ हिंदुत्व को झूठा बताया बल्कि ये भी लिखा कि बाबरी मस्जिद की जगह पर राम जन्मभूमि नहीं है और हिंदुत्व के झूठ को हम सच से हरा सकते हैं। इसके बाद बजरंग दल के शिवकुमार ने चेतन के खिलाफ FIR दर्ज कराई। आज लोकल कोर्ट में चेतन कुमार की पेशी होगी। इससे पहले फरवरी 2022 में भी हिजाब केस की सुनवाई कर रहे हाई कोर्ट जज के खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट करने की वजह से भी चेतन को अरेस्ट किया गया था। इसके अलावा ब्राह्मण समाज पर उनके बयानों की वजह से भी उनके खिलाफ दो बार शिकायत दर्ज हो चुकी है।

चेतन ने टीपू पर बीजेपी के क्लेम को भी झूठ बताया

दरअसल, कर्नाटक इलेक्शन में वोकालीगा कम्युनिटी का सपोर्ट हासिल करने के लिए बीजेपी ये क्लेम कर रही है कि उरीगौड़ा और नंजेगौड़ा ने टीपू सुल्तान की हत्या की थी। जबकि, इतिहासकारों का मानना है कि 1798 में हुए चौथे मैसुर युद्ध में अंग्रेजों ने निजाम के साथ मिलकर टीपू की हत्या की थी। वहीं बीजेपी का मानना है की दो वोकालीगा लीडर्स ने मैसूर को धोखा देने की वजह से टीपू सुल्तान को मार दिया था।

क्रिएटिविटी के नाम पर गालियां बर्दाश्त नहीं करेंगे:इसे रोकने के लिए कड़े कदम लेने से पीछे नहीं हटेगी सरकार- अनुराग ठाकुर

लगातार ओटीटी कंटेंट के वल्गर होने की शिकायतों के बीच इनफार्मेशन और ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्टर ने बड़ा बयान दिया है। मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि ओटीटी कंटेंट पर वल्गर और गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कड़े कदम लेने से पीछे नहीं हटेगी सरकार

अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरकार ओटीटी कंटेंट पर आ रही शिकायतों का हल निकालने और कंटेंट को बेहतर बनाने की तरफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम ओटीटी कंटेंट पर क्रिएटिविटी के नाम पर वल्गर भाषा के इस्तेमाल को रोकने के लिए कोई भी कदम लेने से पीछे नहीं हटेंगे।

क्रिएटिविटी के नाम पर गालियां बर्दाश्त नहीं करेंगे- अनुराग ठाकुर

प्रेस कांफ्रेंस को में अनुराग ठाकुर ने कहा, 'हम ओटीटी कंटेंट पर आ रही शिकायतों से

निपटने के लिए सीरियस प्लान बना रहे हैं। हम इस ट्रेंड को रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इन प्लेटफॉर्म को क्रिएटिविटी के लिए छूट दी गई थी, वल्गर कंटेंट बनाने के लिए नहीं। लगातार गालियां देते जाना तो क्रिएटिविटी नहीं है। क्रिएटिविटी के नाम पर इस बर्ताव को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।'

कंटेंट चेक करने के लिए थ्री स्टेप मैकेनिज्म है- अनुराग ठाकुर

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा- 'अगर हमें इसे कंट्रोल करने के लिए नियमों में बदलाव भी करना पड़े, तो मंत्रालय इसके लिए तैयार है। इस ट्रेंड को खत्म करने के लिए हम कड़े से कड़े कदम उठा सकते हैं। OTT प्लेटफार्म के कंटेंट को चेक करने के लिए थ्री स्टेज मैकेनिज्म है। बीते कुछ दिनों से OTT कंटेंट को लेकर काफी शिकायतें मिल रही हैं।'

सेल्फ सेंसर करते हैं कंटेंट मॉडरेटर- अनुराग ठाकुर

सैंसरशिप के मौजूदा सिस्टम को समझाते हुए ठाकुर बोले- 'अभी तक जो प्रोसेस है उसके हिसाब से सबसे पहले प्रोड्यूसर को शिकायतों का निपटारा करने के लिए जरूरी कदम उठाने हैं, जरूरी बदलाव करना है। इस स्टेप से ही करीब 90 से 92 पर्सेंट शिकायतों का हल मिल जाता है। इसके बाद भी कोई शिकायत आती है तो इसकी जिम्मेदारी एसोसिएशन लेगा।

आखिरी स्टेज पर सरकार के जरिए, मिनिस्ट्री के जरिए नियमों के मुताबिक डिपार्टमेंट की कमेटी आपको समाधान देती है।'इस साल जनवरी में ठाकुर ने क्रिएटिव फ्रीडम का पक्ष लेते हुए कहा था कि कंटेंट मॉडरेटर की तरफ से सेल्फ मॉनिटर किया जाता है। क्रिएटिविटी पर किसी तरह का कंट्रोल या सेंसर नहीं होना चाहिए पर क्रिएटिविटी के नाम पर कुछ भी दिखा दिया जाए, ये नहीं होना चाहिए।

सुहाना सिंपल लुक में आईं नजर, वीडियो देख फैंस बोले- ये दीपिका पादुकोण लगने लगी हैं

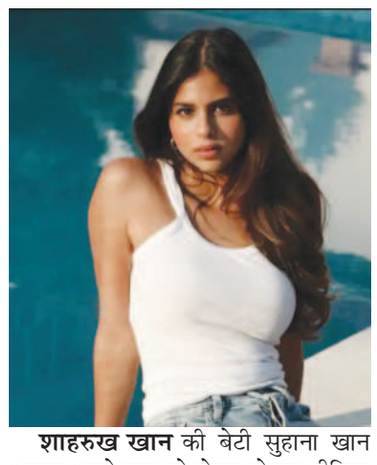

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अक्सर अपने लुक को लेकर सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। हाल ही में उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में सुहाना एकदम सिंपल लुक में नजर आईं। जिसे देखने के बाद फैंस उनकी तुलना दीपिका पादुकोण से करने लगे।

सिंपल लुक में दिखीं खूबसूरत

इस वीडियो में सुहाना ग्रे कलर के क्रॉप टॉप और लाइट ग्रे कलर के कार्गो पैन्ट्स में दिखाई दीं। उनके इस लुक को ब्लैक गॉगल्स और व्हाइट स्नीकर्स के साथ कम्पलीट किया है। सुहाना जैसे ही एयरपोर्ट पर पहुंची, फैंस ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान उन्होंने बड़े ही अदब से एक- एक करके सबके साथ सेल्फी ली।

सुहाना के इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर लाइक्स और कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, कितनी डाउन टू अर्थ हैं' तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'ये दीपिका पादुकोण लगने लगी हैं'। ऐसे ही तमाम यूजर्स ने सुहाना की तारीफ की हैं।

बता दें सुहाना, जल्द जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

रत्ना पाठक का बॉलीवुड स्टार पर फूटा गुस्सा कहा '3 महीने के एक्टर हो कॉफी तक...'

रत्ना पाठक शाह हाल ही में वेब सीरीज 'हैप्पी फैमिली कंडीशन्स अप्लाइ' में नजर आई थीं और इसमें उन्होंने एक गुजराती महिला का किरदार निभाया था जिसे दर्शको खुब पसंद कर रहे हैं. वैसे रत्ना शाह को उनके माया साराभाई वाले किरदार के लिए फैंस खुब याद रखते है. रत्ना पाठक उन एक्ट्रेस में से एक हैं जो हर मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं, ऐसे में इस बार उन्होंने बॉलीवुड के सितारों पर अपनी राय रखी है जिसे सुनकर आप खुद भी उनका बात से सहमत होंगे.

एक्टर एक कप कॉफी तक नहीं लेते खुद से

सोशल मीडिया पर सामने आए इस इंटरव्यू में रत्ना ने कहा, 'हाल ही में एक फ्लाइट में यात्रा करते हुए एक मैंने देखा है कि फ्लाइट में सीनियर एक्टर एक कप कॉफी भी खुद नहीं ला सकते हैं और अपने जूनियर से वो कॉफी के लिए पूछते भी नहीं है. यहां तक कि उनके लिए कॉफी उनके असिस्टेंट लेकर आते हैं, जिसे वो कप खोलकर एक घूंट पीते हैं और फिर उसे वापस असिस्टेंट को लौटा देते हैं'. इसकी एक क्लिप को हाल ही में एक इंस्टाग्राम यूजर ने शेयर भी किया था.

फैंस ने की रत्ना पाठक की तारीफ

मुझे ये बहुत खतरनाक लगता है! इतना खतरनाक!" रत्ना ने आगे कहा, 'मैंने कई एक्टर्स को देखा है जो इस तरह की चीजों में पूरी तरह लिप्त हैं.' इस वीडियो पर कमेंट करते हुए सिंगर बेनी दयाल ने रत्ना पाठक को बेहतरीन बताया उन्होंने लिखा, "वाह बहुत बढ़िया! मैं इस तथ्य का पालन करता हूं कि मुझे अपना बैग खुद ले जाना पसंद है और किसी और को इसे आपके लिए नहीं ले जाने देना चाहिए. भगवान की कृपा से मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं और इसे अपने साथ ले जा सकता हूं, जब तक कि मुझे बुखार न हो'. इस वीडियो को देखने के बाद एक यूजर ने दावा किया कि उन्होंने एक बार एक फ्लाइट में रत्ना को देखा था और तब वो एयरलाइंस के कर्मचारियों से बहुत ही विनम्रता से बात कर रही थीं. व्यक्ति ने बताया कि, 'वो जितनी सरल दिखती हैं, उतनी ही सहज भी हैं.'

तापसी पन्नू ने बोल्ड फोटोशूट में ऐसे किया हिंदू धर्म का अपमान !

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने फैशन सेंस को लेकर भी लाइमलाइट में रहती हैं। साथ ही एक्ट्रेस को सम-सामयिक मुद्दों पर अपना विचार साझा कर सुर्खियां बटोरते देखा जाता है। वहीं, अब तापसी अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर हेडलाइंस का हिस्सा बन रही हैं। एक्ट्रेस ने डीप-नेक आउटफिट के साथ ऐसी एक्सेसरी कैरी की है, जिसे देख सोशल मीडिया यूजर्स का पारा चढ़ गया है और लोगों ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया है। तापसी पन्नू ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए एक तस्वीर साझा की है। इस पिक्चर में डीवा रेड कलर की सेक्विन डीप-नेक आउटफिट में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कर्ली शॉर्ट बालों को खुला छोड़ रखा है, साथ ही वह लाइट-ग्लासी मेकअप से

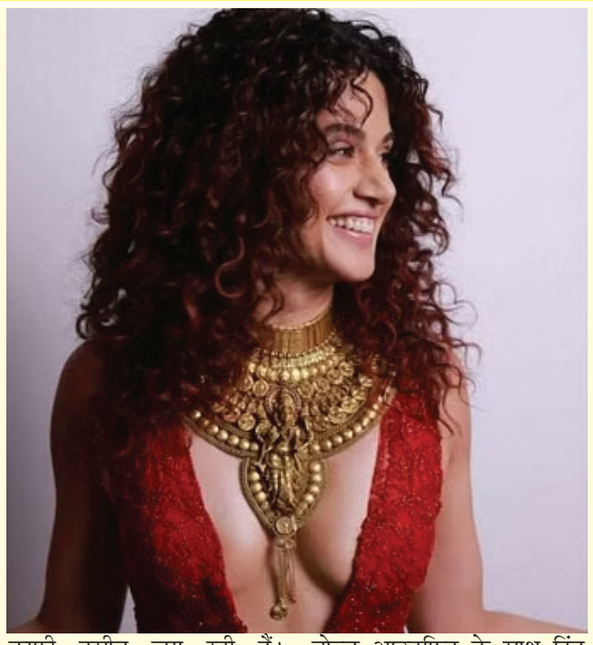

काफी हसीन लग रही हैं। हालांकि, एक्ट्रेस के लुक को छोड़ सबकी नजर उनकी एक्सेसरी पर जा टिकी है। तापसी पन्नू ने इस बोल्ड आउटफिट के साथ हिंदू धर्म की देवी लक्ष्मी की प्रतिमा वाला हैवी नेकलेस पहना हुआ है। लोगों को इस आउटफिट के साथ एक्ट्रेस का नेकलेस चुनाव बिल्कुल पसंद नहीं आया है। इसी वजह से तापसी को सोशल मीडिया पर जमकर लताड़ लगाई जा रही है। एक्ट्रेस ने अपने सुपर सिजलिंग फोटोशूट की तस्वीर को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'यह लाल रंग कब मुझे छोड़ेगा।' तापसी की इस फोटो को अबतक इंस्टाग्राम वर्ल्ड में लाखों लाइक्स मिल चुके हैं। लेकिन कमेंट सेक्शन में पॉजिटिव से ज्यादा नेगेटिव कमेंट्स देखने को मिल रहे हैं। तापसी पन्नू की इस तस्वीर पर एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, 'तापसी को शर्म आनी चाहिए।

पूरी तरह से घृणित... किसी भी धर्म के प्रतीक को आप केसे प्रतिनिधित्व करते हैं, ये आपको एक सेलिब्रिटी के रूप में पता होना चाहिए।' दूसरे ने लिखा है, 'ऐसी वल्गर ड्रेस में मां लक्ष्मी का हार पहना है, शर्म नहीं आती।'

जब सारा अली खान का हुआ था ब्रेकअप तो मां ने कही थे ये मामूली सी बात, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

सारा अली खान इन दिनों अपने काम से अधिक पर्सनल लाइफ की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं. सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म गैसलाइट के प्रमोशन में बिजी हैं. इस फिल्म में वे विक्रांत मैसी और चित्रांगदा सिंह के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगीं. ऐसे में इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करते हुए अपने ब्रेकअप और साथ ही असफल फिल्मों पर खुलकर बातें की हैं. इतना ही नहीं ने ये भी बताया कि उनकी साल 2020 की फिल्म 'लव आज कल' की असफलता पर उनके पिता-अभिनेता सैफ अली खान ने क्या कहा था? सारा ने खुलासा किया कि उनके पिता ने 'लव आज कल 2' की असफलता पर बात करते हुए क्या कहा था. सारा ने कहा 'वह खुश नहीं थे। उन्हें प्रदर्शन पसंद नहीं आया, उन्होंने कहा था कि यह अच्छा नहीं था'. वहीं इस दौरान सारा ने अपने ब्रेकअप पर बात करते हुए कहा कि इस दौरान उनकी मां ने कैसे रिएक्ट किया था. रैपिड-फायर के दौरान जब सारा से पूछा गया कि ब्रेकअप के बाद उनकी मां ने उन्हें क्या कहा था? तो अभिनेत्री ने उत्तर दिया, "it's okay (कोई बात नहीं!)"

बता दें सारा और कार्तिक का लव अफेयर के चर्चा तब से शुरू हुए जब सारा ने एक बार 'कॉफ़ी विद करण' में खुलासा किया कि उन्हें कार्तिक आर्यन पर क्रश है. बस फिर क्या था इसके बाद दोनों पहले बार एक अवॉर्ड शो में मिले जहां पर रणवीर सिंह ने दोनों को एक दूसरे से मिलवाया और इसके बाद कार्तिक और सारा ने लव आजकल 2 से शूटिंग शुरू कर दी और यही से प्यार की हवा चल पड़ी, लेकिन वे साल 2020 में अपनी फिल्म 'लव आज कल 2' की रिलीज के बाद अलग हो गए.

वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा अली खान फिल्म 'गैसलाइट' में नजर आएंगी और उनके पास विक्की कौशल के साथ एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट भी है. सारा इस साल अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो.. इन दिनों' में भी नजर आएंगी. इसके अलावा, अभिनेत्री के पास फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' और 'मर्डर मुबारक' भी है। सारा आखिरी बार फिल्म 'अतरंगी रे' में नजर आई थीं.

एक्ट्रेस किरण खेर को हुआ कोरोना : ट्वीट कर दी जानकारी

भारत में एक बार फिर कोरोना के मामलों में तेजी आई है। हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस और पॉलिटीशियन किरण खेर भी कोरोना की चपेट में आ गई हैं। खुद किरण ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी है। 20 मार्च को ट्वीट करते हुए किरण ने लिखा- 'मेरा कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। ऐसे में जो लोग मेरे कॉन्टैक्ट में आए हैं, वो अपना कोरोना टेस्ट जरूर करवाएं।'

फैंस ने जाहिर की चिंता

कोरोना की खबर सामने आते ही फैंस ने सोशल मीडिया पर किरण के लिए चिंता जाहिर की। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- 'आप जल्द से जल्द ठीक हो जाइए।' एक अन्य यूजर ने लिखा- किरण जी प्लीज आप अपना अच्छे से ध्यान रखिए।

किरण खेर को हुआ था ब्लड कैंसर

किरण खेर को ब्लड कैंसर(मल्टीपल मायलोमा) होने की खबर 1 अप्रैल, 2021 को सामने आई थी। तब अनुपम खेर ने बेटे सिकंदर और अपनी ओर से आधिकारिक स्टेटमेंट जारी किया था। फिलहाल समय से ट्रीटमेंट कराकर किरण इस बीमारी से रिकवर कर गईं हैं। कैंसर से जंग जीतने के

बाद किरण खेर को रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में जज के रूप में देखा गया था।

किरण के निधन की झूठी खबर हो चुकी वायरल

कुछ सालों पहले किरण के निधन की झूठी खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। तब अनुपम ने इसका खंडन करते हुए अपने एक बयान में कहा था, 'किरण की हेल्थ के बारे में जो भी खबरें चल रही हैं, वे सब पूरी तरह से गलत हैं। किरण बिल्कुल ठीक हैं। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि इस तरह की नेगेटिव न्यूज न फैलाएं। धन्यवाद, सुरक्षित रहें।'

अखिलेश की बेटी का फर्जी अकाउंट बना पोस्ट की

लखनऊ पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी का सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाए जाने को लेकर सपा नेत्री रमा यादव ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रमा यादव ने राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर पुलिस स्टेशन में ये केस दर्ज कराया है। रमा यादव की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सपा नेत्री ने अपनी शिकायत में कहा है कि अभिषेक यादव नाम के लड़के ने अखिलेश यादव की बेटी की फोटो लगाकर उनका फेक अकाउंट बनाया है। इसी के ही साथ रमा ने अभिषेक पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप भी लगाया है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। इस मामले में एडीसीपी का कहना है कि पुलिस टीम अभिषेक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इसी के ही साथ अभिषेक यादव का अकाउंट बंद कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। अखिलेश यादव भले ही सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव नजर आते हैं। अपने हर काम की छोटी-बड़ी अपडेट वो अपने अकाउंट से पोस्ट कर उसकी जानकारी जनता को देते हैं, लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि अखिलेश के बच्चे सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं हैं। हालांकि उनके बच्चों के नाम से सोशल मीडिया पर कई अकाउंट चलाए जा रहे हैं, जिसको लेकर पार्टी पहले ही साफ कर चुकी है कि ये सारे अकाउंट फर्जी हैं और इनका अखिलेश के बच्चों से कोई लेना देना नहीं है। बता दें कि अखिलेश यादव के तीन बच्चे हैं।

बीजेपी और बसपा को एक साथ झटका देगी सपा

बदल जाएगा पूरा गेम, तस्वीरें दे रही गवाही

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद पार्टी ने बीजेपी के खिलाफ बनाए गए प्लान पर काम भी शुरू कर दिया है। सपा यूपी में दलित वोट बैंक के सहारे चुनावी मैदान में साइकिल दौड़ाने की तैयारी कर रही है। इस वोट बैंक को हासिल करने के लिए पार्टी के पुराने चेहरे अवधेश प्रसाद और रामजी सुमन लाल को चेहरा बनाया गया। सपा की रणनीति के अनुसार यदि दलित वोट बैंक उसके साथ जुड़ जाए तो 2024 की सियासी राह आसान हो सकती है। 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सपा ने लोहियावादियों का अंबेडकरवादियों को एक मंच पर लाने की शुरुआत की थी। पार्टी ने डॉ अंबेडकर के सिद्धांत और सपनों को पूरा करने की वकालत करते हुए अंबेडकर वाहिनी की घोषणा की। विधानसभा चुनाव में पार्टी का वोट बैंक करीब 32 फीसदी तक पहुंच गया।

इन्हें दी जगह

अब यही रणनीति लोकसभा चुनाव में भी अपनाने की तैयारी चल रही है। सपा की कोलकाता में चली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मंच पर अखिलेश यादव के बगल में नौ बार के विधायक अवधेश प्रसाद और पूर्व सांसद राम जी सुमन नजर आए। अयोध्या निवासी अवधेश प्रसाद पासी बिरादरी से और आगरा के रामजी लाल सुमन जाटव है। यह दोनों जातियां दलित राजनीति में प्रभावी मानी जाती हैं। सपा एक तरफ पुरानी पीढ़ी के दलित नेताओं को साथ लेकर चल रही तो दूसरी तरफ युवा दलित नेताओं पर भी फोकस कर रही है। गोरखपुर से बृजेश कुमार गौतम को जिला अध्यक्ष बनाया है जो बसपा से आए हैं। इसके साथ युवा चेहरे के रूप में रामकरण निर्मल, चंद्र शेखर चौधरी और मनोज पासवान भी सक्रिय हैं। रामपुर उपचुनाव में मंच पर अखिलेश यादव के बगल में दलित नेता चंद्र शेखर आजाद बैठे नजर आए थे।

बसपा का बिगड़ा है खेल

ध्यान देने वाली बात ये है कि बसपा को 2012 में करीब 26 फीसदी, 2017 में 22.4 फीसदी और 2022 में करीब 12.7 फीसदी वोट मिला था। जबकि प्रदेश में करीब 11 फीसदी जाटव, तीन फीसदी पासी और दो फीसदी अन्य दलित जातियां हैं। पार्टी के रणनीतिकारों का कहना कि उनकी नजर दलितों के पांच से छह फीसदी वोट बैंक पर है। इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। बसपा के तमाम पुराने नेता उससे अलग हो चुके हैं, इनमें से कुछ सपा के साथ हैं।

सृजन घोटाला मामले में पूर्व आइएएस केपी रमैया

अमित कुमार और रजनी प्रिया भगोड़ा घोषित, तीनों के खिलाफ वारंट जारी

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में हुए बहुचर्चित सृजन घोटाला के मामले में सीबीआइ-दो की अदालत ने आइएएस केपी रमैया समेत तीन आरोपितों को फरार घोषित करते हुए उनके खिलाफ गिरफ्तारी का स्थायी वारंट जारी किया है। अदालत से जारी कुर्की जब्ती वारंट का तामिला प्रतिवेदन सीबीआइ ने जमा कराया था, इस पर विचार करने के बाद आरोपित आइएएस केपी रमैया तथा सृजन संस्था की संस्थापिका स्वर्गीय मनोरमा देवी के पुत्र अमित कुमार व पुत्रवधु रजनी प्रिया को भगोड़ा घोषित कर उनके खिलाफ अलग अभिलेख खोलने और स्थायी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। अदालत ने अपने आदेश में सीबीआइ के क्रियाकलाप पर भी प्रश्नचिह्न लगाए। अदालत से जारी गिरफ्तारी के गैर जमानती वारंट, कोर्ट में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए जारी इश्तेहार चस्पा होने और तीनों आरोपितों की संपत्ति कुर्की जब्ती के आदेश के बावजूद तीनों आरोपित फरार चल रहे हैं। तीनों आरोपित अभी तक सीबीआइ की पहुंच से भी दूर हैं। अदालत में मामला विशेष वाद संख्या 12/2020 के रूप में दर्ज है। सीबीआइ ने इस मामले की प्राथमिकी आरसी 14(ए) /2017 दर्ज की थी। भागलपुर जिले में महिला सशक्तीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की सरकारी योजनाओं की सरकारी राशि का सरकारी कर्मचारियों एवं सृजन नामक स्वयंसेवी संस्था की मिलीभगत से धोखाधड़ी एवं जालसाजी पूर्वक गबन करने का मामला है।

'मुझे जूते पॉलिश करने का काम मिलता तो सबसे बढ़िया करता'

ब्रजेश पाठक ने क्यों दिया बयान?

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मुख्यमंत्री बनने की इच्छा पर सवाल का जवाब दिया है। डिप्टी सीएम का ये जवाब बीते दिनों से चर्चा में है। दरअसल, समाजवादी पार्टी ने बीते दिनों दावा किया था कि ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य 100 विधायक लेकर सपा के साथ आ सकते हैं। लेकिन अब उनसे ब्रजेश पाठक से जब पूछा गया कि क्या आपके मन में मुख्यमंत्री का ख्याल आता है तो उनका जवाब चौंकाने वाला था। एक निजी मीडिया चैनल के साथ बातचीत में ब्रजेश पाठक ने कहा, ये प्रदेश की जनता जो चाहेगी वो करेगी। मैं जनता के साथ हूं। मैं कार्यकर्ता हूं। कार्यकर्ता की तरह काम करता हूं। मेरा मानना है कि जो काम आपको ईश्वर ने दिया है

उसको करो। अन्यथा ईश्वर आपको कभी माफ नहीं करेगा। मैं मानता हूं कि मुझे सरकार में काम करने की बजाय, मुझे जूते पॉलिश करने का काम दिया जाता।

क्या बोले उपमुख्यमंत्री?

डिप्टी सीएम ने आगे कहा, मेरे बारे में कहा जाता कि अयोध्या के रकाबगंज थाने के पास गेट पर एक आदमी जूते पॉलिश करता है। उसका नाम ब्रजेश पाठक है। तो मैं सबसे बढ़िया जूते पॉलिश करता तो सब लोग मेरे पास आकर जूते साफ कराते। मैं बेहतर से बेहतर काम करने के लिए सबकुछ करने के लिए तैयार हूं। केवल परफार्मेंश बेस्ट होनी चाहिए दरअसल, बीते दिनों सपा ने एक तस्वीर शेयर कर दावा किया था, चलो मिलकर पलटाई।" (चलो मिलकर पलट देते हैं)। दूसरे ट्वीट में कहा गया है, " 50-50 का जुगाड़ मिलकर कर लिया, 100 सपा वाले प्लस राजभर, निषाद, पटेल बन गयी अपनी सरकार। शेयर की गई तस्वीर में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक एक साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे थे। बता दें कि इससे पहले अखिलेश यादव ने साक्षात्कार में कहा था,'' केशव प्रसाद मौर्य अपने 100 विधायक लेकर आएं, हम उन्हें मुख्यमंत्री बना देंगे।''

पुलिस में भर्ती के लिए सीएम नीतीश की घोषणा, इन महिलाओं को मिलेगी छूट

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में सोमवार को पुलिस बहाली में अनुसूचित जाति और जनजाति के साथ अत्यंत पिछड़ी जाति की महिलाओं को न्यूनतम ऊंचाई सीमा में छूट देने की मांग बीजेपी के सदस्यों की तरफ से की गई थी। इसे लेकर मुख्यमंत्री ने छूट देने की घोषणा की है। अभी 155 सेंटीमीटर न्यूनतम ऊंचाई सीमा है, सभी वर्गों के लिए वहीं 165 सेंटीमीटर न्यूनतम ऊंचाई सीमा है। सामान्य और पिछड़ा वर्ग के पुरुषों के लिए 5 सेंटीमीटर की छूट दी गई है। बीजेपी ने की हाइट में छूट की मांग एससी, एसटी और ओबीसी पुरुषों को को आधार बनाकर बीजेपी के सदस्य अनिल कुमार ने सरकार से एससी एसटी और ईबीसी महिलाओं को न्यूनतम ऊंचाई सीमा में छूट देने की मांग की। इस पर पहले प्रभारी मंत्री विजेंद्र यादव ने कहा कि सरकार के पास कोई प्रस्ताव नहीं है। विजेंद्र यादव की तरफ से 2 बार उत्तर को पढ़ा गया है लेकिन बीजेपी के सदस्य अपने तरीके से तर्क दे रहे थे, सदन में उस समय मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। बीजेपी के तरफ से पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने सरकार से आग्रह किया और यह भी कहा कि सवाल ही हम लोग इसलिए लेकर आए हैं कि सरकार इस पर विचार करें। नीतीश कुमार की घोषणा मुख्यमंत्री ने बीजेपी विधायक नीतीश मिश्रा के खिलाड़ियों को सरकारी नियुक्ति दिए जाने मामले में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सरकारी नौकरी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

'नीतीश कुमार राजनीति से संन्यास लें'

बीजेपी विधायक बचौल बोले- सीएम का हेल्थ कार्ड जारी हो

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा का बजट सत्र चल रहा। इस दौरान सदन के बाहर बीजेपी विधायक हरि भूषण बचौल ने एक बार फिर नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सदन में एक घटना घटी। नीतीश कुमार विस्मरण का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने सदन में खुद को दो बार गृह मंत्री बोला। कहा कि मैं पहले भी देख चुका हूं कि सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विस्मरण के शिकार हो चुके हैं। एक प्रश्न को ढूंढने में उनको 30 सेकंड लगा। कहा कि नीतीश कुमार को संन्यास ले लेना चाहिए।

आगे कहा कि वो विस्मरण के शिकार हो गए हैं। बिहार के 13 करोड़ जनता के लिए ये जरूरी है कि उनका हेल्थ कार्ड जारी किया जाए। वह चांडाल चौकड़ी से घिरे हुए हैं। मैं मांग करता हूं कि उनका हेल्थ कार्ड सार्वजनिक किया जाए। ये बिहार के जनता के लिए जरूरी है ताकि उनके आसपास के चंडाल चौकड़ी उनसे कुछ गलत काम न करवा लें। मैं आग्रह करूंगा कि नीतीश कुमार को अब राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए। तेजस्वी पर हमला बोलते हुए कहा कि वो मुख्यमंत्री बनने के लिए बैचेन हैं और नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने के लिए बेचैन हैं। दोनों ही कुछ नहीं बन पाएंगे। तेजस्वी को समय है वो विधानसभा के अध्यक्ष हैं। बिहार में अगर चुनाव होगा तो बीजेपी के मुख्यमंत्री बनेंगे क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ही चुनाव जीतेगी।

वहीं बिहार में अपराध और हेल्थ सिस्टम को लेकर हमला बोला। कहा कि सब बर्बाद है। हर तरफ अपराध का बोलबाला है। पीएमसीएच में लूट है। बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था लचर है। जब से इनकी सरकार बनी है तब से सभी चीजें और भी ज्यादा बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में हर जगह भ्रष्टाचार है।

मोहब्बत के आगे झुकी गांव की पंचायत

मुस्लिम लड़की ने हिंदू लड़के से की शादी, पूरा गांव बना बाराती

छपरा, 21 मार्च (एजेंसियां)। प्यार अगर सच्चा हो तो जाति और धर्म की दीवारें उसे रोक नहीं सकती हैं। कुछ ऐसा ही बिहार के छपरा में देखने को मिला है। दरअसल एक मुस्लिम लड़की ने हिंदू लड़के से प्यार किया और समाज को इस प्यार के आगे झुकना पड़ा। यही नहीं, गांव की पंचायत में इस प्यार को सामाजिक मान्यता दी और गांव वालों की मौजूदगी में दोनों ने शादी कर ली। इससे पहले दोनों गांव से फरार हो गए थे। वहीं, दोनों की फरारी को लेकर काफी दिनों तक गांव में तनाव था, लेकिन स्थिति सामान्य हुई और लोगों ने दोनों की भावनाओं को समझा। फिर शादी कराने का निर्णय हुआ और दोनों को बुलाकर शादी कर दी गई। जबकि छपरा के गरखा में सोमवार को बिना लगन की इस शादी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग बराती बन गए। सभी ने इस नए जोड़े को अपनी शुभकामनाएं दी।जानकारी के अनुसार, रीना प्रसाद का लड़का राजा बाबू और साबिर अली शाह की बेटी निशा की स्कूल के समय से आंखें चार हो गई थीं। जबकि पिछले 2 साल से प्रेम-प्रसंग प्रगाढ़ हो गया था। इस बीच दोनों एक दिन मौका पाकर गांव से फरार हो गये। इसको लेकर दोनों परिवार में विवाद भी हो गया था, लेकिन बाद में गांव की पंचायत ने स्थिति को संभाला और आपस में संवाद कायम कर दोनों के प्यार को अमलीजामा पहनाने पर सहमति प्रदान कर दी।

बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह किस बात पर हो गईं भावुक

सामने बैठे थे सीएम नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह विधानसभा में बोलते-बोलते भावुक हो गईं। श्रेयसी सिंह ने कहा कि ऐसा लगता है कि बिहार में जो विकास की लहर बह रही थी वह अचानक रुक गई है। ऐसा लगता है कि लकवा मार गया है। आज राज्य सरकार की उपलब्धि का अगर हम आकलन करेंगे तो पता चलता है कि राज्य सरकार के पास बस यही बच गया है कि वह केंद्र सरकार से बनाए जा रहे नेशनल हाईवे को दिखा रही है। श्रेयसी सिंह ने सदन में अपनी बात रखी और इस दौरान वे भावुक हो गईं। कहा कि 2021 की बात है। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव उस वक्त नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में थे। हमलोग सत्ता पक्ष में थे। उस समय उन्होंने (तेजस्वी यादव) हमसे पूछा था कि बिहार में जो खेल की स्थिति है और खेल का इंफ्रास्ट्रक्चर है उसके बारे में क्या सोचती हैं? उस वक्त सत्ता पक्ष में होते हुए हम मजबूती से जवाब नहीं दे पाए थे लेकिन आज जरूर कहना चाहेंगे कि उसी दिन स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का और इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का विधेयक पास हुआ था।

'आज तक नहीं जोड़ी गई एक भी ईंट'

बीजेपी विधायक ने आगे कहा कि यह 740 करोड़ से 90 एकड़ में यह विश्वविद्यालय बनने जा रहा था। उस दिन उम्मीद की एक किरण जगी थी सभी खिलाड़ियों के लिए कि शायद बिहार के बच्चे बिहार में खेल पाएंगे और आगे बढ़ पाएंगे लेकिन शिलान्यास के बाद आज तक एक भी ईंट नहीं जोड़ी गई है। ये काम कब पूरा होगा? क्या यह बिहार का सपना अधूरा रह जाएगा? यह बात कहते-कहते श्रेयसी सिंह की आंखों में आंसू छलक रहे थे। श्रेयसी ने कहा कि 15 साल का उनका करियर रहा है। बिहार के लिए और भारत के लिए वह निशानेबाजी करती हैं लेकिन आज तक बिहार की सरकार ने एक भी शूटिंग रेंज का निर्माण नहीं किया। बिहार की एक बेटी आज विधानसभा में खड़े होकर कह रही है जिसको राष्ट्रपति ने 2018 में पुरस्कार दिया था और सम्मानित किया था। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जो खेल में रुचि रखते हैं वह जवाब दें।

पति ने प्रेम विवाह में हुई बच्ची की कर दी हत्या

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के जमुई में एक माता पिता ने अपने छह महीना की बेटी की हत्या कर दी। बताया गया कि उसने अपनी पहली पत्नी के साथ मिलकर उस समय हत्या कर दी जब मासूम सर्दी खांसी की मामूली बीमारी से परेशान थी। वहीं साक्ष्य छिपाने के लिए शव को अपने घर से 10 किलोमीटर दूर जंगल में जाकर जमीन के नीचे दबा दिया ताकि किसी को इसकी भनक न लगे। मामले का खुलासा तब हुआ जब मृतक बच्ची की मां ने इस आशय को लेकर बरहट थाना में अपने पति और उसकी पहली पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कराया। आवेदन में वादिनी निशा देवी ने बताया कि बीते आठ मार्च को वह अपनी बच्ची और पति शंभू यादव के साथ ससुराल बरहट थाना क्षेत्र के जमुआ गांव आई। यहां आने के बाद उनकी बेटी को मामूली सर्दी खांसी हुई। बच्चे को दिखाने और दवा देने के नाम पर उनके पति और उनकी सौतन मिलकर दवा में जहर मिलाकर पिला दिया जिस कारण बेटी की मौत हो गई। तब आनन-फानन में पति और उनकी सौतन ने बेटी को जंगल में ले जाकर कहीं दफना दिया। बेटी की हत्या करने के बाद वादिनी द्वारा 16 मार्च को बरहट थाना में आवेदन देकर आरोपी के विरुद्ध न्यायोचित कार्रवाई की गुहार लगाई गई।

'लादेन' को बताया बेस्ट इंजीनियर

ऑफिस में लगाई थी फोटो; अब बर्खास्त हुआ एसडीओ

फर्रुखाबाद, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में बिजली विभाग में तैनात नवाबगंज उपखंड अधिकारी रवीन्द्र प्रकाश गौतम को अपने दफ्तर में आतंकी संगठन अलकायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन की तस्वीर लगाना भारी पड़ गया है। यूपी पावर कारपोरेशन के चेयरमैन एम। देवराज ने प्रकाश गौतम को सोमवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। बता दें कि गौतम को इस मामले में पहले ही निलंबित कर दिया था। जिसके बाद अब दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की जांच पूरी होने के बाद सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर चेयरमैन ने उन्हे सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इसी के ही साथ एसडीओ रवींद्र प्रकाश गौतम पर अपने सीनियर अधिकारियों के साथ अमर्यादित और अश्लील भाषा का प्रयोग कर पत्राचार करने का आरोप भी लगा था। जिसके बाद अलग स्तर पर जांच कमेटी ने जांच की और आरोपों के सही साबित होने पर अब उन्हे सेवा से

बर्खास्त कर दिया है।

'श्रद्धेय ओसामा बिन लादेन जी, विश्व का सर्वश्रेष्ठ इंजीनियर'

दरअसल ये मामला पिछले साल जून का है। सोशल मीडिया पर एसडीओ रवीन्द्र प्रकाश गौतम के कार्यालय में लगी ओसामा बिन लादेन की वीडियो और फोटो खूब वायरल हुई थी। एसडीओ ने अपने ऑफिस में ओसामा की फोटो लगाने के साथ ही नीचे लिखा हुआ था, 'श्रद्धेय ओसामा बिन लादेन जी, विश्व का सर्वश्रेष्ठ अभियंता।'इस मामले की फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मामले पर संज्ञान लिया। वीडियो की जांच के बाद जब आरोप सही पाए गए तो अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रवीन्द्र को निलंबित कर और ऑफिस से लादेन की तस्वीर हटवा दी थी। साथ ही इस मामले में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम को जांच के आदेश दे दिए गए थे।

लादेन की फोटो लगाना गलत नहीं

जब इस मामले में जांच टीम ने इस तस्वीर को लगाने के बावत रविंद्र गौतम से सफाई मांगी तो उसने कहा कि 'कोई भी किसी को भी अपना गुरू मान सकता है। उसने तो सिर्फ आंतकवादी ओसामा बिन लादेन को विश्व का सर्वश्रेष्ठ अभियंता बताया है। जो कि पूरी तरह से सही है। गौतम ने कहा कि वो ओसामा के कार्य का अनुसरण नहीं करते और ना ही वो उसे अपना आदर्श मानते हैं, लेकिन वो विश्व का सर्वश्रेष्ठ अभियंता था ये बात भी पूरी तरह सही है, इसलिए लादेन का फोटो लगाना गलत उद्देश्य की तरफ इशारा नहीं करता है।

जयंत चौधरी और अखिलेश यादव के गठबंधन वाले बयान पर क्यों चुप हैं पल्लवी पटेल?

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी गठबंधन में बीते दिनों अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के बयानों की काफी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस से गठबंधन को लेकर अलग-अलग बयान दिए। हालांकि इस बीच सपा विधायक पल्लवी पटेल की गठबंधन के सवालों पर खामोशी ने चर्चाओं को और हवा दे दी है। दरअसल, अखिलेश यादव ने बीते दिनों कहा था, अब सपा यूपी में लोकसभा चुनाव से पहले किसी और दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। समाजवादी पार्टी और गठबंधन मिलकर 80 की 80 सीटे लड़ेगा। जिसके बाद स्पष्ट हो गया कि अब सपा और कांग्रेस के बीच कोई गठबंधन नहीं होगा। लेकिन इसी बीच आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी के बयान ने गठबंधन पर चल रही चर्चाओं को हवा दे दी। कांग्रेस से गठबंधन करने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए आरएलडी प्रमुख ने कहा था, यूपी में बीजेपी के खिलाफ गठबंधन में हमारी कोशिश रहेगी कि कुछ और दल साथ जुड़ें। देश भर में विपक्षी एकता होनी चाहिए। यूपी में बीजेपी को हराने के लिए ब्लू प्रिंट भी है और जमीन पर भी हमारी रणनीति है। अभी सीट को लेकर कोई बात नहीं हुई है।

इस वजह से चर्चा हुई थी तेज

जिसके बाद चर्चा शुरु हुई कि क्या सपा गठबंधन में जयंत चौधरी और अखिलेश यादव के बयान अलग अलग संदेश दे रहे हैं। जबकि इससे कुछ दिन पहले ही जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने सपा गठबंधन के साथ रहने का संदेश दिया है। हालांकि इन सबके बीच पल्लवी पटेल की खामोश भी चर्चा का विषय है। दरअसल, पल्लवी पटेल अभी सपा के टिकट पर विधायक हैं और उनकी पार्टी अपना दल कमेरावादी सपा गठबंधन में है। जबकि उनके बाद राज्य में बीजेपी और बीएसपी के साथ गठबंधन करने के दरवाजे लगभग बंद हैं। बीएसपी ने पहले ही अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का एलान किया था। जबकि बीजेपी से अनुप्रिया पटेल की पार्टी का पहले ही गठबंधन है। जबकि अनुप्रिया पटेल और पल्लवी पटेल के बीच मतभेद किसी से छिपा नहीं है। ऐसे में बीजेपी गठबंधन में पल्लवी पटेल के जाने की कोई संभावना नहीं है। इस वजह से पल्लवी पटेल का सपा गठबंधन में रहना भी तय है और खामोशी भी कोई बड़ी बात नहीं है।

समाजवादी नेता के नेपाल का उपराष्ट्रपति बनने पर शिवपाल यादव की प्रतिक्रिया

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल के मधेस क्षेत्र के वरिष्ठ नेता रामसहाय प्रसाद यादव ने देश के तीसरे उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति के कार्यालय 'शीतल निवास' में आयोजित एक विशेष समारोह में नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने 52 वर्षीय यादव को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस पर समाजवादी पार्ट के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव की प्रतिक्रिया आई है। शिवपाल यादव ने कहा, नेपाल में जनता समाजवादी पार्टी के नेता श्री रामसहाय प्रसाद यादव को नेपाल के उपराष्ट्रपति पद का कार्यभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उनके उपराष्ट्रपति चुने जाने से दक्षिण एशिया में लोकतंत्र एवं समाजवादी वैचारिकी को गुणात्मक शक्ति मिलेगी। जनता समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार रामसहाय प्रसाद यादव ने 17 मार्च को नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (सीपीएन-यूएमएल) की अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी अष्ट लक्ष्मी शाक्य को हराकर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीता था। वह भारत की सीमा से लगे मधेस क्षेत्र के पहले

नेता हैं, जो इस पद पर पहुंचे हैं। नेपाल की राष्ट्रीय पोशाक पहनकर शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए यादव ने नेपाली भाषा में शपथ ग्रहण की। इस समारोह में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष देवराज घिमिरे, पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों और सांसदों समेत कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं। रामसहाय प्रसाद यादव को उनकी अपनी पार्टी के अलावा, नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-माओइस्ट सेंटर और सीपीएन-यूनीफाइड सोशलिस्ट के साथ-साथ अन्य दलों का समर्थन प्राप्त था। नेपाल ने वर्ष 2008 में संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र व्यवस्था को अंगीकार किया था, जिसके बाद से उपराष्ट्रपति पद के लिए यह तीसरा चुनाव है।

सरकार पर 155.8 लाख करोड़ का कर्ज

यह जीडीपी का 57.3 फीसदी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार पर 155.8 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। एक सवाल के लिखित जवाब में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह जानकारी दी। मार्च 2023 तक के आंकड़े रखते हुए उन्होंने बताया कि यह कर्ज फिलहाल देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में 57.3% के बराबर है। हालांकि, इसमें से विदेशी कर्ज सिर्फ 7.03 लाख करोड़ रुपये है, जो जीडीपी के 2.6 % के करीब है। वहीं, देश के कुल कर्ज में बाहरी (विदेशी) कर्ज करीब 4.5 फीसदी है। यह जीडीपी के 3.1% के बराबर है। बाहरी कर्ज का बड़ा हिस्सा रियायती दरों पर द्विपक्षीय एजेंसियों के बीच हुए समझौतों के तहत लिया गया है। कर्ज के जोखिम की स्थिति के लिहाज से देखें, तो देश की वित्तीय स्थिति सुरक्षित है।

अर्थव्यवस्था को सुरक्षित बनाया

सीतारमण ने बताया कि विनिमय दर की अस्थिरता और वैश्विक आर्थिक आघातों के प्रभावों से भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए रिजर्व बैंक ने सरकार के परामर्श से हाल ही में विदेशी मुद्रा फंडिंग के स्रोतों में विविधता लाने और विस्तार करने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। विदेशी मुद्रा अनिवासी-बी खातों पर ब्याज दर नियमों में छूट के साथ स्वतः संचालित बाहरी उधार की सीमा को बढ़ाकर 1.5 अरब डॉलर किया गया है।

शीर्ष-10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत व जापान में तेज वृद्धि

वहीं, दुनिया की शीर्ष-10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत और जापान तेजी से बढ़ रहे हैं। इन दोनों की जीडीपी कोरोना पूर्व स्तर से ज्यादा तेज से बढ़ी है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के मुताबिक, 94 देशों की अर्थव्यवस्था कोरोना पूर्व स्तर से भी नीचे जा चुकी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में शीर्ष 10 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से अमेरिका, चीन, जर्मनी, यूके, फ्रांस, कनाडा, इटली और ब्राजील जैसे आठ देश महामारी के पूर्व स्तर से भी कम प्रदर्शन कर सकते हैं। चैंबर ने 2019, 2020, 2021 व 2022 के विकास दर और 2023 के अनुमानों के आधार पर अध्ययन किया है। एजेंसी

सात फीसदी रह सकती है विकास दरः वित्त मंत्रालय

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश की आर्थिक वृद्धि दर 2022-23 में 7% रह सकती है। खुदरा महंगाई भी घटेगी। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, उच्च सेवा निर्यात से हुए लाभ, क्रूड में नरमी और आयात आधारित खपत मांग में कमी से देश का चालू खाते का घाटा 2022-23 और 2023-24 में कम हो सकता है।

सुंदर पिचई को गूगल कर्मचारियों ने ओपन लेटर लिख बताई दिल की बात, कर डाली ये 5 मांगें

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के 12,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बाद से ही बाकी एम्प्लॉइज में घबराहट है। आगे और कर्मचारियों की छंटनी किए जाने की आशंका के चलते अब कर्मचारी लामबंद हो रहे हैं। अल्फाबेट कर्मियों ने अब सीईओ सुंदर पिचई को एक ओपन लेटर लिखा है। इस खत में उन्होंने पिचई से 5 मांगे की हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी इन मांगों पर पिचई को सार्वजनिक रूप से मुहर लगानी चाहिए। वे ऐसा करने में सक्षम तो हैं ही साथ ही केवल वो ही उनकी इस उम्मीद को पूरा कर सकते हैं। ओपन लेटर में कर्मचारियों ने लिखा है कि छंटनी के इस दौर में कर्मचारियों की आवाज को अनसुना किया जा रहा है। कोई भी कर्मचारी अकेला अपने हक की सुरक्षा करने में फिलहाल सक्षम नहीं है। इसीलिए कंपनी के सभी कर्मचारियों ने अब सामूहिक रूप से अपनी मांगों से कंपनी को अवगत कराने के लिए खुला पत्र लिखने का निर्णय लिया है।

भर्ती पर लगे रोक

ओपन लेटर में कर्मचारियों ने मांग की है कि जब तक कंपनी में छंटनी का दौर चलता है, तब तक अल्फाबेट में नए कर्मचारियों की भर्ती न की जाए। अगर भविष्य में कंपनी कर्मचारियों को हायर करती है तो उसमें कंपनी को छंटनी किए गए कर्मचारियों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

नौकरी ढूंढ़ने में मिले सहायता

ओपन लेटर में कर्मचारियों ने गूगल के सीईओ से कहा है कि अगर किसी कर्मचारी की छंटनी की जाती है तो उसे अपना पूरा नोटिस पीरियड सर्व करने की अनुमति होनी चाहिए। साथ ही काम से निकाले गए कर्मचारियों को कंपनी नौकरी ढूंढ़ने में सहायता भी करे। इसके अलावा कर्मचारियों ने यूक्रेन, रूस जैसे मानवीय संकट वाले देशों में कर्मचारियों को नहीं निकालने की अपील भी की है।

शैड्यूल्ड लीव पर गए कर्मचारी की न जाए नौकरी

सुंदर पिचई को लिखे खुले खत में कर्मचारियों ने मांग की है कि शैड्यूल्ड लीव पर गए कर्मचारी को उसका अवकाश समाप्त होने तक नौकरी समाप्त करने का नोटिस नहीं देना चाहिए। नोटिस दिए गए कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जाए और उसे कंपनी से सम्मानपूर्वक विदा होने का अवसर मिले। कर्मचारियों की छंटनी करते वक्त सुनिश्चित करें कि लिंग, आयु, नस्लीय या जातीय पहचान, जाति, धर्म आदि के आधार पर कोई भेदभाव न हो।

बेंगलुरु में किराए पर फ्लैट लेना नहीं आसान!

मकान मालिक ने मांग लिया लिंक्डइन प्रोफाइल, जानें आगे क्या हुआ

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। किसी भी बड़े शहर में किराए का घर तलाशना बेहद मुश्किल काम है। मकान मालिक किरायेदार से कई बार ऐसे सवाल पूछते हैं जिसका जवाब देना कई बार उनके लिए मुश्किल हो जाता है। ज्यादातर मकान मालिक किरायेदारों के बैकग्राउंड को चेक करने के लिए आधार कार्ड , पैन कार्ड आदि जैसे दस्तावेज मांगते है, मगर आईटी सिटी बेंगलुरु में एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां मकान मालिक ने अपने किरायदार से उसके लिंक्डइन प्रोफाइल की मांग की है।मकान मालिक की इस अजीब डिमांड के बारे में ट्विटर पर जानकारी शेयर करते हुए गौतम नाम के यूजर ने वाट्सऐप चैट की स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा कि 12वें दिन घर की खोज करते हुए मकान मालिक ने यह डिमांड की। यूजर के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह के रिएक्शन देने लगे।

15 महीने के निचले स्तर 70 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसला कच्चा तेल

पर कब मिलेगी महंगे पेट्रोल-डीजल से राहत?

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 15 महीने के निचले लेवल पर जा लुढ़का है। ब्रेंट क्रूड ऑयल प्राइस 73 डॉलर प्रति बैरल तो डब्ल्युटीआई क्रूड 67 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। यहां तक की भारत की सरकारी तेल कंपनियां जो कच्चे ताल आयात करती है तो क्रूड ऑयल के इंडियन बास्केट की की कीमत भी 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है जो जनवरी 2023 के औसत कीमत 80.92 डॉलर प्रति बैरल से 8.50 फीसदी कम है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि इसके बावजूद सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल डीजल के दामों में कमी कर आम लोगों को अब तक कोई राहत नहीं दी है। बीते वर्ष 2022 में फरवरी महीने के आखिरी हफ्ते में यूक्रेन पर रूस पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीयबाजार में कच्चे तेल के दाम में बड़ा उछाल देखने को मिला था। कच्चा तेल 139 डॉलर प्रति बैरल के करीब जा पहुंचा जो 2008 के बाद क्रूड ऑयल की सबसे ऊंची कीमत थी। इस उछाल के बाद सरकारी तेल

कंपनियों ने लगातार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाये जिसके बाद देश के कई शहरों में पेट्रोल डीजल के दाम 100 रुपये के पार जा पहुंचा था। लेकिन खुदरा महंगाई दर में बड़े उछाल के बाद केंद्र सरकार को पेट्रोल पर 8 रुपये प्रति लीटर तो डीजल पर 6 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी में कटौती करनी पड़ी। हालांकि इस दौरान उच्च स्तरों से कच्चे तेल के दामों में गिरावट भी देखने को मिली थी तो भारत को रूस से सस्ते दामों पर कच्चा तेल मिलने लगा। लेकिन अब जब 70 डॉलर बैरल के पास दाम आ गिरे हैं तो भी पेट्रोल डीजल के दाम नहीं घट रहे। इसे लेकर सरकार विपक्ष के निशाने पर भी है। भारत राष्ट्र समिति के वर्किंग प्रेसीडेंट के टी रामाराव ने ट्वीट कर महंगे पेट्रोल-डीजल को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। संसद के बजट सत्र में सरकार से कई सांसदों ने कच्चे तेल के दामों में कमी के बावजूद पेट्रोल डीजल के दाम नहीं घटाये जाने को लेकर सवाल पूछे है जिसके जवाब में पेट्रोलियम मंत्री से लेकर पेट्रोलियम राज्यमंत्री ने कहा कि सरकारी तेल कंपनियों ने 6 अप्रैल 2022 के बाद पेट्रोल डीजल के दाम नहीं बढ़ाये हैं। पेट्रोलियम राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने राज्यसभा में कहा कि तीनों सरकारी तेल कंपनियां आईओसी, एचपीसीएल और बीपीसीएल को अप्रैल 2022 से लेकर दिसंबर 2022 के बीच 18,622 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि रुपये के टर्म्स में कच्चे तेल (इंडियन बास्केट) के दामों में 23 फीसदी प्रति बैरल का इजाफा हुआ है जबकि सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दाम केवल 1.08 फीसदी और डीजल के दाम 3.40 फीसदी ही बढ़ाये हैं। हालांकि ये दिसंबर 2022 तक के आंकड़े हैं। इसके बाद से लगातार कच्चे तेल के दामों में गिरावट आई है। और ये अनुमान लगाया जा रहा है कि सरकारी तेल कंपनियों को पेट्रोल डीजल बेचने पर अब मुनाफा हो रहा है। इसके बावजूद सरकारी तेल कंपनियां आम लोगों को राहत नहीं दे रही हैं। जानकारों का मानना है कि ये कंपनियां अपने नुकसान की भरपाई करने में जुटी हैं। आपको बता दें देश में औसतन पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा है। जिसमें से पेट्रोल पर सरकार 19.90 रुपये प्रति लीटर तो डीजल पर 15.80 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। 2 नवंबर 2021 से पहले केंद्र सरकार पेट्रोल पर 32.90 रुपये और डीजल पर 31.80 रुपये एक्साइज ड्यूटी वसूली रही थी। लेकिन बढ़ती महंगाई और विपक्ष के आलोचना के बाद केंद्र सरकार को एक्साइज ड्यूटी में कमी करनी पड़ी। 2014 में सत्ता में आने के बाद से मोदी सरकार 11 बार पेट्रोल डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा चुकी थी। 2014 मोदी सरकार जब सत्ता में आई थी तब उसने पेट्रोलियम पदार्थों पर 99,068 करोड़ रुपये एक्साइज ड्यूटी वसूला जाता था। जबकि 2021-22 में सरकार ने 4,92,303 करोड़ रुपये एक्साइज ड्यूटी वसूला था।

केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में की बड़ी कटौती, डीजल पर बढ़ाई ड्यूटी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को लेकर बड़ी कटौती केंद्र सरकार की ओर से की गई है। सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफाल टैक्स को को घटाकर 3,500 रुपये प्रति टन कर दिया है। इससे पहले ये 4400 रुपये प्रति टन था। इस हिसाब से देखा जाए तो विंडफॉल टैक्स में 900 रुपये प्रति टन की कमी की गई है। केंद्र सरकार ने डीजल के एक्सपोर्ट ड्यूटी में 0.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। वहीं दूसरी ओर पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल को इससे छूट दी गई है। ये बढ़ी हुई दर 21 मार्च से लागू होगी।

विंडफॉल टैक्स में हुई थी बढ़ोतरी

अभी कुछ समय पहले यानी 4 मार्च को केंद्र सरकार की ओर से विंडफॉल टैक्स में मामूली बढ़ोतरी की गई थी। सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 4350 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 4400 रुपये प्रति टन कर दिया था। हालांकि डीजल के निर्यात पर 0.5 रुपये प्रति लीटर बढ़ोतरी हुई थी। वहीं एटीएफ को एक्सपोर्ट ड्यूटी से हटा दिया गया था।

पेट्रोल और एटीएफ पर कब लगा था विंडफॉल टैक्स

भारत ने पहली बार 1 जुलाई 2022 को पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाकर विंडफॉल प्रोफिट टैक्स से लाभ कमाया था। घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन पर 23,250 रुपये प्रति टन विंडफॉल टैक्स लगाया था। इस तरह का टैक्स इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल की कीमत पर निर्भर करता है। वहां जैसी स्थिति होगी टैक्स उसी हिसाब से होगा। केंद्र सरकार ने हाल ही में संसद में दिए एक जवाब में कहा कि विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 25 हजार करोड़ विंडफॉल टैक्स से इस वित्त वर्ष के दौरान वसूलने का अनुमान है।

बैंकों के संकट से बिगड़ सकती है भारतीय आईटी सेक्टर की चाल, इन कंपनियों पर ज्यादा जोखिम!

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। ग्लोबल स्तर पर बैंकिंग सेक्टर में उथल-पुथल मची हुई है। पिछले 11 दिनों के दौरान पांच बैंक विफल हो चुके हैं। हालांकि इसमें से दो बैंकों के बिक्री को लेकर डील हो चुकी है। वहीं बाकी के बैंकों को बचाने का प्रयास अमेरिकी सरकार की ओर से जारी है। सबसे पहले अमेरिका का सिल्वरगेट, फिर सिलिकान वैली और सिग्नेचर जैसे बैंक कोलैप्स हो गए।

ये संकट सिर्फ यहीं तक नहीं रुकने वाला है, एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका असर बैंकिंग सेक्टर के अलावा, आईटी सेक्टर भी होगा। भारत के आईटी सेक्टर भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। बिजनेस टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय स्टेट मंत्री राजीव चंद्रशेखर भी मानते हैं कि इसका असर आईटी सेक्टर पर पड़ेगा, लेकिन उन्हें कारोबार

अच्छा होने पर भरोसा है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि नया कारोबार करने में आईटी सेक्टर को पेरशानियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि इन कंपनियों को 40 फीसदी तक रेवेन्यू बैंकिंग, वित्तीय सेवा जैसी कंपनियों से प्राप्त होता है, जो इस समय संकट से गुजर रहे हैं।

बैंकिंग संकट का नहीं होगा ज्यादा असर

बिजनेस टूडे से बातचीत के दौरान राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि बैंकिंग और वित्तिय सेक्टर का आईटी कंपनियों में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि से चले देने की जरूरत है। बैंकिंग संकट का असर तो होगा और कारोबार में गिरावट भी देखने को मिल सकता है, पर दूसरी अन्य क्षेत्रों में मुनाफा होगा।

नौकरियों में होगी कटौती

एक्सपर्ट का ये भी मानना है कि आने वाले समय में आईटी सेक्टर प्रभावित होंगे। ऐसे में 2 से तीन फीसदी नौकरी में कटौती हो सकती है। साथ ही वित्त वर्ष के दौरान थोड़ा नुकसान भी हो सकता है।

ये कंपनियां सबसे ज्यादा जोखिम में

जेपी मॉर्गन की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि टीसीएस, इंफोसिस और एलटीआई माइंडट्री का मौजूदा संकट के प्रति सबसे अधिक जोखिम देखा गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हाल ही में ढह चुके सिलिकॉन वैली बैंक में उनका एक्सपोजर 10.20 आधार अंक हो सकता है।

मंगल साबित हुआ भारतीय शेयर बाजार के लिए आज का दिन

शानदार तेजी के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। मंगलवार का दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मंगल साबित हुआ है। बेहतर वैश्विक संकेतों के चलते सुबह बाजार तेजी के साथ खुला और पूरे दिन बाजार में तेजी बनी रही। बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 445 अंकों के उछाल के साथ 58,000 के ऊपर 58,074 अंकों पर बंद हुआ है तो नेशनल स्टॉक्स एक्सचेंज का निफ्टी 119 अंकों की तेजी के साथ 17,107 अंकों पर बंद हुआ है। निफ्टी भी 17,000 के पार जाने में कामयाब रहा है। आज के कारोबार में बैंकिंग सेक्टर, एनर्जी, ऑटो, इंफ्रा, कमोडिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखी गई है। जबकि आईटी, हेल्थकेयर, फार्मा, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में शानदार तेजी देखी गई। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 शेयर तेजी के साथ तो 12 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 27 शेयर तेजी के साथ तो 23 गिरावट के साथ बंद हुए।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर

आज के कारोबार में रिलायंस का शेयर 3.11 फीसदी की तेजी के साथ 2270 रुपये पर बंद हुआ है। जबकि बजाज फाइनैंस 2.94 फीसदी, टाइटन 2.15 फीसदी, एक्सिस बैंक 2.14 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.94 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

जबकि पावर ग्रिड 2.11 फीसदी, एचयूएल 1.88 फीसदी टेक महिंद्रा 1.19 फीसदी, टीसीएस 1.12 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

निवेशकों की संपत्ति में उछाल

बाजार में आई आज की तेजी में निवेशकों की संपतत्ति में उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 256.89 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो सोमवार को 255.64 लाख करोड़ रुपये रहा था।

यानि आज के ट्रेडिंग सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.25 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

रेड कॉर्नर नोटिस हटने पर सरकार बोली- नहीं पड़ेगा कोई फर्क, चोकसी के वकील ने दी ये प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। मेहुल चोकसी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) रद्द होने से उसके खिलाफ चल रहे ऐसे मामलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा जो ही एडवांस स्टेज में है। एक संबंध में एक संधि पहले से ही प्रभावी है। ऐसे में जैसे ही चोकसी को गिरफ्तार किया जाएगा, उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी। सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। मेहुल चोकसी का नाम इंटरपोल के रेड नोटिस डाटाबेस से हटने की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए सीबीआई ने कहा है कि भारत की ओर से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध पर एंटीगुआ और बारबुडा में अधिकारियों के समक्ष सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। सीबीआई ने यह भी कहा है कि इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के डाटाबेस से उसका नाम हटने का कोई असर नहीं पड़ेगा। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि सीबीआई इस त्रुटिपूर्ण निर्णय को सुधारने और रेड नोटिस की बहाली के लिए इंटरपोल के भीतर उपलब्ध उपचारात्मक और अपीलीय विकल्पों का उपयोग करना जारी रखेगी। सीबीआई ने कहा है कि एंटीगुआ के अधिकारियों का भी मानना है कि इस बात की पुष्टि के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि आवेदक ने एंटीगुआ और बारबुडा नागरिकता के लिए आवेदन करते समय भौतिक तथ्यों को छिपाया या गलत चीजें बतायी। यह एक ऐसा तथ्य है जो इस अपराधी के पिछले आचरण को दर्शाता है।इंटरपोल ने सीबीआई और ईडी के अनुरोध पर दिसंबर 2018 में वांछित आरोपी मेहुल चीनूभाई चोकसी के खिलाफ रेड नोटिस प्रकाशित किया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन...	06-00 बजे
चंद्र-		में	मेष--	07-36 बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष--	09-21 बजे
बुध-	मीन	में	मिथुन..	11-23 बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क...	13-33 बजे
शुक्र-	मेष	में	सिंह...	15-46 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	17-53 बजे
राहु-	मेष	में	तुला	19-58 बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक.	22-07 बजे
			धनु.....	00-21 बजे
			मकर..	02-28 बजे
			कुंभ...	04-18 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **20 -21** उपरान्त द्वितीया
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , बुधवार **Mar 22**
नक्षत्र - उ.भाद्रपद **-15 -31** तक उपरान्त रेवती
योग - शुक्ल - **09 - 16** - तक उप -ब्रह्म
करण- किंस्तुघन - **09 - 33** - तक उप- बव
विशेष:- चैत्री नवरात्रि,गुडी पडवा
व्रत -त्योहार - उगादि, झुलेलाल जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:23 से 13:54 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:22 - 07:51	शुभ	उत्पात	18:23 - 19:55	अशुभ
अमृत	07:51 - 09:22	शुभ	शुभ.	19:55 - 21:24	शुभ
काल	09:22 - 10:52	अशुभ	अमृत	21:24 - 22:54	शुभ
शुभ.	10:52 - 12:23	शुभ	चंचल	22:54 - 00:23	शुभ
रोग	12:23 - 13:54	अशुभ	रोग	00:23 - 01:52	अशुभ
उत्पात	13:54 - 15:25	अशुभ	काल.	01:52 - 03:21	अशुभ
चंचल	15:25 - 16:55	शुभ	लाभ.	03:21 - 04:50	शुभ
लाभ	16:55 - 18:23	शुभ	उत्पात	04:50 - 06:22	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
काम का दबाव और घर में अनबन कुछ तनाव दे सकती है। आज आपके माता-पिता आपकी फिजूलखर्ची और फिजूलखर्ची से चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है। माता-पिता को खुश करने में आपको परेशानी होगी। सकारात्मक परिणाम देने के लिए चीजों को उनके नजरिए से समझने और देखने की कोशिश करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपके बच्चे का प्रदर्शन आपको अत्यधिक खुशी दे सकता है। आपका आर्थिक जीवन आज समृद्ध रहेगा। साथ ही आपको अपने कर्ज या चल रहे कर्ज से भी मुक्ति मिल सकती है। कुछ अनपेक्षित समस्याओं से पारिवारिक शांति भंग हो सकती है। लेकिन चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)
कुछ मनोरंजन के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। आज आपको आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है, लेकिन आप दान-पुण्य अवश्य करें, इससे मानसिक शांति प्राप्त होगी। अपने घर में सद्भाव लाने के लिए तालमेल से काम करें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपने आहार में बदलाव करें। अगर आप अपने घर के सबसे बड़े हैं तो आज आप परिवार के साथ बाहर घूमने की योजना बना सकते हैं और यात्रा के दौरान पर्याप्त धन खर्च करेंगे। बच्चे आपकी उम्मीदों पर खरे न उतरने से निराश हो सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
दोस्त सहयोगी हैं और आपको खुश रखेंगे। पैसों से जुड़े मामलों को लेकर जीवनसाथी के साथ आपकी कहासुनी होने की संभावना है। वह आपको आपके अनावश्यक खर्च और शाही जीवन शैली पर व्याख्यान दे सकता/सकती है। दोस्त आपको एक सुखद शाम के लिए अपने घर आमंत्रित करेंगे।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)
अपनी ऊर्जा को फिर से हासिल करने के लिए पूरा आराम करें क्योंकि कमजोर शरीर दिमाग को कमजोर कर देता है। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है, इसलिए अपने वित्त की योजना बनाएं और जितना हो सके अभी से बचत करना शुरू करें। आपकी उपलब्धि आपके परिवार के सदस्यों का उत्साह बढ़ाएगी।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपनी भावनाओं, खासकर गुस्से पर काबू रखने की कोशिश करें। जो लोग अब तक बेवजह पैसा उड़ा रहे थे, उन्हें आज से अपने कार्यों पर नियंत्रण रखना चाहिए और बचत करना शुरू कर देना चाहिए। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखते हैं और आपको खुशी देते हैं। घर में समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)
दोस्तों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती की यात्रा आपको सुकून देती है। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं, उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और इसके बदले उन्हें अच्छा पैसा मिल सकता है। पारिवारिक जीवन को उचित समय और ध्यान दे।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)
बड़ों को अच्छा लाभ पाने के लिए अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने की आवश्यकता है। आर्थिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। ग्रहों और नक्षत्रों की शुभ स्थिति के कारण आज आपको धन कमाने के कई मौके मिलेंगे। सभी को अपनी बड़ी पार्टी में शामिल करें- आज आपमें थोड़ी अतिरिक्त ऊर्जा होगी।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)
सुषुप्ति की समस्याएँ मानसिक दबाव लाकर सतह पर आएंगी। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था उन्हें आज आर्थिक नुकसान हो सकता है। अपने परिवार के सदस्यों को लाभान्वित करने के लिए सकारात्मक विचारों और अपनी वाणी के साथ कई सुझावों के साथ अपनी उपयोगिता की शक्ति का विकास करें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)
मुस्कुराइए क्योंकि यह आपकी सभी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा मारक है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें- और आज सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घरेलू मसलों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। आज आपका प्यार यह दिखाने के लिए खिलता है कि आपने कितना सुंदर काम किया है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
ध्यान और आत्मज्ञान लाभकारी सिद्ध होगा। अनियोजित स्रोतों से धन लाभ आपके दिन को रोशन कर देगा। बच्चे अपनी उपलब्धियों से आपको गौरवान्वित महसूस कराएंगे। आपके प्रेमी या प्रेमिका आज पारिवारिक परिस्थितियों के कारण नाराज़ रह सकते हैं। बात करके उन्हें शांत करने की कोशिश करें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

खाली पेट रहने से होगी ग्लूकोज की कमी

डायबिटीज-बीपी के हैं मरीज, नवरात्रि और रमजान में इस ट्रिक से करें उपवास

नई दिल्ली, 21 मार्च। (एक्सक्लूसिव डेस्क) 22 मार्च से चैत्र नवरात्रि और रमजान दोनों की शुरुआत हो रही है। इस बार एच3एन2 इंफ्लुएंजा भी फैला है। मौसम का मिजाज भी कभी गर्मी, कभी बारिश का हो रहा है। इसलिए व्रत-उपवास और रोजे रखने वाले सभी लोगों को अपना ख्याल रखने की जरूरत है।

इनसे ज्यादा फास्टिंग के दौरान उन लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है जिन्हें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, थायराइड की समस्या है। इन्हें दवा समय पर लेना है, सेहत का पूरा ख्याल रखना है, ताकि बाद में कोई प्रॉबल्म न झेलनी पड़े।

आज हम जरूरत की खबर में व्रत और रोजा के दौरान क्या खाना चाहिए क्या नहीं इस बारे में बात करेंगे। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और थायराइड के पेशेंट्स को क्या सावधानियां बरतनी चाहिए यह भी हमारे एक्सपर्ट्स से समझेंगे।

क्या उपवास यानी फास्टिंग रखना हेल्थ के लिए अच्छा होता है?

अगर आप उपवास बॉडी की डिटॉक्सिफिकेशन के लिए रख रहे हैं तब तो यह अच्छा है। लेकिन आजकल ऐसा करता कौन है। बहुत कम लोग।

ज्यादातर व्रत-उपवास में आलू, ऑयली फूड, मिठाइयां, चिप्स, पापड़ पूरे दिन खाते हैं। ओवर ईटिंग से पाचन तंत्र यानी डाइजेस्टिव सिस्टम खराब होता है। उस कंडीशन में ये हेल्थ के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं है।

श्री श्री रविशंकर कहते हैं कि जरूरी नहीं है कि धार्मिक मौके पर ही उपवास किया जाए। शरीर के अंदर की गंदगी साफ करने के लिए भी उपवास करना जरूरी है।

इससे डाइजेशन सिस्टम सुधरता है। दिमाग भी हेल्दी रहता है। डिप्रेशन और मेंटल हेल्थ से जुड़ी प्रॉब्लम को सॉल्व करने में मदद मिलती है।

इसी वजह से हमारे शास्त्रों में उपवास को धर्म से जोड़ा गया है। कहा जाता है कि उपवास से ब्रेन को रेस्ट मिलता है। खाली पेट की वजह से ध्यान अच्छी तरह से लगता है।

क्या बीमार लोगों के लिए सारे रोजे रखना जरूरी है?

डायबिटीज, बीपी, थायराइड स्पेशलिस्ट डॉ. रजा मलिक कहते हैं-कुरान में मुसलमानों को रमजान के महीने में रोजे रखना जरूरी बताया गया है, लेकिन उन लोगों के लिए यह जरूरी नहीं जो लोग बीमार हैं या उन्हें कोई बीमारी है।

शुगर या ब्लड प्रेशर वाले मरीज 9-10 दिन तक व्रत या महीनों तक रोजे रख सकते हैं?

व्रत रखना या नहीं रखना तो आपकी व्यक्तिगत पसंद है। न्यूट्रिशनिस्ट और डायबिटीज एजुकेटर अवनी कौल कहती हैं कि 9 से 10 दिनों तक लगातार व्रत की वजह से शुगर के मरीजों को परेशानी हो सकती है। जिन लोगों की शुगर कंट्रोल नहीं है, उन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के इतने दिन तक व्रत नहीं रखना चाहिए।

जिन लोगों को बीपी की परेशानी है, उन्हें भी बगैर डॉक्टर की सलाह के उपवास नहीं करना चाहिए।

इसी तरह रमजान के दौरान, खाने में 12 से 15 घंटे का गैप होता है, जो डायबिटीज, बीपी के पेशेंट के लिए एक समस्या हो सकती है। हालांकि शुगर या बीपी के मरीज सावधानी बरतकर रोजे रख सकते हैं। जैसे- ब्लड शुगर मीटर जरूर खरीदें। रोजाना बीपी चेक करने में आसानी होगी। सेहरी और इफ्तार में दवाई लेना न भूलें।

अच्छा तो वो लोग लंबे समय तक उपवास व्रत रख सकते हैं, जिनका शुगर या बीपी कंट्रोल में है?

अगर शुगर या बीपी कंट्रोल में है, तब भी डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। फिर एक डाइट चार्ट के साथ व्रत का ऑप्शन चुना जा सकता है।

उपवास के दौरान ब्लड शुगर लेवल कम क्यों होता है?

डायटिशियन अंजू विश्वकर्मा बताती हैं कि दरअसल जब शुगर के पेशेंट जब उपवास करते हैं, तो उन्हें नॉर्मल दिनों की तुलना में ज्यादा देर तक खाली पेट रहना पड़ता है। इस वजह से उनके ब्लड में ग्लूकोज की मात्रा कम हो सकती है। इस स्थिति को हाइपोग्लाइसीमिया कहते हैं, जो खतरनाक है।

उपवास में ब्लड शुगर कम होने पर ये 3 लक्षण दिखाई देंगे

अचानक पसीना आना

शरीर में कमजोरी या कंपन होना

दिल की धड़कनें तेज होना

नोट- आमतौर पर 70 या इससे कम ब्लड शुगर होने पर ये लक्षण दिखते हैं।

कुछ लोग व्रत में दवाइयां लेना बंद कर देते हैं क्या ये सही है?

व्रत रखने के दौरान उसके नियमों को फॉलो करें, लेकिन अपनी हेल्थ को इग्नोर भी न करें।

इसलिए जो लोग रेगुलर ब्लड प्रेशर (बीपी), शुगर यानी डायबिटीज, थायराइड, गैस्ट्रिक आदि की दवाइयां लेते हैं, उन्हें इसे लेना बंद नहीं करना चाहिए। यह आपके जीवन के लिए रिस्की हो सकता है।

जिन लोगों को गैस्ट्रिक प्रॉबल्म है या वो लोग जो फैटी लिवर के पेशेंट हैं उन्हें फास्टिंग के वक्त क्या खाना चाहिए और क्या नहीं?

सबसे पहले तो सुबह चाय लेना बंद कर दें। इससे गैस की प्रॉबल्म नहीं होगी और दिनभर के लिए एनर्जी भी मिलेगी। उसकी जगह एक सेब रोज खाएं।

नारियल पानी, ग्रीन टी, पालक, टमाटर, गाजर, चुकंदर का जूस या सूप भी पी सकते हैं। इससे बॉडी हाइड्रेट रहेगी।

साबूदाना, तला-भुना, मिर्च-मसालेदार और बचा हुआ खाना न खाएं। बाहर की चीजों को अवॉइड करें। ओवर ईटिंग से भी बचना होगा।

थायराइड के मरीजों के लिए व्रत रखना सेफ नहीं। ऐसे लोग नीचे लगी क्रिएटिव को पढ़ें और सावधानी बरतें

हेल्थ पॉइंट से कोई इश्यू नहीं, उन लोगों को भी उपवास के समय इन 6 बातों को भूलना नहीं चाहिए

दिनभर में 3-4 लीटर पानी पिएं।

पानी नहीं पी पा रहे हैं, तो नारियल पानी, वेजिटेबल जूस, नींबू पानी और बटर मिल्क पिएं।

ब्लॉटिंग और गैस की समस्या से बचने के लिए अजवाइन या पुदीने का पानी पी सकते हैं।

तली हुई चीजों को खाने से बचें, जैसे-साबूदाने का बड़ा, आलू चिप्स।

रोस्टेड, ग्रील्ड और उबली हुई चीजें ही खाएं, जैसे- शकरकंद को रोस्ट या उबाल कर खा सकते हैं।

नमक ज्यादा न लें। कोशिश करें कि दिनभर की एक मील में ही नमक लें। उसमें भी सेंधा नमक लें।

डाइटीशियन और न्यूट्रिशनिस्ट ने नवरात्रि का डाइट प्लान खास आपके लिए बनाया है, पढ़ें और फॉलो करें

नाश्ता क्या करें?

नट्स के साथ दलिया ले सकते हैं।

स्किम्ड मिल्क और दूध भी लेना ठीक रहेगा।

फल और भिगोए हुए बादाम एनर्जी देंगे।

लंच में क्या खाएं?

सब्जी के साथ कुट्टू की चपाती बना लें।

रायता और सलाद पेट को हल्का रखेंगे।

सब्जी और दही के साथ बेक्ड साबूदाना टिक्की बेस्ट हो सकता है।

इवनिंग में क्या लें?

एक कप गर्म ग्रीन टी पी सकते हैं।

डिनर में क्या लें?

फल और दूध ले सकते हैं।

सब्जी के साथ कद्दू और लौकी का सूप भी अच्छा रहेगा।

साइंस के हिसाब से उपवास रखने का तरीका सीखते हैं

जूस और पानी के साथ कुछ फल लें। इससे बॉडी में एंजाइम बनता है और खाना आसानी से पचता है।

उपवास वाले दिन देर रात में खाना नहीं खाना चाहिए। इसे पचाने में दिक्कत होती है।

अगर आप चाहें तो हफ्ते में एक दिन पानी और जूस से उपवास कर सकते हैं।

पानी आपके शरीर से विषैली चीजों को बाहर करेगा और जूस से आपको एनर्जी मिलेगी।

व्रत के बाद शाम को हैवी खाना न खाएं। सलाद, फल और कुछ हल्का आहार लें। इससे पाचन सिस्टम अच्छा रहेगा।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज का होली मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज का सालाना होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। शहर के आरके पुरम में देर शाम तक चले आयोजन में बड़ी संख्या में नगर द्वय में रहने वाले ब्रह्मर्षि समाज के लोग सपरिवार शामिल हुए। ब्रह्मर्षि सेवा समाज, हैदराबाद के सचिव निशिकांत की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार होली मिलन के जलसे में प्रवासी कलाकारों ने पारंपरिक होली गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में समां बांध दिया। समाज की अध्यक्ष इंदिरा राय की देखरेख में सम्पन्न हुए पूरे आयोजन होली मिलन के इस समारोह में हर उम्र के लोगों का उत्साह देखते बन रह था। एक ओर महिलाओं ने होली के रंगों की छटा बिखेरी, तो वहीं पुरुषों ने भी हुरियारी मस्ती से माहौल को सराबोर किया।

समाज के वरिष्ठ सदस्य रामकुमार सिंह, हेमंत ठाकुर, आरसी त्रिपाठी, रामकृष्ण, रवींद्र, पिंटू शर्मा और संजय राय की अगुवाई वाली भजन मंडली के कलाकारों ने बिहार-यूपी में सदियों से जारी होली गायन की परपंरा को हैदराबाद में भी जीवंत कर दिया। ढोल, झाल, मजीरे और हारमोनियम पर लोक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक होली (फगुआ) गीत गाये, जिसमें धार्मिक और परंपरागत गीतों का समन्वय रहा। होली गायन में महिलाओं ने भी हारमोनियम, ढोलक और झाल के साथ एक से एक फागुन के लोकगीत गा कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, महिला मंडली गायन का नेतृत्व खुद शशि रॉय ने किया और संगत में माया रॉय नीलम रॉय, अंशु ठाकुर, प्रिया ने झूम कर गया। कार्यक्रम के उतरार्ध में समाज की महिलाओं ने भी होली गीतों के मधुर धुन पर जमकर ठुमके लगाए और खूब मस्ती की। बीच-बीच में ठंढई की सेवा लोगों को होली के पुराने रंग में सराबोर करती रही। लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकार, फूलों की पंखुड़ियां बिखेरकर और गले लगकर होली की बधाईयां दी। आयोजन में बुजुर्गों ने छोटों को आशीष दिया, तो वहीं बच्चों में होली की खुमारी साफ झलकी।

कल की छुट्टी की अधिसूचना जारी

रायपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार ने चेट्रीचंड्र महोत्सव पर छुट्टी का ऐलान कर दिया है। इसके अलावा रायपुर नगर निगम ने भी 22 मार्च बुधवार को और 30 मार्च गुरुवार को रामनवमी के मौके पर शहर के सभी मांस मटन दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया है।

छुट्टी के नए आदेश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार जारी किए गए हैं। एच्छिक अवकाश की अधिसूचना सामान्य प्रशासन ने जारी की है। अधिसूचना में विभाग की ओर से लिखा गया है कि 23 मार्च गुरुवार के दिन राज्य के समस्त नगर निगम नगर पालिका क्षेत्रों में सामान्य अवकाश घोषित किया गया है।

अधिसूचना में बताया गया है कि इस दिन बैंक खुले रहेंगे। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की छत्तीसगढ़ इकाई के आनंद कुकरेजा, ललित जैसिंघ, राम गिड़लानी, अमर गिदवानी सभी ने इस पर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

अमीरपेट बालाजी भवन स्थित राजपुरोहित जाणुंदा परिवार द्वारा गेट टूगेदर सम्मान समारोह कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि डॉ.प्रदीपसिंह राजपुरोहित(आईएफएस) व सम्मानित अतिथि तमिल फिल्म आयोथी की अभिनेत्री अंजु असरानी व प्रीति असरानी, अतिथियों का सम्मानकर उपस्थित आयोजक विजयसिंह, कृष्णा, मेहुल राजपुरोहित जाणुंदा व अन्य।

राम नवमी जुलूस में डीजे प्रतिबंध पर गरमाई राजनीति

रांची, 21 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग प्रशासन ने राम नवमी के जुलूस में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब इसे लेकर राजनीति गरमा गई है। दरअसल भाजपा के कई विधायकों ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि हजारीबाग जिला प्रशासन ने डीजे पर प्रतिबंध के संबंध में 5000 से ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किया है। भाजपा ने इस पर कड़ा विरोध जताया है। भाजपा ने विधानसभा में भी उग्र तरीके से इस मामले को उठाया।

मासिक गोष्ठी "काव्य के रंग कादम्बिनी क्लब के संग कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद की 368वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. ऋषभ देव शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। साथ ही डॉ गंगाधार वानोडे, डॉ मदन देवी पोकरणा, अजीत गुप्ता, वेणुगोपाल भट्टड, सुमन मलिक और डॉ अहिल्या मिश्र मनचासीन हुए।

शिल्पी भटनागर ने सत्र का संचालन करते हुए डॉ अहिल्या मिश्र को स्वागत भाषण के लिए आमंत्रित किया। क्लब की अध्यक्षा डॉ. अहिल्या मिश्र ने कहा कि विगत 30 वर्षों में प्रथम बार ही किसी के निवास स्थान पर यह गोष्ठी हो रही है। मीना मुथा ने क्लब की ओर से कहा कि वर्ष 1994 में क्लब की स्थापना हुई। उन्होंने उस समय की परिस्थितियों पर प्रकाश डाला और कहा कि आज क्लब के परिवार में सबका जुड़ना निश्चित ही निरंतरता का परिचायक है। शुभ्रा मोहंतो, ऋचा और सास्मिता नायक ने होली के गीत के साथ गोष्ठी का अगाज किया। साथ ही कई सुंदर गीतों की प्रस्तुति उन्होंने दी। शिल्पी भटनागर ने आरंभिक गोष्ठियों की जानकारी दी।

तत्पश्चात काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ।

इसमें सुहास भटनागर, उमा सोनी, भगवती अग्रवाल, रवि वैद, अद्रिका कुमारी, डॉ राशि सिन्हा, मोहिनी गुप्ता, देवा प्रसाद मायला (संस्मरण), नितेश सागर, राजीव सिंह, विनोद गिरि अनोखा (भोजपुरी गीत), शिल्पी भटनागर, सीताराम माने, दर्शन सिंह (पंजाबी गीत), प्रदीप देवी शरण भट्ट, सुनीता लुल्ला, डॉ संगीता शर्मा (होली गीत), डॉ रमा द्विवेदी, प्रवीण प्रणव, अजय कुमार पांडे, किरण सिंह, तृप्ति मिश्रा, विनीता शर्मा, शिवांगी गुप्ता, लाड़ली मोहन धानुका, तरुणा बन्ना, सरिता सुराना जैन, आर्या झा, मोहित ओझल, रंजीता, श्री पूनम जोधपुरी, सत्यनारायण काकड़ा, जी परमेश्वर, डॉ कृष्णा सिंह, सूरज प्रसाद सोनी, दीपक दीक्षित, इन्दु सिंह, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ मदन देवी पोकरणा, मीना मुथा, डॉ सुनीला सूद, और डॉ अहिल्या मिश्र ने काव्य पाठ में भाग लिया। मंचासीन अथिति अजीत गुप्ता ने रंग बिरंगे रंगों का त्योहार है होली, वेणुगोपाल भट्टड ने हास्य व्यंग्य सुनाते हुए कुछ छंद और गुदगुदाने वाले हायकु प्रस्तुत किए।

रायपुर नगर निगम जारी करेगा 200 करोड़ के बॉन्ड

रायपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम पहली बार 200 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी करेगा। साल 2023 का बजट पेश करते हुए यह ऐलान महापौर एजाज ढेबर ने किया है। छत्तीसगढ़ का पहला नगर निगम रायपुर ही होगा जो ऐसा करने जा रहा है। 200 करोड़ के बॉन्ड जारी करने के इस मामले को आसान शब्दों में ऐसे समझें कि लोगों का निवेश नगर निगम में होगा और इस निवेश के बदले नगर निगम लोगों को ब्याज देगा। इस पब्लिक इन्वेस्टमेंट की रकम को निगम शहर के विकास कार्यों में लगाएगा। रायपुर के लिये महापौर ढेबर ने 1 हजार 608 करोड़ का बजट पेश किया।

महापौर एजाज ढेबर ने दावा किया कि इससे नगर निगम की आय बढ़ेगी, लोगों को भी मुनाफा होगा। बॉन्ड के बदले नगर निगम तयशुदा समय में लोगों को ब्याज देगा। इसके अलावा तय रिटर्न्स भी दिए जाएंगे। बॉन्ड जारी करने वाले नगर निगमों में इससे पहले उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, मध्यप्रदेश के इंदौर शहर का नाम है।

संस्कृत ज्ञान परम्परा से ही मनुष्य का उद्धार सम्भव : प्रो. चक्रधर त्रिपाठी

कोरापुट, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ओडिशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के संस्कृत विभाग द्वारा "भारत और विदेशों में संस्कृत की उपादेयता विषय पर त्रिदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में देश-विदेश से अनेक विद्वान पधारे जिनमें भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान से सम्मानित अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान सिल्पाकर्न विश्वविद्यालय थाइलैण्ड संस्कृत स्टडी सेन्टर के प्रो. चिरापतप्रपण्डविद्या, प्रो. सोम्बत्मिङ्गमासुख थाइलैण्ड, प्रो. हानोइ वियतनाम, प्रो. रस आचार्य इमेद धर्मयश बाली इन्डोनेशिया, प्रो. काशिनाथ न्यौपाने, नेपाल, प्रो. फिलिप रूसिन्की, पोलैण्ड, वडिङ्गल लोक थे, श्रीलङ्का, प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, उज्जयिनी, प्रो. विजय कुमार, सी.जी. कुलपति महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जयिनी, प्रो. दीप्ति त्रिपाठी, अध्यक्षा अन्तरराष्ट्रीय संस्कृत समवाय, प्रो रवीन्द्र कुमार पण्डा, कुलपति जगन्नाथ विश्वविद्यालय पुरी, प्रो. सदानन्द दीक्षित, अध्यक्ष लोकभाषा प्रचार समिति, प्रो.

अरुण कुमार मिश्र विश्वभारती विश्वविद्यालय, प्रो. सुशांन्त, प्रो. धर्मेन्द्र सिंहदेव, प्रो. निरज्जन मिश्र, प्रो. सच्चिदानन्द महापात्र आदि अनेक विशिष्ट विद्वानों एवं देश के अनेकों विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों से आये हुए अनुसन्धाताओं ने उक्त विषय पर मौलिक शोधपत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने की। अतिथियों का स्वागत संस्कृत विभाग एवं भाषा संकाय के अध्यक्ष प्रो. नरसिंह चरण पण्डा ने किया। कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने कहा भारतीय ज्ञान परम्परा से ही मनुष्य विकसित हो सकता है। अध्यापक समाज का प्रतिनिधित्व करता है और वह अध्यापक नाम को सार्थक कर सकता जब वह अपने आचरण को नीति वाक्यों के अनुरूप बनाता है। मनुष्य को मनुष्य बनाने का साधन केवल संस्कृत में निहित है।

इसी प्रकार को अद्वितीय ज्ञान परम्परा जो व्यावहारिक है और मनुष्य के निर्माण में परम साधन है इसका अनुपालन अवश्य ही होना चाहिये।

सम्मेलन में आये हुए अतिथियों ने संस्कृत को उपादेयता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. सुधेन्दु मण्डल, डॉ. आलोक बराल, डॉ. प्रदोष स्वाई, डॉ. सञ्जीत दास, डॉ. कोकिला बनर्जी, डॉ. रमेन्द्र पाढी, डॉ. सौरभ गुप्ता, डॉ. धर्मेन्द्र सिंहदेव, इत्यादि अनेकों विशिष्ट विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा ने मनाया रजत जयंती समारोह

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा, तेलंगाना ने अपनी स्थापना का रजत जयंती समारोह क्लासिक गार्डन बालम राई सिकंदराबाद में आयोजित किया। यह कार्यक्रम क्लासिक गार्डन श्रीकिशन के सौजन्य से किया गया, जिसमें प्रवीण अग्रवाल का बहुत सहयोग रहा। कार्यक्रम में 100 परिवारों के 500 अग्र बंधुओं ने सम्मिलित होकर इस समारोह का सम्मान बढ़ाया। समारोह की सबसे बड़ी विशेषता मुख्य अतिथि शरद पित्ती, विशेष अतिथि बद्री विशाल बंसल का आगमन रहा। समाज के सदस्य शरद पित्ती के मार्गदर्शन में ही 25 वर्ष पूर्व अग्रवाल समाज की स्थापना हुई थी। केंद्रीय अध्यक्ष अंजनी अग्रवाल ने उनके 2 वर्षों में समाज को आगे बढ़ाने के लिए किए गए कार्यों से शाखा के सदस्यों को अवगत किया। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता

यह रही, शाखा के 25 वर्षों में रहे अध्यक्ष और सचिव पद पर रहकर सेवा करने वाले सदस्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में तंबोला खेल भी रखा गया, जिसमें शाखा के सदस्य धीरेंद्र बंसल द्वारा 10 ग्राम चांदी के 10 सिक्के उपहार स्वरूप दिए गए।

शाखा ने मुरली नगर अग्रवाल समाज से पधारे राजेंद्र बाल वाले, दिनेश केडिया, दिनेश का मंच पर सम्मान किया। विनोद गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया। शाखा के सदस्य सुरेंद्र केडिया के नेतृत्व में यह कार्यक्रम बहुत ही सुंदर रूप में संपन्न हुआ। अध्यक्ष संजय जालान, उपाध्यक्ष महेंद्र गोयल, सचिव दीपक अग्रवाल, सह सचिव आयुष मोदी, कोषाध्यक्ष अशोक चोखानी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संपूर्ण प्रयास किया।

माओवादी नेता ने किया आत्मसमर्पण

सिर पर था पांच लाख का इनाम, 60 हमलों में था वांछित

रांची, 21 मार्च (एजेंसियां)। प्रतिबंधित माओवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के एक उप-क्षेत्रीय कमांडर ने सोमवार को लातेहार जिले में सुरक्षा बलों के सामवने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि उसके सिर पर पांच लाख के इनाम की घोषणा की गई थी। माओवादी हमलों से जुड़े 60 मामलों में वांछित दशरथ उरांव उर्फ रोशन जी ने पुलिस महानिरीक्षक (पलामू) राजकुमार लकड़ा, पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजान और सीआरपीएफ कमांडेंट केडी जोशी की मौजूदगी में यहां एसपी कार्यालय में आत्मसमर्पण किया। लकड़ा ने बताया कि ये 60 मामले बालूमाथ, लातेहार, चंदवा, हेरहंज, मनिका, टंडवा और कुंडा के पुलिस थानों में दर्ज किए गए थे।

दुनिया का सबसे अहम राजनीतिक दल है भाजपा

अमेरिकी अखबार डब्ल्यूएसजे में छपा लेख

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा दुनिया का सबसे अहम अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक दल है। अमेरिकी अखबार 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' में एक ओपिनियन आर्टिकल यानी वैचारिक लेख में ऐसा दावा किया गया है। इस लेख में कहा गया है कि अमेरिकी हितों के लिहाज से दुनिया में भारत की भारतीय जनता पार्टी सबसे अहम विदेशी राजनीतिक पार्टी है। वॉल्टर रसेल मीड की ओर से लिखे गए इस लेख में कहा गया है कि शायद इस पार्टी के बारे में दुनिया में सबसे कम जाना गया है।

लेख में कहा गया है कि 2014 और 2019 में लगातार जीत के बाद भाजपा 2024 में भी जीत दोहराने की ओर बढ़ रही है। इसी के साथ भारत भी बड़ी आर्थिक शक्ति बन रहा है, जिससे जापान के साथ यह देश हिंद-प्रशांत में अमेरिका की नीति की धुरी बन गया है। लेख में कहा गया कि निकट भविष्य में भाजपा ही भारत में अधिकतर फैसले करेगी और उसकी मदद के बिना अमेरिका के चीन की बढ़ती शक्ति को संतुलित करने के सारे कदम कमजोर ही रहेंगे।

भाजपा में हर देश के किसी न किसी दल का गुण

लेखक मीड ने कहा कि भाजपा को दुनिया में काफी कम जाना

जाता है, क्योंकि इसके उत्थान से जुड़े राजनीतिक और सांस्कृति इतिहास से अधिकतर गैर-भारतीय अनभिज्ञ ही रहे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम ब्रदरहुड की तरह ही भाजपा पश्चिमी उदारवाद के कई विचारों को नकारती है, जबकि आधुनिकता के दूसरे अहम पैमानों को अपनाती है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की तरह भाजपा एक अरब से भी ज्यादा आबादी वाले देश को वैश्विक महाशक्ति बनाना चाहती है। इस्राइल की लिकुड पार्टी की तरह भाजपा बाजार-समर्थक आर्थिक नजरिया रखती है, लेकिन लोकप्रिय और पारंपरिक मूल्यों के साथ। फिर चाहे इससे भाजपा को उन लोगों की नाराजगी झेलनी पड़े, जो उसकी नीतियों का समर्थन नहीं करते या जो पश्चिमी केंद्रित संस्कृति का समर्थन करते हैं और राजनीतिक तौर पर अभिजात वर्ग से आते हैं।

'भाजपा की सफलताओं को गिनना अहम'

मीड ने कहा कि भाजपा को हाल ही में ईसाई बहुलता वाले पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में हुए चुनावों में जो जीत मिली है, वह उसकी कुछ अहम जीत में से है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार, जहां की आबादी 20 करोड़ से भी ज्यादा है, उसे शिया मुस्लिमों का समर्थन मिलता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता वहां जातिगत भेदभाव से लड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं।

अमेरिकी विश्लेषक ने कहा, भाजपा और संघ के वरिष्ठ नेताओं और उनके आलोचकों से गहन चर्चाओं के बाद मुझे यकीन है कि अमेरिकी और पश्चिमी देशों को इस ताकतवर और जटिल आंदोलन के साथ और गहराई से जुड़ना जरूरी है।

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का सबसे ताकतवर संगठन'

अमेरिकी विश्लेषक ने कहा, भाजपा और संघ के वरिष्ठ नेताओं और उनके आलोचकों से गहन चर्चाओं के बाद मुझे यकीन है कि अमेरिकी और पश्चिमी देशों को इस ताकतवर और जटिल आंदोलन के साथ और गहराई से जुड़ना जरूरी है। उन्होंने आगे लिखा, हाशिए पर रहे धार्मिक और बौद्धिक तौर पर उत्साही लोगों के समूह से लेकर अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शायद दुनिया का सबसे ताकतवर नागरिक समाज संगठन बन चुका है। इसके ग्रामीण और शहरी विकास कार्यक्रम, धार्मिक शिक्षा और उसके पुनर्जीवन से जुड़े कार्यक्रम और नागरिक सक्रियता, जिसमें हजारों स्वयंसेवक अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं और एक राजनीतिक चेतना बनाते हैं। यह दुनिया के करोड़ों लोगों की ऊर्जा पर केंद्रित होता है।

जिनपिंग से बोले पुतिन- वेलकम, डियर फ्रेंड

मुलाकात के बाद चीनी राष्ट्रपति को कार तक छोड़ने गए रूसी प्रेसिडेंट, साढ़े 4 घंटे चली बातचीत

मॉस्को, 21 मार्च (एजेंसियां)। चीन के प्रेसिडेंट शी जिनपिंग ने सोमवार रात मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात की। पुतिन ने राष्ट्रपति भवन (क्रेमलिन) में जिनपिंग का स्वागत किया। कहा- वेलकम, डियर फ्रेंड। मैंने जंग खत्म करने वाले आपके पीस प्लान को अच्छे से पढ़ा है। हम दोनों इस बारे में जल्द चर्चा भी करेंगे।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, साढ़े चार घंटे चली इंफॉर्मल मीटिंग में जिनपिंग ने रूस को रिलायबल पार्टनर बताया। दोनों लीडर्स ने साथ में डिनर भी किया। पुतिन और जिनपिंग की नजदीकियां काफी गहरी हैं। ये डिनर के बाद भी देखने को मिलीं। पुतिन पर्सनल तौर पर जिनपिंग को उनकी गाड़ी तक छोड़ने गए। इसका एक वीडियो सामने आया। इसमें जिनपिंग होटल जाने के लिए क्रेमलिन से रवाना होते हुए दिख रहे हैं। पुतिन भी उनके साथ हैं। वो जिनपिंग की कार तक उनके साथ गए। रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद जिनपिंग पहली बार 20 मार्च को दो दिवसीय दौरे पर मॉस्को पहुंचे। आज उनकी विजिट का दूसरा दिन है। देर शाम दोनों लीडर्स के बीच ऑफिशियल बातचीत होगी।

जंग खत्म करवाना चाहते हैं जिनपिंग

क्रेमलिन पहुंचे जिनपिंग ने पुतिन से मुलाकात करने से पहले कहा था- मेरी विजिट का मकसद जंग खत्म कराना है। हल ऐसा निकलना चाहिए जो दोनों पक्षों को मंजूर हो। मैं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की से भी बातचीत करूंगा। जिनपिंग चाहते हैं कि वो पुतिन और जेलेंस्की को कम से कम सीजफायर पर राजी करा लें। इसके बाद डिप्लोमैटिक चैनल्स खुल जाएंगे और चीन ग्लोबल लीडर कहलाने लगेगा। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, दोनों लीडर्स रूस और चीन के बीच व्यापक और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में रूसी-चीनी सहयोग को गहरा करने पर भी बातचीत होगी। इसके अलावा जिनपिंग और पुतिन एक अहम बाइलैटरल डॉक्यूमेंट पर साइन करेंगे। इस डॉक्यूमेंट से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी गई।

तीन महीने पहले दोनों नेताओं ने फोन पर बात की थी

30 दिसंबर 2022 को शी जिनपिंग और व्लादिमिर पुतिन की 8 मिनट तक वीडियो कॉल पर बात हुई थी। इस दौरान पुतिन ने दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने को कहा था। इस पर शी जिनपिंग ने कहा था कि दुनिया में जारी मुश्किल हालात के बीच चीन रूस को रणनीतिक सहयोग देने के लिए तैयार है।

'नो लिमिट' समझौते ने दोनों देशों को बनाया पक्का साझेदार

यूक्रेन में जंग शुरू करने के बाद दोनों देशों ने 'नो लिमिट' रणनीतिक साझेदारी साइन की थी। यूरोपियन देशों की पाबंदी के बाद चीन ने रूसी तेल और गैस की खरीद दो बढ़ा दिया है। इसके बदले में रूस भी ताइवान के मामले पर चीन का साथ दे रहा है। चीन हमेशा से ताइवान को अपना हिस्सा बताते आया है। वहीं, पुतिन ने भी ताइवान को चीन का अभिन्न हिस्सा माना है।

2012 में चीन का राष्ट्रपति बनने के बाद जिनपिंग अपने पहले विदेश दौरे पर रूस गए थे। वे मार्च 2013 में मॉस्को पहुंचे थे। चीन ने हमेशा रूस का साथ दिया है। सितंबर 2022 में समरकंद में एससीओ बैठक हुई थी। तब शी जिनपिंग और पुतिन की मुलाकात हुई थी। वहीं, 4 फरवरी 2022 को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन विंटर ओलिंपिक्स की इनॉगरेशन सेरेमनी के लिए बीजिंग पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा था कि रूस 'वन चाइना पॉलिसी' का समर्थन करता है।

फ्रांस में रिटायरमेंट एज बढ़ाने वाला बिल अब कानून बना

मैक्रों सरकार ने दोनों अविश्वास मत जीते, लोगों का प्रदर्शन जारी

पेरिस, 21 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस की सरकार दोनों अविश्वास मत जीत गई है। रिटायरमेंट एज बढ़ाने को लेकर फ्रांस सरकार के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव लाए गए थे। इसी के साथ रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने वाला बिल अब कानून बन गया है। आसान शब्दों में कहें तो- अब कानूनी तौर पर रिटायरमेंट की उम्र 62 से बढ़कर 64 हो गई है।

भारतीय समय के मुताबिक, सोमवार देर रात फ्रांस की संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग हुई। इसे पास होने के लिए 287 वोट चाहिए थे, लेकिन 278 वोट ही मिले। अगर प्रस्ताव पास हो जाता तो मैक्रों सरकार गिर जाती और नया चुनाव करवाया जाता। वहीं, रिटायरमेंट एज बढ़ाने वाले बिल के कानून बनने के बाद भी लोगों का प्रदर्शन जारी है।

नेशनल असैंबली में बिना वोटिंग पास हुआ था बिल, इसके बाद अविश्वास प्रस्ताव लाया गया

16 मार्च को फ्रांस की नेशनल

असैंबली में प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने संवैधानिक ताकत का इस्तेमाल करते हुए बिना वोटिंग के ही बिल पास करवा दिया था। पीएम ने आर्टिकल 49.3 का इस्तेमाल किया जिसके तहत बहुमत न होने पर सरकार के पास बिना वोटिंग के बिल पास कराने का अधिकार है। इसके बाद विपक्षी नेता मरीन ले पेन ने इमैनुएल मैक्रों की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कही थी।

अब 43 साल काम करना जरूरी

'फ्रांस 24' की रिपोर्ट के मुताबिक, नई पेंशन योजना के तहत रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने का फैसला लिया गया। इस योजना के तहत पूरी पेंशन के लिए जरूरी न्यूनतम सेवा काल की अवधि भी बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने बताया कि नई पेंशन योजना के प्रस्तावों के तहत 2027 से लोगों को पूरी पेंशन लेने के लिए कुल 43 साल काम करना होगा। अभी तक ये न्यूनतम सेवा काल 42 साल था।

सरकार इसे फ्रांस की शेयर-आउट पेंशन सिस्टम की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में बता रही है। सरकार का कहना है कि काम करने वालों और सेवानिवृत्त लोगों के बीच का अनुपात तेजी से कम हो रहा है। जिसे देखते हुए रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। ज्यादातर यूरोपियन कंट्रीज ने रिटायरमेंट एज बढ़ाई है। इटली और जर्मनी में रिटायरमेंट की उम्र 67 साल है। स्पेन में ये 65 साल है। ब्रिटेन में रिटायरमेंट की उम्र 66 साल है।

मीडिया टाइकून रुपर्ट मर्डोक 92 साल में 5वीं शादी करेंगे

66 साल की लेस्ली स्मिथ पूर्व सुपर मॉडल हैं, मर्डोक की 4 पत्नियों से 6 बच्चे

वॉशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)। मीडिया टाइकून रूपर्ट मर्डोक 92 साल की उम्र में पांचवी बार शादी करने जा रहे हैं। रूपर्ट 66 साल की एन लेस्ली स्मिथ से शादी करेंगे। लेस्ली स्मिथ की भी ये तीसरी शादी होगी। इन दोनों की मुलाकात पिछले साल सितंबर के महीने में कैलिफोर्निया में हुई थी। दोनों की शादी गर्मियों में होने की संभावना है। रूपर्ट मर्डोक पिछले साल अपनी चौथी पत्नी से अलग हुए थे।

मर्डोक ने अपने खुद के मीडिया चैनलों में से एक न्यूयॉर्क पोस्ट से कहा, 'मैं प्यार में पड़ने से डरता था - लेकिन मुझे पता था कि यह मेरा आखिरी होगा। मैं खुश हूं।' मर्डोक ने बताया कि उन्होंने सेंट पैट्रिक्स डे पर स्मिथ को प्रपोज किया था। वहीं एन लेस्ली स्मिथ ने कहा कि मैं 14 साल की विधवा हूं। रूपर्ट की तरह, मेरे पति चेस्टर स्मिथ एक बिजनेसमैन थे।

मर्डोक के 6 बच्चे

मर्डोक की पहली तीन पत्नियों से छह बच्चे हैं। उन्होंने पिछले साल अपनी चौथी पत्नी से तलाक लिया था। 2016 में मर्डोक ने 85 साल की उम्र में 65 साल की मॉडल जेरी हॉल की शादी की थी। ये शादी 6 साल ही चली थी और दोनों 2022 में अलग हो गए थे।

2022 में चौथी पत्नी को दिया था तलाक

मर्डोक की पहली शादी पैट्रिसिया बुक से 1956 में हुई थी। यह शादी 1967 तक ही चली

दूसरी शादी 1967 में अन्ना मारिया टोर्व से हुई और 1999 तक चली

1999 में तीसरी शादी वेंडी देंग से की और 2013 में दोनों अलग हो गए

2016 में इन्होंने मॉडल जेरी हॉल से शादी की थी और 2022 में दोनों अलग हो गए

कौन हैं रुपर्ट मर्डोक?

मर्डोक का जन्म 1931 में ऑस्ट्रेलिया में हुआ, लेकिन वर्तमान में वो अमेरिका के नागरिक भी हैं।

1952 में विरासत में पिता से मिली कंपनी ऑस्ट्रेलिया न्यूज लिमिटेड के एमडी बने। इसके बाद उन्होंने 50 और 60 के दशक में मीडिया बिजनेस को तेजी से आगे बढ़ाया। मर्डोक अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के बड़े न्यूजपेपर और चैनल्स के मालिक हैं।

मडोर्क ब्रिटेन में मशहूर द टाइम्स, संडे टाइम्स, द सन समेत कई अखबारों के मालिक है। अमेरिका में वॉल स्ट्रीट जर्नल, न्यूयॉर्क पोस्ट, डाउ जोन्स लोकल मीडिया ग्रुप, 7 न्यूज इनफॉर्मेशन सर्विसेज, फॉक्स टीवी ग्रुप और स्काई इतालिया में उनका मालिकाना हक है।

मर्डोक की थ्वेंटी फर्स्ट फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की नामी कंपनी है। स्पोर्ट्स के मशहूर चैनल स्टार स्पोर्ट्स, मशहूर टीवी चैनल नेशनल जियोग्राफिक और ब्रिटिश स्काई ब्रॉडकास्टर में उनकी हिस्सेदारी है।

2000 तक न्यूजकॉर्प में 800 कंपनीज शामिल थीं और 50 देशों में उनका बिजनेस था। फोर्ब्स ने रिचेस्ट अमेरिकन 2013 की लिस्ट में मर्डोक को 33वें नंबर पर रखा था।

उत्तर कोरिया को लेकर अमेरिका से भिड़े चीन और रूस संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

प्योंगयांग, 21 मार्च (एजेंसियां)। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक हुई। बैठक के दौरान अमेरिका और चीन-रूस उत्तर कोरिया के मुद्दे पर भिड़ गए। दरअसल उत्तर कोरिया ने हाल के समय में दर्जनों बैलेस्टिक मिसाइलें और परमाणु हथियार विकसित कर लिए हैं। ऐसे में सुरक्षा परिषद के सदस्य देश एक दूसरे को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते दिखे। गुरुवार को ही उत्तर कोरिया ने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल हासोंग 17 का परीक्षण किया है। इसी मुद्दे पर बातचीत के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 15 सदस्यीय परिषद की बैठक हुई।

बैठक के दौरान रूस के डिप्टी यूएन राजदूत एना एस्टिग्नीवा ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य गतिविधियां अभूतपूर्व हैं। वहीं चीन के डिप्टी यूएन राजदूत गेंग शुआंग ने भी अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास पर चिंता जाहिर की है और कहा कि इसके चलते क्षेत्र में तनाव बढ़ा। रूस और चीन ने अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच बने ऑकस को लेकर भी चिंता जाहिर की।

दुनियाभर के 53 देशों में चीन ने खोल रखे हैं 102 पुलिस स्टेशन

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में अपनी पहुंच बनाने के लिए चीन ने एक नया पैंतरा अपनाया है। सितंबर 2022 में स्पेन के नागरिक अधिकार समूह की एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि चीन ने कई देशों में चीनी ओवरसीज पुलिस स्टेशनों (सीओपीएस)की स्थापना कर ली है। एक इनसाइड रिपोर्ट से अब खुलासा हुआ है कि अब तक 53 देशों में चीन ने 102 पुलिस स्टेशन खोल रखे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सीओपीएस का नेटवर्क चीन स्थित सार्वजनिक सुरक्षा ब्यूरो (पीएसबी) द्वारा 2016 में स्थापित किया गया है। अलग-अलग देशों में स्थित चीन के इस पुलिस स्टेशन का काम चीन के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों पर नजर रखना है। इसके अलावा चीन से भागकर दूसरे देश पहुंचे नागरिकों को वापस चीन भेजने का दबाव बनाया जाता है। राजनीतिक विरोधियों और चीन से नाराज जैसे तिब्बतियों, उइगरों और चीन विरोधी आवाजों को कमजोर करने का काम भी इसके जरिए किया जाता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन की ये पुलिस अक्सर आगे की जांच के लिए उन्हें वापस लाने के लिए यूनाइटेड फ्रंट वर्क डिपार्टमेंट (यूएफडब्ल्यूडी) से जुड़े स्थानीय चीनी ओवरसीज होम एसोसिएशन का उपयोग करते हैं। इनसाइड ओवर की रिपोर्ट के अनुसार, 2018 के चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) ने विदेश में चीनी को मुखबिरों को तैयार करने का काम भी यूएफडब्ल्यूडी को दिया है।

कोई दफ्तर नहीं, फिर भी काम कर लेते हैं ये चीनी पुलिस

रिपोर्ट्स के अनुसार, सीओपीएस में चीन के पूर्व पुलिस अधिकारियों और दूतावास के पुराने अधिकारियों को शामिल किया गया है। ये चीनी दूतावास से अलग काम करते हैं। इनका कोई ऑफिस नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ये स्थानीय दुकानों, रेस्तरां, मॉल या अपार्टमेंट सहित अनौपचारिक स्थानों के माध्यम से कार्य करते हैं।

किम का मिसाइल टेस्ट, यूएनएससी में हंगामा

रूस-चीन बोले- तानाशाह को भड़का रहा अमेरिका यूएस का जवाब- दोनों देश नॉर्थ कोरिया को बचा रहे

न्यूयॉर्क, 21 मार्च (एजेंसियां)। यूनाइटेड नेशन्स सिक्योरिटी काउंसिल(यूएनएससी) की मीटिंग में सोमवार को चीन, रूस और अमेरिका आमने-सामने नजर आए। नॉर्थ कोरिया की मिसाइल टेस्टिंग को लेकर हुई बैठक में रूस-चीन ने अमेरिका पर किम जोंग को भड़काने का आरोप लगाया। वहीं अमेरिका ने रूस-चीन पर नॉर्थ कोरिया को प्रतिबंधों से बचाकर उसका हौसला बढ़ाने का जिम्मेदार ठहराया।

दरअसल, 16 मार्च को नॉर्थ कोरिया ने सबसे बड़ी ह्वासोंग-17 इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की थी। जिसके बाद यूएनएससी की 15 सदस्यीय काउंसिल ने मीटिंग बुलाई। नॉर्थ कोरिया पर 2006 से यूएन ने मिसाइल और न्यूक्लियर प्रोग्राम्स को लेकर प्रतिबंध लगा रखे हैं।

मीटिंग के दौरान चीन-रूस ने

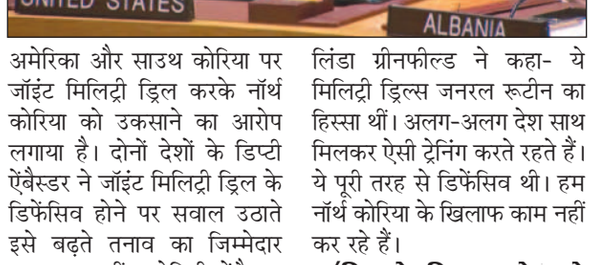

अमेरिका और साउथ कोरिया पर जॉइंट मिलिट्री ड्रिल करके नॉर्थ कोरिया को उकसाने का आरोप लगाया है। दोनों देशों के डिप्टी ऐंबैस्डर ने जॉइंट मिलिट्री ड्रिल के डिफेंसिव होने पर सवाल उठाते इसे बढ़ते तनाव का जिम्मेदार ठहराया। वहीं अमेरिकी ऐंबैस्डर लिंडा ग्रीनफील्ड ने कहा- ये मिलिट्री ड्रिल्स जनरल रूटीन का हिस्सा थीं। अलग-अलग देश साथ मिलकर ऐसी ट्रेनिंग करते रहते हैं। ये पूरी तरह से डिफेंसिव थी। हम नॉर्थ कोरिया के खिलाफ काम नहीं कर रहे हैं।

'किम के मिसाइल टेस्ट से एयूकेयूएस की तुलना न करें'

इसके अलावा रूस-चीन ने अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच एयूकेयूएस डील को लेकर भी परमाणु चिंताएं व्यक्त कीं। इस डील के तहत ऑस्ट्रेलिया ब्रिटेन की मदद और अमेरिका की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सबमरीन बनाएगा। अमेरिका और ब्रिटेन ने डील को लेकर सभी आरोप खारिज कर दिए। दोनों देशों ने बताया कि ये डील न्यूक्लियर वेपन ट्रीटी का उल्लंघन नहीं करती है। वहीं नॉर्थ कोरिया के अवैध परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम यूएनएससी के कई प्रस्तावों का उल्लंघन करते हैं और इसकी तुलना एयूकेयूएस डील से नहीं की जानी चाहिए।

पुतिन के करीबी नेता मेदवेदेव ने आईसीसी को दी धमकी

कहा- आसमान पर नजर रखें, मिसाइल हमला भी हो सकता है

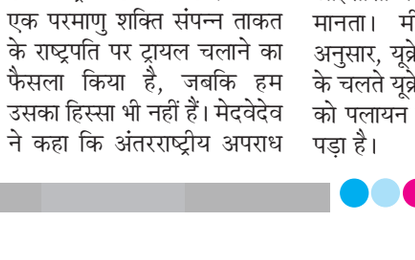

मॉस्को, 21 मार्च (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी और रूस की सुरक्षा परिषद के डिप्टी चेयरमैन दमित्री मेदवेदेव ने अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत के जजों को धमकाया है। मेदवेदेव ने कहा कि अपराध अदालत को रूसी राष्ट्रपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। बता दें कि यूक्रेन में युद्ध के चलते बड़ी संख्या में बच्चों के पलायन के लिए आईसीसी ने पुतिन को दोषी ठहराया है।

रूसी मीडिया के अनुसार, दमित्री मेदवेदेव ने टेलीग्राम पर जारी एक बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत ने एक परमाणु शक्ति संपन्न ताकत के राष्ट्रपति पर ट्रायल चलाने का फैसला किया है, जबकि हम उसका हिस्सा भी नहीं हैं। मेदवेदेव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत के जजों को एक बड़ी परमाणु शक्ति के खिलाफ कदम नहीं उठाना चाहिए। सभी लोग भगवान और मिसाइलों के प्रति जवाबदेय हैं।

ऐसा भी हो सकता है कि उत्तरी समुद्र से एक हाइपरसोनिक रूसी मिसाइल हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत पर गिर जाए। मेदवेदेव ने अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत के जजों को आसमान पर निगाह रखने की सलाह दी है। मेदवेदेव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यह गिरफ्तारी वारंट रूसी राष्ट्रपति पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छोड़ने के लिए जारी किया गया है।

हालांकि इस गिरफ्तारी वारंट पर रूसी सरकार ने कहा है कि वह आईसीसी के क्षेत्राधिकार को नहीं मानता। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूक्रेन पर रूस के हमले के चलते यूक्रेन के 16,226 बच्चों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा है।

भारतीय कॉन्स्युलेट और उच्चायोग पर हमले से भड़के अमेरिका में रहने वाले सिख

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। लंदन, सैन फ्रांसिस्को समेत कुछ अन्य देशों में स्थित भारतीय कॉन्स्युलेट और हाई कमीशन पर खालिस्तानियों द्वारा हमलों की खबर से सिख समुदाय में खासा आक्रोश है। अमेरिका में रहने वाले सिख समुदाय के नेताओं ने इसको लेकर विरोध जताया है। सिख नेताओं ने इन घटनाओं की निंदा की और कहा कि खालिस्तानी आंदोलन को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।

वाशिंगटन डीसी में रहने वाले सिख नेता जसदीप सिंह ने कहा, 'हम सैन फ्रांसिस्को में भारतीय दूतावास के बाहर हुई किसी भी हिंसा या लंदन में भारतीय ध्वज के अपमान की निंदा करते हैं। हर किसी को विरोध करने का अधिकार है लेकिन यह शांतिपूर्ण होना चाहिए और कोई हिंसा या तोड़फोड़ नहीं होनी चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'आप मीडिया में जो कुछ भी देख रहे हैं कि अमेरिका और कनाडा में खालिस्तान आंदोलन चल रहा है, वह सब बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। उत्तरी अमेरिका में दस लाख से अधिक सिख रहते हैं और उनमें से केवल 50 भारतीय दूतावास के बाहर विरोध करने के लिए दिखाई देते हैं।'

सिख नेता बालगेंद्र सिंह शमी कहते हैं, 'पंजाब में जो कुछ भी हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं यूनाइटेड किंगडम और सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास में हुई हिंसा की घटना की भी निंदा करता हूं। हम लोकतांत्रिक देश हैं, हमें विरोध करने का पूरा अधिकार है लेकिन यह शांतिपूर्ण होना चाहिए।'

'संजीवनी घोटाले का पैसा आए तो सजा भुगतने को तैयार'

सीएम गहलोत बोले- केंद्रीय मंत्री शेखावत की मर्जी से ही होता था सब कुछ

जोधपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर फिर हमला बोला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संजीवनी सोसायटी में जो भी होता था वो शेखावत की मर्जी से होता था। गहलोत मंगलवार को जोधपुर में मीडिया से बात कर रहे थे।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि केंद्रीय मंत्री ने उन पर मुकदमा किया है। ऐसे में अगर मुझ पर मामला दर्ज होने के बाद भी गरीब जनता को उनके हक का पैसा वापस मिलता है तो मैं सजा भुगतने के लिए तैयार हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीड़ितों के ऐसे कई मामले आए हैं, जहां उनकी बातों को सुनकर आंखों में आंसू आ जाते हैं। केंद्रीय मंत्री का इस पर कोई बयान नहीं आया है। उनको आगे बढ़कर जनता का पैसा दिलाना चाहिए। गहलोत ने केंद्रीय मंत्री को आड़े हाथ लेते हुए केंद्र सरकार की योजनाओं में प्रदेश को लाभ से वंचित रखने की

बात कही।

राज्य के विकास के लिए नए जिले

नए जिलों के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे-छोटे राज्यों के भी कई जिले हैं। राजस्थान में नए जिले बनाने की जरूरत काफी वक्त से थी। ऐसे में विकास की संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान को देश का नंबर एक प्रदेश बनाने के उद्देश्य से नए जिले बनाए गए हैं। बता दें मुख्यमंत्री गहलोत ने सोमवार से शुरू हुए राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो- 2023 का 11.15 बजे उद्घाटन किया। जहां उन्होंने एक्सपो में अवॉर्ड सौंपे। मुख्यमंत्री दोपहर 12.15 बजे एक्सपो विजिट कर निकल गए।

गजेंद्र सिंह ने कराया है सीएम के खिलाफ केस

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री गहलोत के खिलाफ मानहानि का दावा कर रखा है। शेखावत ने 4 मार्च को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचकर दावा पेश किया था। केंद्रीय मंत्री ने संजीवनी घोटाले में उनके परिवार के बारे में की गई बयानबाजी को केस का आधार बनाया।

मुख्यमंत्री गहलोत ने 21 फरवरी को सचिवालय में बजट की समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि संजीवनी घोटाले में गजेंद्र सिंह के मां-बाप, पत्नी सहित पूरा परिवार शामिल है। उन्होंने कहा था कि अफसोस है, ऐसे घपलेबाज को पीएम ने मंत्री बना रखा है। यह कैसे मंत्री रह सकता है?

क्या है संजीवनी घोटाला

राजस्थान सोसायटी एक्ट के तहत साल 2008 में संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी को रजिस्टर्ड कराया गया। बाड़मेर में शुरुआत हुई। साल 2010 में ये सोसायटी मल्टी स्टेट सोसायटी हो गई। 12 साल में ही 230 से ज्यादा शाखाएं खुल गईं।

इसके प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह मास्टरमाइंड है, जो जेल में बंद है। 1 लाख लोगों से 900 करोड़ की ठगी की गई। फर्जी लोन बांटे और ब्याज नहीं लिया। कुछ निवेशकों ने शिकायत की तो राजस्थान एसओजी को मामला सौंपा। हजारों खाते फर्जी पाए गए। आरोप है कि विक्रम ने निवेशकों का पैसा ऐसी कंपनी के शेयर खरीदने में लगाया, जिसके शेयर होल्डर गजेंद्र सिंह भी थे।

जयपुर में डॉक्टर्स पर लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन

डूंगरपुर मेडिकल के डॉक्टरों ने किया 2 घंटे कार्य बहिष्कार, मरीज हुए परेशान

डूंगरपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राइट टू हेल्थ के विरोध में जयपुर में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर्स पर लाठीचार्ज के विरोध डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टर ने कार्य बहिष्कार किया। डॉक्टर्स ने मंगलवार सुबह 2 घंटे का कार्य बहिष्कार किया और अस्पताल के सामने इकट्ठा होकर जमकर नारेबाजी की। इसके बाद अस्पताल से लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली और प्रदर्शन कर बिल का विरोध किया। इसके बाद कलेक्टर को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

आईएमए के डूंगरपुर जिलाध्यक्ष डॉ दलजीत यादव और सचिव डॉ गौरव यादव के नेतृत्व में डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर सुबह 9 बजे अस्पताल के सामने इकट्ठा हुए और कार्य बहिष्कार करते हुए डॉक्टर्स के विरोध में जमकर नारेबाजी की। डॉ. दलजीत यादव ने कहा कि डॉक्टर हमेशा ही मरीजों की सेवा और उनका इलाज करता रहा है, लेकिन

सरकार ने राइट टू हेल्थ बिल के माध्यम से प्रताड़ित करने का काम किया है। जयपुर में बिल का विरोध कर रहे डॉक्टरों को दबाने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया, जिसकी घोर निंदा करते हैं। विरोध प्रदर्शन के बाद डॉक्टरों ने अस्पताल से गांधी आश्रम होते हुए कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली।

डॉक्टरों के कार्य बहिष्कार से मरीज परेशान

सुबह 9 बजे जैसे ही डॉक्टर अस्पताल पहुंचे, वैसे ही बहिष्कार शुरू कर दिया। डॉक्टरों के बहिष्कार के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

ओपीडी में दिखाने आए मरीज डॉक्टर चैंबर में फर्श पर ही बैठ गए और डॉक्टरों के आने का इंतजार करते रहे। डॉक्टर के बहिष्कार का समय 11 बजे तक का समय था, लेकिन रैली और ज्ञापन देने के कारण 12 बज गए। ऐसे में मरीजों को 3 घंटे से ज्यादा समय तक इंतजार करना पड़ा। इस दौरान इमरजेंसी और ओटी सेवाएं चालू रखी गई थी।

पायलट बोले- जनता जवाब देगी मेरी रगड़ाई हुई कि नहीं

कहा- जादूगर तो नीली छतरी वाला, बाकी तो हाथ की सफाई है

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच जारी सियासी कोल्ड वॉर फिर तेज होने के आसार बन गए हैं। सचिन पायलट ने एक बार फिर 25 सितंबर को गहलोत खेमे के विधायकों के इस्तीफे देने और विधायक दल की बैठक के बहिष्कार करने के जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाए हैं।

दिल्ली में टीवी चैनल के कार्यक्रम के दौरान पायलट ने राजस्थान कांग्रेस की अंदरूनी उठापटक को लेकर CM अशोक गहलोत पर नाम लिए बिना खूब वार किए। पायलट ने गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा- मेरी रगड़ाई हुई कि नहीं यह जनता जवाब देगी। रगड़ाई नहीं हुई होती तो कौन वोट डालता? गहलोत के गद्दार और कोरोना कहने पर पायलट ने कहा- जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया उससे हर किसी को बुरा लगेगा, लेकिन मैंने न जवाब दिया और न आगे दूंगा क्योंकि इससे फायदा किसको है?

विधायक दल की बैठक क्यों नहीं हो पाई, लीडरशिप सोचे

राजस्थान में खुद के CM बनने के सवाल पर पायलट ने कहा- कौन कब किस पद पर बैठेगा यह हम जिस पार्टी में है वह पार्टी का निर्णय है। यह बात सही है कि पिछले साल सोनिया गांधी ने विधायक दल की बैठक करने के लिए पर्यवेक्षक जयपुर भेजे थे।

दुर्भाग्य से बैठक हो नहीं हो पाई। क्या कारण है कि वह बैठक नहीं हुई, वह मैं नहीं जाना चाहता। आज इतने महीनों के बाद वह विधायकों की बैठक नहीं हो पा रही। मुझे लगता है कांग्रेस अध्यक्ष और लीडरशिप को इस बात पर ध्यान देना चाहिए।

किसके दबाव से इस्तीफे दिए थे इसकी जांच हो

पार्टी से विद्रोह करने के आरापों पर सीएम नहीं बनाने के गहलोत खेमे के तर्क पर पायलट ने कहा- हमने कौन सा विद्रोह किया, हमने कभी क्या पार्टी की आलोचना की? अपने पदों से इस्तीफे दिए? लेकिन जब इतने लोग इस्तीफे दे रहे हैं, स्पीकर साहब हाईकोर्ट में कह रहे हैं कि मैंने इस्तीफे इसलिए स्वीकार नहीं किए क्योंकि वह स्वेच्छा से नहीं दिए गए थे। फिर किसकी इच्छा से दिए गए थे? विधायकों पर किसका क्या दबाव था, क्या प्रलोभन था, यह जांच का विषय है, पार्टी को इस पर जांच करनी चाहिए। पार्टी अनुशासन समिति के पास जाने के दिग्विजय सिंह के सुझाव पर पायलट ने कहा- अनुशासन समिति ने तीन नेताओं को 6 महीने पहले नोटिस दिए थे, अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। जो घटनाक्रम हुआ, पार्टी नेतृत्व को गलत माना था, उनको नोटिस जारी किए और नोटिस के जवाब भी आ गए, लेकिन इतने महीनों बाद उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो यह विचारणीय मामला है। राजनीति में कोई व्यक्तिगत अनबन नहीं होना चाहिए, सिद्धांतों की लड़ाई होती है।

मैं पद की राजनीति नहीं करता, पार्टी ने बहुत सारे पद दिए

पार्टी से अब उम्मीद के सवाल पर पायलट ने कहा- मैं पद की राजनीति करता नहीं। पहले मुझे पार्टी ने बहुत सारे पद दिए हैं ,पार्टी का हमेशा शुक्रगुजार रहता हूं कि मुझे मौका दिया। विधायक, सांसद, अध्यक्ष, मंत्री, उप मुख्यमंत्री बनाया, मौका देने में कोई कमी नहीं रही है। मैंने भी 20 साल में पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी, जितना मुझसे हो सका उससे ज्यादा हमने काम किया।

गहलोत के रगड़ाई नहीं होने वाले बयान के सवाल के जवाब में पायलट ने कहा- मेरी रगड़ाई हुई कि नहीं हुई यह जनता जवाब देगी। यह गलतफहमी नहीं पालनी चाहिए कि मरकर स्वर्ग पाया जाता है। मैं सोचूं कि पड़ोसी मर जाए और मुझे स्वर्ग मिल जाए तो ऐसा नहीं होता। अगर मेरी रगड़ाई नहीं हुई होती तो कौन किसको वोट डालता है।

पायलट ने कहा- राष्ट्रीय स्तर पर हम सब जानते हैं कि भाजपा को कोई चुनौती दे सकता है तो कांग्रेस पार्टी ही दे सकती है। पूरे देश में आज हर प्रदेश में हम सरकार में हो भले नहीं हों, लेकिन कांग्रेस वो पार्टी है जो भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती दे सकती है।

इंटरनेशनल एक्सपो का शुभारंभ, अरोड़ा बोले- राजस्थान के व्यापार को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाएगा एक्पो

जोधपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर में बोरानाड़ा स्थित एक्सपो ग्राउंड में तीन दिवसीय राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो का विधिवत एवं औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज करेंगे।

तीन दिवसीय राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो का शुभारंभ बोरानाड़ा स्थित एक्सपो ग्राउंड में हुआ। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) अध्यक्ष वैभव गहलोत और राजसिको चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने फीता काटकर एक्सपो का शुभारंभ किया। एक्सपो का विधिवत एवं औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंगलवार को करेंगे।

शुभारंभ अवसर पर रीको के स्वतंत्र निदेशक सुनील परिहार, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त महेंद्र कुमार पारख, संभागीय आयुक्त कैलाश चंद मीना, जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता उपस्थित रहे।

इसके उपरान्त वैभव गहलोत एवं राजीव अरोड़ा ने एक्सपो का विस्तृत अवलोकन करते हुए विभिन्न

स्टॉल्स को देखा तथा एक्सपो में भागीदारी निभाने वाले देशी-विदेशी प्रतिभागियों से चर्चा कर उनके स्टॉल्स पर प्रदर्शित सामग्री व उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर राजसिको एवं राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (आरईपीसी) के चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने बताया कि जोधपुर में आयोजित हो रहा यह इंटरनेशनल एक्सपो एक प्रयास है, जिससे जोधपुर को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने के साथ ही राजस्थान के व्यापार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि यह प्रयास और यह पहल प्रदेश के विकासशील मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा के अनुरूप है। उनका विज़न है कि कला और क्राफ्ट की नगरी जोधपुर को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार का एक्सपो लगाया जाए। इस वर्ष के इस आयोजन को देखते हुए हमारा प्रयास रहेगा की हर वर्ष इस प्रकार का एक्सपो यहां लगाया जाए।

उन्होंने उम्मीद जताई की इस एक्सपो से राजस्थान के निर्यातकों को एक बड़ा मंच मिलेगा, क्योंकि यहां एक ही स्थान पर देश-विदेश से व्यापारी आए हैं। लगभग 17 देशों के बायर्स इस एक्सपो में आये हैं और काफी सारे बायिंग एजेंट्स के यहां आने की अपेक्षा है। उन्होंने कहा की इस एक्सपो की ख्याति जब देश-विदेश में पहुंचेगी तो आगामी समय में जोधपुर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पटल पर अग्रणी क्षेत्रों में अपना मुकाम हासिल करेगा।

राइट टू हेल्थ बिल पर बहस, बीजेपी का हंगामा

बीजेपी विधायक बोले- मंत्री ने डॉक्टर्स को मिलने से मना किया, इससे शर्मनाक क्या

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राइट टू हेल्थ बिल को लेकर सड़क से लेकर विधानसभा तक में हंगामा मचा हुआ है। एक तरफ डॉक्टर्स से लेकर नर्सिंगकर्मी इस बिल को पास न करने के लिए विरोध में उतर गए है। उधर, मंगलवार को विधानसभा में इस बिल को लेकर बहस के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष में जमकर नोकझोंक हुई।

बिल पर बहस में उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के बोलने पर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने आपत्ति जताई। इसी मुद्दे पर बीजेपी और कांग्रेस

विधायकों के बीच नोकझोंक हुई।

शांति धारीवाल ने तर्क दिया कि प्रवर समिति का मेंबर बहस में भाग नहीं ले सकता, राठौड़ प्रवर समिति के मेंबर हैं। इस मुद्दे पर बीजेपी विधायकों ने हंगामा किया।

सभापति जेपी चंदेलिया ने दखल देकर हंगामा शांति करवाया। बिल पर बहस के दौरान बाद में बीजेपी विधायकों ने इसके कई प्रावधानों को बताते हुए इसे वापस लेने की मांग उठाई।

इधर, स्वास्थ्य मंत्री के डॉक्टर्स से नहीं मिलने पर भी बीजेपी विधायकों ने सवाल उठाए। वे बोले- जिन्होंने जिंदगी दांव पर लगा दी थी, उनसे मिल भी नहीं रहे हैं, इससे शर्मनाक क्या होगी।

शांति धारीवाल ने कहा- 1998 में राजस्व से जुड़ी एक प्रवर समिति को लेकर उपाध्यक्ष ने व्यवस्था दी थी कि जिस विधायक ने प्रवर समिति में विरोध दर्ज कराया हो वह प्रवर समिति का मेंबर बिल पर बहस में नहीं बोल सकता। ऐसे में राजेंद्र राठौड़ जो राइट टू हेल्थ बिल की प्रवर समिति के मेंबर थे वह बहस में नहीं बोल सकते हैं।

इस पर सभापति जेपी चंदेलिया ने कहा की प्रवर समिति में जिस मेंबर ने अगर डिसेंट नोट दिया है तो वह डिसेंट नोट पर बोल सकता है। इस पर निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि राजेंद्र राठौड़ डिसेंट नोट से बाहर की बात बोल रहे हैं।

पति, 4 बच्चों का गला काटने वाली महिला-प्रेमी को उम्रकैद

कोर्ट में साइन करते हाथ कांप रहे थे, पूरे परिवार के गले काट दिए थे

अलवर, 21 मार्च (एजेंसियां)। अलवर शहर शिवाजी पार्क में 6 साल पहले हुए खौफनाक हत्याकांड में मंगलवार को फैसला आ गया है। मामले में अपर जिला और सेशन कोर्ट-2 ने महिला और उसके प्रेमी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे पहले सोमवार को इन पर आरोप साबित हो गए थे। लेकिन, सजा पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था।

दरअसल, 2 अक्टूबर 2017 को महिला आरोपी और ताइक्वांडो कोच संतोष उर्फ संध्या शर्मा ने अपने प्रेमी हनुमान के साथ मिलकर अपने पति, 3 बेटे और भतीजे की हत्या करवा दी थी। इस हत्याकांड में हनुमान ने अपने दो साथी कपिल और दीपक के साथ मिलकर संतोष के सामने ही सभी के गले काट दिए थे।

वकील सुनील कुमार ने बताया कि हनुमान और संतोष को आजीवन कारावास हुई है। हमारे द्वारा फांसी की सजा की दलील रखी गई थी, क्योंकि ये रेयरेस्ट केस में आता है। हम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं। हम हाईकोर्ट में अपील करेंगे और आरोपियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी। जैसा हत्याकांड था उसके अनुसार फैसला नहीं

जांच अधिकारी विनोद सांवरिया ने फैसले के बाद कहा इस ब्लाइंड मर्डर में काफी मेहनत से काम किया और इसका खुलासा किया था। जैसा हत्याकांड था उसके अनुसार फैसला नहीं है। आरोपियों को सजा-ए-मौत होनी थी।

मीडियाकर्मियों ने महिला से सवाल पूछा- क्या आपको अफसोस है, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद जब पूछा गया कि आप इस केस में कुछ बोलना चाहते हैं तो साथ में मौजूद पुलिसकर्मी उसे कोर्ट में ले गए। सजा सुनाने के बाद दोनों के चेहरों पर कोई शिकन नहीं थी।

आरोपी पक्ष के वकील हेमराज गुप्ता ने बताया कि जिरह में इस बात को माना गया कि तीन कत्ल के लिए हनुमान को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। जब जांच अधिकारी ने यह माना है कि पांच मरे हैं। तीन मृतकों के लिए दूसरे आरोपी के लिए ट्रायल फेस करने को कहा गया। बहुत सारी कमी है। जिनको नजरअंदाज किया गया है।

फैक्ट्री में आग, लाखों का नुकसान

ऑयल की पाइप में लीकेज से लगी आग, बुझाने में लग गए दो घंटे

पाली, 21 मार्च (एजेंसियां)। पाली में मंगलवार को एक फेक्ट्री में ऑयल पाइप लीकेज होने से अचानक आग लग गई। जिससे अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से लाखों का नुकसान होना बताया जा रहा है। दरअसल घटना मंगलवार सुबह करीब 11 बजे पाली शहर के पुनायता औद्योगिक

क्षेत्र में विमल सालेचा की फेक्ट्री श्री पदमावती फेब टेक्स में ऑयल पाइप लाइन में लीकेज से आग लग गई। जिससे फेक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। जब तक आग पर काबू पाते आग से फेक्ट्री की 3 फेल्ड मशीन, 1 फर्मा टेक्स मशीन, करीब दो हजार कपड़े के थान, 25 कपड़े की गांठे और सोलर पैनल जल गया।

आग बुझाने चार दमकलें पहुंची। आग बुझाने में दो घंटे से ज्यादा का समय लगा। आग की घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर भीड़ लग गई।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत: ट्रैक्टर-ट्रॉली से कार की टक्कर, एक युवक घायल

अनूपगढ, 21 मार्च (एजेंसियां)। ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार की टक्कर में दो दोस्तों की मौत हो गई। दोनों के साथ कार में एक युवक भी था। वह घायल हो गया। तीनों होटल में खाना खाने जा रहे थे। हादसे की खबर लगते ही परिवार में कोहराम मच गया। हादसा श्रीगंगानगर जिले का है। अनूपगढ़ पुलिस थाने के हेड कॉन्स्टेबल गुरमेल सिंह ने बताया कि हादसे में सीताराम (22) पुत्र मेघराज और उसके दोस्त सुल्तान सिंह(26) पुत्र दर्शन सिंह निवासी दो जेएसएम की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को शव परिवार को सौंपे गए।

मामले में सीताराम के ताऊ मोमन राम पुत्र दौलतराम निवासी दो जेएसएम,तहसील घड़साना ने मामला दर्ज करवाया है। ताऊ ने बताया कि भतीजा सीताराम अपने दोस्त सुल्तान सिंह के साथ सोमवार देर रात गांव पतरोडा से अनूपगढ़ कार से किसी काम से जा रहा था। कार में दोनों दोस्तों के साथ राजेंद्र

कुमार निवासी पतरोडा भी सवार था वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

कार का बैलेंस बिगड़ने पर गांव पतरोड़ा के पास स्थित नहर के पुल पर रात साढ़े 10 बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे से टकरा गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मौके से फरार हो गया। घायल युवक कोडॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया है। हादसे की खबर मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

परिवार के लोगों ने बताया कि सीताराम और सुल्तान शराब के ठेके पर काम करते थे। सुल्तान पतरोडा में स्थित शराब के ठेके पर काम करता था। वहीं सीताराम खरबारा में स्थित शराब के ठेके पर काम करता था। घायल राजेंद्र पुरानी गाड़ियों को खरीदने-बेचने का काम करता था। सीतराम रात को सुल्तान से मिलने के लिए पतरोड़ा पहुंचा। इसके बाद वे अपने दोस्त राजेंद्र के साथ कार में सवार होकर 6 पी होटल पर खाना खाने जा रहे थे। सुल्तान घर में अकेला कमाने वाले था। परिवार में उसकी मां और 5 बहनें है। जिनमें सुल्तान सबसे बड़ा भाई है। पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके उपर थी।

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति ने की बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना ने दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए अपनी 36वीं तिमाही समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में तेलंगाना के कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी, के. रामकृष्ण राव आईएएस, विशेष मुख्य सचिव (वित्त), रोनाल्ड रोज़ आईएएस, सचिव (वित्त), तेलंगाना सरकार, एम. रघुनंदन राव आईएएस, सचिव (कृषि) और एपीसी, तेलंगाना सरकार, अमित झिंगरन, मुख्य महाप्रबंधक एसबीआई और अध्यक्ष-एसएलबीसी, देबाशीष मित्रा, महाप्रबंधक एसबीआई और संयोजक-एसएलबीसी, डॉ. वाई. हरगोपाल, महाप्रबंधक, नाबार्ड, केएस चक्रवर्ती, उप महाप्रबंधक, आरबीआई उपस्थित रहे। एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक और एसएलबीसी के अध्यक्ष श्री अमित झिंगरान ने चालू वित्त वर्ष के दौरान दिसंबर 2022 तक तेलंगाना में बैंकों के प्रदर्शन प्रस्तुत किया। उन्होंने बतया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान बैंकों की कुल जमा राशि में 15105 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है और कुल जमा राशि 647,630 करोड़ रुपये है। चालू वित्त वर्ष के दौरान बैंकों के पास कुल अग्रिमों में 37,380 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है और सभी बैंकों के अग्रिम 769,713 करोड़ रुपये हैं। सीडी अनुपात 100 प्रतिशत से ऊपर बना हुआ है और मार्च 2022 की तुलना में 115.787 से बढ़कर 118.857 हो गया है। कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने कहा कि दूध की मांग राज्य के भीतर से पूरी नहीं की जा सकती है और इसे अन्य राज्यों से खरीदा जाता है। उन्होंने बैंकों से डेयरी और डेयरी उत्पादों में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डेयरी फार्मिंग को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया। के. रामकृष्ण राव आईएएस, विशेष मुख्य सचिव (वित्त) ने बैंकों को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण के तहत उपलब्धियों के लिए बधाई दी और बैंकों से लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों को जारी रखने का आग्रह किया। एम रघुनंदन राव आईएएस, सचिव (कृषि), रोनाल्ड रोज आईएएस, सचिव (वित्त), डॉ वाई हरगोपाल, महाप्रबंधक नाबार्ड और श्री के एस चक्रवर्ती, डीजीएम आरबीआई ने इस अवसर पर बात की। देवाशीष मित्रा, महाप्रबंधक, एसबीआई और संयोजक एसएलबीसी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

वनपर्ती का किशोर लक्ष्मी पुष्करिणी में डूबा

यदाद्री-भोंगिर, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री पहाड़ी मंदिर के पास मंगलवार सुबह लक्ष्मी पुष्करिणी (मंदिर के तालाब) में एक 16 वर्षीय लड़का डूब गया। पीड़िता वनपर्ती जिले के अत्मकूर मंडल के अमरचिंतला की रहने वाली थी। बताया जा रहा है कि सोमवार की शाम वह अपनी मां के साथ यादगिरीगुट्टा आया था।

वह मंगलवार की सुबह नहाने के लिए लक्ष्मी पुष्करिणी गया और कथित तौर पर उसे दौरे पड़ने लगे, जिसके बाद वह डूब गया। आगे के ब्योरे की प्रतीक्षा है। मई 2022 में, हैदराबाद की एक 15 वर्षीय लड़की लक्ष्मी पुष्करिणी में डूब गई, जबकि एक 19 वर्षीय युवक भी पिछले साल सितंबर में तालाब में डूब गया। घटनाओं की एक श्रृंखला के साथ, मंदिर के अधिकारियों ने सुरक्षा उपाय करने के लिए पुष्करिणी के स्नान घाटों के द्वार बंद कर दिए हैं।

आरबीआई द्वारा नगरीय सहकारी बैंकों पर सुधारात्मक कार्यवाही : देबब्रत दास

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश को-आपरेटीव अर्बन बैंक्स एवम्क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन लिमिटेड द्वारा अपने सदस्य बैंकों के प्रतिनिधियों के लिये नगरीय सहकारी बैंको के लिये पर्यवेक्षीकार्यवाही, निर्दिष्टमान दन्ड एवं दिशा निर्देश के उल्लंघन पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सुधारात्मक कदम उठाने पर विस्तृत जानकारी हेतु एक विचार गोष्ठी का आयोजन स्नातक भवन में किया गया। विचार गोष्ठी की शुरुआत में फेडरेशन के अनुरोध पर सदस्यों को मार्गदर्शन देने के लिये पधारे भारतीय रिजर्व बैंक के पर्यवेक्षी विभाग के उपमहाप्रबन्धक देबब्रत दास के साथ उपस्थित सदस्यों का स्वागत फेडरेशन के चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने किया। देबब्रत दास के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित करते समय फेडरेशन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, महामंत्री संगम रामकृष्णा, उपाध्यक्ष सीएच कृष्णामूर्ति, बी. बद्रीनारायण, एम नरसिम्हा रेड्डी, संयुक्त मंत्री भी उपस्थित रहे । भारतीय रिजर्व बैंक के पर्यवेक्षी विभाग के उप महाप्रबन्धक देबब्रत दास ने बताया कि सहकारी बैंकों की वित्तीय मजबूती दर्शाने के लिये पर्यवेक्षी ढाँचा कितना महत्वपूर्ण है। सहकारी बैंकों की कमजोर संचालन व्यवस्था व वित्तीय कमजोरी पर भारतीय रिजर्व बैंक इन पर सुधारात्मक प्रतिबन्ध लगाने के लिये अधिकृत है।

एनएमडीसी मुख्यालय में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, हैदराबाद में मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्मिकों के लिए एक दिवसीय विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उन्हें हिंदी कार्यशाला के आयोजन, उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में सारगर्भित जानकारी देते हुए कहा कि इस वित्त वर्ष की यह पांचवीं कार्यशाला है। हमने निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़कर उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष उच्चाधिकारियों के लिए एक विशेष कार्यशाला एवं अननुसचिवीय कार्मिकों के लिए एक पृथक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि के. प्रवीण कुमार, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं विधि) ने अपने संबोधन में एनएमडीसी में राजभाषा कार्यान्वयन की सराहनीय स्थिति और राजभाषा विभाग के अथक प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमें नित-नूतन प्रयास करते हुए हिंदी के कार्यक्रमों में प्रतिभागिता को बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित के. मोहन, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) ने भी हिंदी कार्यशाला के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को इस अवसर पर पूरा उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने इस वर्ष एनएमडीसी द्वारा राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु किए गए कार्यक्रमों पर भी चर्चा की। भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना से इस माह के अंत में सेवानिवृत्त हो रहे मो. कमालुद्दीन, सहायक निदेशक को कार्यक्रम के दौरान मंचासीन विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात कार्यशाला के प्रथम सत्र में मो. कमालुद्दीन, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद ने हिंदी शब्दावली, टिप्पण एवं आलेखन पर व्याख्यान दिया एवं अभ्यास कराया। द्वितीय सत्र के संकाय सदस्य रिजवान पाशा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एचपीसीएल ने ई-टूल्स के माध्यम से राजभाषा प्रयोग में वृद्धि एवं राजभाषा के प्रचार-प्रसार में सकारात्मक मानसिकता पर चर्चा की। कार्यशाला का समापन प्रश्नोत्तर एवं सामूहिक चर्चा सत्र के साथ हुआ। कार्यशाला का समन्वयन राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, सहायक प्रबंधक (सचि.) एवं सुश्री के. सौम्या, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया। कार्यशाला में मुख्यालय के विभिन्न विभागों तथा पालोंचा परियोजना एवं क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली के कार्मिकों ने भाग लिया।

सुंदरकांड पाठ का संगीतमय सामूहिक पाठ आयोजित

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुंदेली कान्यकुब्ज समाज के तत्वावधान में श्रीराम मंदिर मठ, संगम, बापुघाट, लंगरहौज में श्रीराम परिवार दुंडिगल के सहयोग से सुंदरकांड पाठ का संगीतमय सामूहिक पाठ का आयोजन किया गया। श्रीराम मंदिर मठ के महंत श्री राहुल दास जी महाराज द्वारा श्रीराम परिवार के सदस्य रविकांत तिवारी का सम्मान किया गया। तदुपरांत भगवान के संग-होली के रंग फाग महोत्सव कार्यक्रम में नगरद्वय स्थित प्रतिष्ठित फाग मंडलियां गोशामहल फाग मंडली, दूधबाऊली शीतला माता फाग मंडली, चारमहल रामायण एवं फाग मंडल, श्री बुध सिंह पंच बैठक फाग मंडली धूलपेट, सरस्वती बाई भजन व महिला फाग मंडली काली मंदिर द्वारा भक्ति, उल्लास और उत्साह भरे वातावरण में प्रस्तुत अनेक भजनों और फाग गीतों के भक्तिमय वातावरण में और पुष्प और गुलाल की वर्षा से उपस्थित सभी सदस्य आनंदित हुए। कार्यक्रम में नगरद्वय के विभिन्न प्रांतों से अधिक संख्या में लोग उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में श्रीराम मंदिर मठ, संगम के महंत आदरणीय श्री राहुल दास जी महराज की उपस्थिति से कार्यक्रम की भव्यता और गरिमा और भी बढ़ गई।

सभी फाग मंडलियों के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान बाला प्रसाद तिवारी, जयशंकर प्रसाद तिवारी, अनूप कुमार दुबे, डॉ परीक्षित दुबे, दुर्गा प्रसाद मिश्रा, श्रीमती शोभा पांडे, श्रीमती विजय लक्ष्मी शुक्ला, श्रीमती शोभा दुबे, श्रीमती अरुणा दुबे, और श्रीमती किरण तिवारी आदि द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी गोपाल बल्दवा का सम्मान शाल व पुष्पगुच्छ से किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में जयशंकर प्रसाद तिवारी, श्रीमती मीना तिवारी, श्रीमती किरण तिवारी, श्रीमती अरुणा दुबे, डॉ विजय कुमार शुक्ला, श्रीमती मीना पांडे, श्रीमती दुर्गा ठाकुर, श्रीमती कमला दुबे, श्रीमती मधु अवस्थी, श्रीमती सुनीता तिवारी, श्री राजेंद्र प्रसाद तिवारी, श्रीमती पवन रेखा आदि का विशेष सहयोग रहा।

जीएचएमसी क्षेत्र के लिए होगी 1540 आशा कार्यकर्ताओं की भर्ती

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के तहत क्षेत्रों के लिए 1,540 मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) को संलग्न करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को अनुमति दे दी है। ब्रेक-अप में हैदराबाद के लिए 323 फील्ड लेवल कार्यकर्ता, मेडचल-मलकजगिरी के लिए 974 और रंगारेड्डी जिले के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के लिए 243 शामिल हैं।

21 मार्च, 2023 के एक सरकारी आदेश (जीओ आरटी नंबर 163) में कहा गया है कि आशा कार्यकर्ताओं की भर्ती जिला चयन समिति (डीएससी) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्त, तेलंगाना पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगी।

अमावस्या पर अशोक फाउंडेशन द्वारा भंडारा चौक रिकाबगंज में भण्डारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भाग लेते हुए अशोक फाउंडेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, श्रीनिवास, राजकमल भट्टड़, सुनील, राजू व अन्य कार्यकर्त्ता।

अग्र महिला मंच तेलंगाना द्वारा ईसर गौरा उत्सव धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच का ईसर गौरा उत्सव मनाया गया। आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ आमंत्रित मुख्य अतिथि श्रीमती लीला राठी, प्रसिद्ध योगा प्रशिक्षक आर्ट ऑफ लिविंग, एवं श्रीमती डॉ.दुर्गेश नंदिनी अध्यापिका द्वारा किया गया। मंच के पदाधिकारियों द्वारा महाराज श्री अग्रसेन जी को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। अध्यक्षा दीपा गर्ग द्वारा स्वागत संबोधन से उपस्थित सभी महिलाओं का स्वागत एवं इसी क्रम में मुख्य अतिथियो का पुष्पों की बौछार से एवम् चुनरी, मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। सरला अग्रवाल ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। मंत्राणी अंजू गोयल व अंजू पित्ती ने लकी अंकों का गेम खिलाया। इसमें विजेता कौशल्या सोनी और प्रेमलता गोयल को पुरस्कृत किया गया प्रसिद्ध घूमर नृत्य में विजेता कौशल्या सोनी प्रथम, रश्मि अग्रवाल द्वितीय, अंजू पित्ती तृतीय, व अन्य अर्चना अग्रवाल, सुमन गर्ग को भी पुरस्कृत किया गया इन सभी पुरस्कारों के प्रायोजक दीपा गर्ग, अंजू गोयल, मंजू केजरीवाल की ओर से प्रदान किए गए। इसी क्रम में सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा का पुरस्कार अमिता बगेडिया ईसरजी व सरला मित्तल गोराजी को पुरस्कृत किया गया।

आकर्षक तंबोला दीपा गर्ग, प्रभावती अग्रवाल द्वारा खिलाया गया, सपना अग्रवाल ने हाल में सुंदर सजावट का कार्यभार संभाला।

अमावस्या पर श्री गोपाल गौशाला में गौ सेवा करते भक्तगण।

श्रीराम नवमी शोभायात्रा की तैयारी के मद्देनजर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ शोभायात्रा मार्ग का निरीक्षण करते हुए विधायक टी. राजा सिंह, पार्षद राकेश जायसवाल, शशिकला व अन्य।

हिन्दी महाविद्यालय की सेवाएँ सराहनीय : एस्की

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित एकाडमिक स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एस्की) द्वारा ख्याति प्राप्त चुनिंदा डिग्री महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं उप-प्राचार्यों का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हिन्दी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल एवं उप-प्राचार्य श्रीमती अश्विनी संपूरकर ने हिन्दी महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम में हिन्दी महाविद्यालय, लिटिल फ्लावर डिग्री कॉलेज, प्रगति महाविद्यालय डिग्री कॉलेज, सेटमेरी डिग्री कॉलेज विज्ञान जयोति डिग्री कॉलेज आदि के प्रधनाचार्य एवं उप-प्रचार्यों को आमंत्रित किया गया। इसमें हिन्दी महाविद्यालय की सेवाओं की सराहना की गई। कार्यक्रम का आयोजन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकादमिक स्टॉफ कॉलेज के सी.एम.एस. डॉ. कनक राय ने की। इस कार्यक्रम में इमोश्नल इटिलिजेंस एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर डॉ. रवि दासरी, वी.पी. एवं हेड़ एचआर, जेस्पर इंडस्ट्रीस ने व्याख्यान दिया। इसके पश्चात कार्पोरेट पार्टनरशिप विषय पर प्रो. वेंकट के ईयनी ने अपने विचार प्रस्तुत किए एवं न्यू एज टेक्नॉलोनिक विषय पर डॉ. कनक राय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। हिन्दी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज के छात्र कक्षा से ज्यादा सोशल मीडिया की आकर्षित हो रहे है। इस अवसर पर हिन्दी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल एवं उप-प्राचार्य श्रीमती अश्विनी संपूरकर को भी सम्मानित किया गया।

अमावस्या पर किया गया अन्नदान कार्यक्रम

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी परिषद के वार्ड नं 1 के अंतर्गत बापूजीनगर में श्री देवी नल्ला पोचम्मा मंदिर, संजीवय्या कॉलोनी देवी पोचम्मा शिवलिंगेश्वर मंदिर, कट्टा मैसम्मा मंदिरों में अमावस्या के उपलक्ष्य में मंदिर समिति के तत्वावधान में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप मुख्य अतिथि थे और उन्होंने अन्नदान कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सभी दानों में अन्नदान सबसे बड़ा दान है। उन्होंने कहा कि मंदिरों को उनका समर्थन रहेगा। इस कार्यक्रम में मधुसूदन, रेवंत, वेंकट रेड्डी, प्रेम कुमार, नरसिम्हा, श्रीकांत, नंदकिशोर, अजय मुदिराज, अरेपल्ली परशुराम गौड़, रामू गौड़, शशि गौड़, अनिल गौड़, गोवर्धन रेड्डी, अशोक रामाराव आदि उपस्थित रहे।

चैत्र अमावस्या पर विश्व मंगल गौशाला में विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चैत्र अमावस्या पर विश्व मंगल गौशाला, सोमाराम विलेज, मेडचल के प्रांगण में भारी मात्रा में गौ भक्त पधारे तथा तन मन धन से सेवा प्रदान की। इस अवसर पर सभी उपस्थित गोभक्तो ने हरी कीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विष्णा राम सुथार द्वारा हरी भजन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत भोजन प्रशादी के लाभार्थी मारवाड़ी युवा मंच, गंडी मैसम्मा और केसाराम सीरवी, मुलाराम पंवार, रतनलाल मालवी, भरत भाई, सुरेश बसपा, मंगल जी मूलेवा, पूराराम, शिवदाम इशराम, भगवानजी नैन, नारायण राम सुथार, मोतीराम, सज्जन सीरवी, धर्मा राम, अमरनाथ, नेमाराम, दलपत सिंह, परभूराम, परवेश शर्मा तथा छत्तीस कौम गौभक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी उपस्थित गोभक्तो का गौशाला मुख्य सचिव शांति लाल सुथार द्वारा धन्यवाद परकट किया गया।

सांचौर जिला बनने पर विश्नोई समाज में खुशी की लहर

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्नोई युवा संगठन सांचौरी मालानी प्रवासी बन्धुओं ने विशेष आम मीटिंग आयोजितकर राजस्थान में सांचौर को जिला बनाने पर पंचायत समिति सदस्य राजुराम जाणी, युवा नेता रमेशकुमार ढाका, गणपत खोखर, राजुराम खिलेरी, धोलाराम बागड़वा, जालाराम ढाका, आसुराम सियाक, कमलेश कड़वासरा, सुरेश खिलेरी, शंकर जागु, श्रवण खिलेरी, मनोहर खिलेरी, चुतराराम पुनिया, गंगाराम खिचड़, मोहन जाणी, छोगाराम जागु, किशन गोदारा, मोहन खिलेरी, गोपी सियाक, मुकेश कड़वासरा, राजुराम सियाक, रमेश खिलेरी, भंवर पंवार एवं समस्त युवा संघठन ने मुख्यमंत्री अशोक गेहलोत, मंत्री सुखराम विश्नोई के प्रति आभार प्रकटकर शुभकामनाएं दीं।

डॉ. लोहिया की जयंती और शहीदी दिवस पर होगी संगोष्ठी

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लोहिया विचार मंच और सेंटर फॉर सोशल डायलॉग, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की 113वीं जयंती और भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव की शहादत दिवस पर श्रीकष्णदेव आर्य भाषा निलयम, सुल्तान बाजार में 23 मार्च, गुरूवार को शाम पांच बजे एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी लोहिया विचार मंच, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश टी. गोपाल सिंह ने दी।

संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस वामन राव डॉ. लोहिया -जीवन और दर्शन विषय पर व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्ता श्रीमती जया विंध्याला करेंगी। विशिष्ट वक्ता के रूप में गांधीवादी अध्येता डॉ. ए. रघुकुमार अपना वक्तव्य देंगे। अन्य प्रमुख वक्ताओं में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुभद्रा रेड्डी, एडवोकेट दामोदर रेड्डी एवं श्री ए. नारायणा शामिल रहेंगे। धन्यवाद ज्ञापन लोहिया विचार मंच के संयोजक एडवोकेट दामोदर रेड्डी करेंगे।

मुंबई ने 4 विकेट से जीता आखिरी मैच

डब्ल्यूपीएल फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया, अगले मुकाबले से तय होगा पहला फाइनलिस्ट

मुंबई, 21 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने विमेंस प्रीमियर लीग में अपना आखिरी लीग मैच आसानी से जीत लिया है। टीम ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हराया। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में मिली इस जीत से MI ने लीग के पहले सीजन के फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। टीम ने छठी जीत दर्ज की है। पॉइंट टेबल में टीम के खाते में कुल 8 मुकाबलों के बाद 12 अंक हैं।

मंगलवार को मुंबई ने टॉस जीता और बेंगलुरु को बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। बेंगलुरु ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 125 रन बनाए। जवाब में मुंबई की बल्लेबाजों ने 126 रनों का टारगेट 16.3 ओवर में छह विकेट खोकर हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमीलिया केर ने दोहरा प्रदर्शन किया। केर ने पहले तो बेंगलुरु को तीन विकेट दिए। फिर अहम मौके पर 31 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

दिल्ली-यूपी मैच से तय होगा पहला फाइनलिस्ट

लीग का पहला फाइनलिस्ट दिल्ली और यूपी मैच से तय होगा, जो ब्रेबोर्न स्टेडियम में थोड़ी देर में खेला जाएगा। वर्तमान में मुंबई पॉइंट टेबल के टॉप पर है। उसके 12 अंक हैं, जबकि दिल्ली 10 अंकों के साथ उसका पीछा कर रही है। यदि दिल्ली यह मैच जीत लेती है, तो बेहतर रन रेट के आधार पर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगी और यदि दिल्ली की टीम हार जाएगी, तो मुंबई लीग की पहली फाइनलिस्ट बन जाएगी।

बता दें कि लीग मैचों के बाद पॉइंट टेबल के टॉप पर रहने वाली टीम सीधा फाइनल में प्रवेश करेगी, जबकि दूसरे और तीसरे नंबर की टीम के बीच 24 मार्च को डीवाई पाटिल स्टेडियम में एलिमिनेटर खेला जाएगा।

ऐसे गिरे मुंबई के विकेट...

पहलाः छठे ओवर की आखिरी बॉल पर श्रेयांका पाटिल ने यास्तिका भाटिया को कप्तान स्मृति मंधाना के हाथों कैच कराया। दूसराः 8वें ओवर की पहली बॉल पर मीगन शट ने हेली मैथ्यूज को मेघना के हाथों कैच कराया। तीसरा : नौवें ओवर की चौथी बॉल पर रिचा घोष ने ब्रंट को स्टंपिंग कर दिया। यह विकेट आशा ने लिया। चौथा : एलिस पेरी ने दसवें ओवर की पहली बॉल पर कप्तान हरमनप्रीत कौर को बोल्ड कर दिया। पांचवां : 16वें ओवर की 5वीं बॉल पर पूजा वस्त्राकर कनिका आहूजा की बॉल पर मंधाना को कैच दे बैठीं। छठाः इजाबेल वॉन्ग को कनिका आहूजा ने 16वें ओवर की छठी बॉल पर मंधाना के हाथों कैच कराया।

पावर प्ले में मैथ्यूज-भाटिया की अर्धशतकीय साझेदारी

टारगेट का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस के लिए हेली मैथ्यूज और यास्तिका भाटिया ने पहले विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। यह साझेदारी यास्तिका भाटिया के आउट होने से टूटी। यास्तिका 26 गेंदों पर 30 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने चार चौके भी लगाए।

यहां से बेंगलुरु की पारी...

डीवाई पाटिल स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 125 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष और एलिस पेरी ने सबसे ज्यादा 29-29 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 24 रन की पारी खेली।

मुंबई इंडियंस की ओर से अमीलिया केर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। नेटली सीवर ब्रंट और इजाबेल वॉन्ग को दो-दो विकेट मिले।

ऐसे गिरे बेंगलुरु के विकेट...

पहला : पहले ओवर में सोफी डिवाइन रन आउट हो गईं। दूसरा : 7वें ओवर की चौथी बॉल पर अमीलिया केर ने यास्तिका भाटिया के हाथों कैच कराया। तीसरा : 11वें ओवर की आखिरी बॉल पर अमीलिया केर ने हीथर नाइट को वॉन्ग के हाथों कैच कराया। चौथा : कनिका आहूजा को अमीलिया केर की बॉल पर यास्तिका भाटिया ने स्टंपिंग किया। पांचवां : एलिस पेरी को नेटली सीवर ब्रंट ने एलबीडब्ल्यू कर दिया।छठा : श्रेयांका पाटिल को नेटली सीवर ब्रंट ने बोल्ड कर दिया। सातवां : मीगन शट को साइका इशाक ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। आठवां : रिचा घोष को वॉन्ग ने अमीलिया केर के हाथों कैच कराया। नौवां : दिशा कसत को वॉन्ग ने आखिरी ओवर की अंतिम बॉल पर बोल्ड किया। मुंबई का प्रदर्शन शानदार रहा है। अब तक खेले गए साथ मुकाबलों में मुंबई क्लो 5 में जीत और 2 में ही हार मिली है। पिछले दो मुकाबलों में उसे दिल्ली और यूपी ने हराया है। मुंबई नहीं चाहेगी की वें अपनी सिलसिलका जारी रखे। हरमनप्रीत की टीम में बैलेंस है। सभी विदेशी प्लेयर्स वर्ल्ड क्लास हैं। इनमें अमीलिया केर, नेटली सीवर और हीथर ग्राहम किसी भी गेम को चेंज कर सकती हैं।

विजडन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप इलेवन टीम

भारत से जडेजा, पंत और बुमराह को जगह; पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड से कोई खिलाड़ी नहीं

खेल डेस्क, 21 मार्च (एजेंसियां)। विजडन ने 2021-2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की टीम जारी की है। विजडन ने 2021-2023 में हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में परफॉरमेंस के आधार पर 11 खिलाडी चुने गए। इस बार भारत के टॉप प्लेयर्स टॉप प्लेयर्स विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल को इसमें जगह नहीं मिली। जबकि, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत टीम में चुने गए है। पंत बतौर विकेटकीपर टीम में हैं।

दूसरी ओर पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से किसी भी खिलाडी को नहीं चुना गया। 5 देशों के खिलाड़ियों से टीम बनी।

भारत के बिग 3 को जगह नहीं

भारत के टॉप बल्लेबाज रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली को टीम में जगह नहीं मिली है। रोहित शर्मा ने पूरे सीजन में 10 मैच खेले और 700 रन बनाए। वहीं विराट ने इस सीजन 16 मैच में 869 रन बनाए। रोहित की औसत 43.75 रहीं। वहीं, कोहली ने 32.18 की औसत से रन बनाए हैं। राहुल ने 11 मैच में 30.28 की औसत से 636 रन स्कोर किए।

ऑस्ट्रेलिया से सबसे ज्यादा खिलाडी

ऑस्ट्रेलिया से सबसे ज्यादा खिलाडी लिए गए है। इसमें ओपनर उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, फ़ास्ट बॉलर पैट कमिंस और स्पिनर नाथन लायन शामिल हैं। इसके अलावा श्रीलंका से दो बल्लेबाज, दिमुथ करुणारत्ने और दिनेश चांदीमल को टीम में जगह मिली। साउथ अफ्रीका से कागिसो रबाड़ा और इंग्लैंड से जॉनी बेयरस्टो का नाम टीम में आया।

बाबर आजम का प्रदर्शन अच्छा पर टीम में जगह नहीं

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का सीजन में प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने पूरे सीजन में 14 मैच खेले और 61.08 की औसत से 1,527 रन स्कोर किए। उनकी जगह नंबर 3 पर ऑस्ट्रेलिया के लबुशेन को लिया गया। लाबुशेन ने 19 मैच में 53.89 की औसत से 1,509 रन बनाए।

हिमाचल में दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनेगा

बर्फीली वादियों में 10235 फीट की ऊंचाई पर चौके-छक्के लगेंगे, 6 महीने बंद रहती इलाके की सड़क

खेल डेस्क, 21 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट का रोमांच और क्रिकेट प्रेमियों का जुनून अब जल्द ही मैदानों से ऊपर उठकर पहाड़ों की वादियों में देखने को मिलेगा, क्योंकि बर्फीली वादियों के बीच दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी चल रही है।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति के सिस्सू में समुद्र तल से 10235 फीट की ऊंचाई पर विश्व के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण होगा। यह स्टेडियन सिस्सू हेलिपैड के पास बनेगा। एमएलए रवि ठाकुर ने यह जानकारी दी।

सबसे ऊंचे स्टेडियम का एक रिकॉर्ड पहले से हिमाचल के पास

उन्होंने बताया कि अभी दुनिया में सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम होने का रिकॉर्ड हिमाचल के चायल क्रिकेट स्टेडियम के नाम है। इसे 1891 में पटियाला के महाराजा भूपेंद्र सिंह ने 7500 फीट की ऊंचाई पर बनवाया था।

लाहौल स्पीति के सिस्सू में स्टेडियम बनने के बाद अगर इसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिलती है तो यहां बाहर से आने वाले खिलाड़ी हेलिकॉप्टर से पहुंचेंगे। दुर्गम क्षेत्र होने के चलते यहां सड़क मार्ग से पहुंचना आसान नहीं है।

6 महीने बर्फ से लकदक रहती हैं सिस्सू की पहाड़ियां

विधायक ने बताया कि सिस्सू में हेलिपैड होने के चलते खिलाड़ी हेलिकॉप्टर से यहां ताक आसानी से पहुंच जाएंगे, लेकिन 6 माह तक बर्फ की कैद में रहने वाले इस क्षेत्र में मैच करवाना भी किसी चुनौती से कम नहीं है।

हिमाचल प्रदेश सुक्खू सरकार के ग्रीन हिमाचल विजन के तहत लाहौल स्पीति के जिला मुख्यालय केलांग से मनाली तक नेशनल हाईवे पर ग्रीन कॉरिडोर भी बनाया जाएगा। लाहौल स्पीति के विकास के लिए बजट का प्रवाधान किया है।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मिले विधायक रवि ठाकुर

विधायक रवि ठाकुर ने कहा कि कुछ महीने पहले उन्होंने दिल्ली में खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से मिल कर लाहौल में साहसिक खेलों को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा की।

इस दौरान सिस्सू में क्रिकेट स्टेडियम, आइस हॉकी रिंक, रोपवे, स्की लिफ्ट, हेलिपोर्ट के निर्माण पर विस्तार से बात की गई।

हिमा दास ने इंडियन ग्रां प्री-1 में किया कमाल

200 मीटर रेस में जीता स्वर्ण पदक

खेल डेस्क, 21 मार्च (एजेंसियां)। लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज में चल रही प्रतियोगिता में लंबी कूद स्पर्धा में सोजन ने छह मीटर से ऊपर की छलांग लगाई और 6.49 मीटर के अपने श्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता।

स्टार धाविका हिमा दास ने इंडियन ग्रां प्री-1 में 23.79 सेकंड के साथ आसानी के साथ 200 मीटर रेस का स्वर्ण अपने नाम कर लिया। लंबी कूद में एंसी सोजन ने 6.49 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया। असम की हिमादास ने महाराष्ट्र की ऐश्वर्या कैलाश मिश्रा (24.81) को पछाड़ा। केरल की वीके विस्मया (24.82) को तीसरा स्थान मिला। लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज में चल रही प्रतियोगिता में लंबी कूद स्पर्धा में सोजन ने छह मीटर से ऊपर की छलांग लगाई और 6.49 मीटर के अपने श्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने एशियाई खेलों के क्वालिफाइंग मार्क 6.45 को भी पार कर लिया। हालांकि प्रतियोगिता में कई स्पर्धाओं में कई स्टार एथलीट हिस्सा नहीं ले रहे हैं। महिलाओं की ऊंची कूद और पुरुषों की तिहरी कूद में तो दो ही एथलीटों ने हिस्सा लिया। इसी तरह महिलाओं की शॉटपुट, 800 मीटर और 5000 मीटर की दौड़ में तीन ही प्रतिभागी थीं। हरियाणा के कृष्ण कुमार ने 1: 47.26 के साथ 800 मीटर की रेस जीती।

यह उनका दूसरा व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उन्होंने 1: 49.05 का एशियाई खेलों का क्वालिफाइंग मापदंड पार कर लिया। पुरुषों की 5000 मीटर रेस में उत्तर प्रदेश के तीन एथलीटों अभिषेक पाल 13: 51.14, गुलवीर सिंह 14: 02.50 और मोहम्मद नूर हसन 13: 52.26 ने बेहतर किया। ओडिशा के भालाफेंक एथलीट किशोर कुमार 81.05 मीटर के साथ अपना श्रेष्ठ समय निकाला। उनका पिछला श्रेष्ठ 78.93 था।

बजरंग-विनेश को विदेश में ट्रेनिंग की मंजूरी

टॉप्स उठाएगा खर्चा; 16 दिन चोलपोन रहेंगे पुनिया, 11 दिन के लिए पोलैंड जाएंगी फोगाट

पानीपत, 21 मार्च (एजेंसियां)। देश के फेमस पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट को विदेशी प्रशिक्षण की मंजूरी मिल गई है। दोनों के अनुरोध को टॉप्स ने स्वीकार कर लिया है। युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) ने पहलवान बजरंग पुनिया के चोलपोन-अता, किर्गिस्तान और विनेश फोगाट के स्पाला (पोलैंड) में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने के अनुरोध को मंजूरी दे दी है।

बजरंग ने 16 दिनों के लिए चोलपोन-अटा, किर्गिस्तान में प्रशिक्षण का अनुरोध किया था, वहीं विनेश ने स्पाला (पोलैंड) में ओलंपिक तैयारी केंद्र में 11 दिनों के लिए प्रशिक्षण लेने का अनुरोध किया था। जिसकी दोनों को स्वीकृति मिल गई है।

दोनों पहलवानों की टीम का खर्चा भी उठाएगी टॉप्स

वित्तीय सहायता में एथलीटों के हवाई टिकट, प्रशिक्षण, बोर्डिंग और रहने की लागत सहित शिविर व्यय, और हवाई अड्डा स्थानांतरण, बीमा और आंतरिक यात्रा जैसी विविध लागतें, जेब खर्च सहित अन्य खर्चों को शामिल किया जाएगा। टॉप्स विनेश के अभ्यास साथी संगीता फोगट और फिजियोथेरेपिस्ट अश्विनी जीवन पाटिल और बजरंग के कोच सुजीत मान, फिजियोथेरेपिस्ट आनंद कुमार, और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग विशेषज्ञ काजी किरोन मुस्तफा हसन के खर्चों को भी कवर करेगा।

कल से सोनीपत साई में आयोजित होंगे राष्ट्रीय शिविर

इस बीच, कुश्ती की निगरानी समिति द्वारा आयोजित चयन परीक्षणों के आधार पर, आगामी सीनियर एशियाई चैंपियनशिप 2023 में भाग लेने के लिए भारतीय कुश्ती टीम के लिए एक राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भी आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय शिविर को भारतीय खेल प्राधिकरण के सोनीपत क्षेत्रीय केंद्र में 22 मार्च से 8 अप्रैल तक आयोजित करने की योजना बनाई गई है और इसमें 108 पहलवान शामिल होंगे।

इन 108 पहलवानों में पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन पहलवान भी शामिल होंगे, जो पहले से ही भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

अब 2 महीने तुर्की में प्रैक्टिस करेंगे नीरज चोपड़ा

61 दिवसीय इस अभ्यास की टॉप्स करेगा फंडिंग; ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में बहाएंगे पसीना

खेल डेस्क, 21 मार्च (एजेंसियां)। ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में प्रशिक्षण लेंगे। खेल मंत्रालय के मिशन ओलिंपिक सेल ने मध्य पूर्व देश में 61 दिनों की अवधि के प्रशिक्षण के उनके प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

नीरज ने टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) फंडिंग के तहत पिछले साल भी ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में प्रशिक्षण लिया था। अब 1 अप्रैल को तुर्की जाएंगे और 31 मई तक वहीं रहेंगे। टॉप्स इन 61 दिनों की फंडिंग करेगा।

फंडिंग में नीरज, उनके कोच क्लाउस बाटरेनिट्ज और उनके फिजियोथेरेपिस्ट का विमान किराया, बोर्डिंग और लॉजिंग, चिकित्सा बीमा, रहने-खाने का खर्च और स्थानीय परिवहन लागत शामिल होगी।

इस बार 90 मीटर थ्रो का है टारगेट

देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीट गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने हाल ही में एक निजी कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़कर इस बार देश वासियों से बड़ा वादा किया है। दरअसल, उनके चाहने वाले लाखों-करोड़ों लोगों का उनसे एक सवाल हमेशा रहता है कि आखिर वे 90 मीटर भाला फेंकने का रिकॉर्ड कब हासिल करेंगे।

इस सवाल पर नीरज ने जबाब देते हुए कहा कि वे इस बार इस सवाल को बंद कर देंगे। यानी वे इस टारगेट को अचीव कर लेंगे। उन्होंने कहा कि इस गोल के लिए उनकी दिन-रात कड़ी मेहनत चल रही है। विश्व के उच्चतम एथलीट, कोच की निगरानी और दिशा-निर्देश में वे कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। फिलहाल उनका फोकस सिर्फ और सिर्फ 90 मीटर व इससे अधिक का है।

तीन बड़ी प्रतियोगिताओं की कर रहें नीरज तैयारी

दरअसल, नीरज चोपड़ा इस साल होने वाली तीन बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी कर रहे हैं। जिसमें वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियाई खेल 2023 और डायमंड लीग का फाइनल शामिल है। हाल ही में जेवलिन थ्रोअर ने कहा था कि इस साल जेवलिन में 90 मीटर के आंकड़े को छूने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा की ये एक जादुई आंकड़ा जिस तक कड़ी मेहनत के बाद ही पहुंच पाना संभव होता है। इसी साल होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है। 19 से 27 अगस्त के बीच हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में वर्ल्ड चैंपियनशिप होगी। चीन के ह्वांगझू में एशियन गेम्स भी है। 2024 में पेरिस ओलिंपिक के लिए भी क्वालिफिकेशन प्रोसेस इसी साल शुरू होना है।

डब्ल्यूपीएल में रोमाचंक हुई प्लेऑफ की रेस: दिल्ली पॉइंट्स टेबल में टॉप पर

मुंबई, 21 मार्च (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग में सोमवार के दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से हरा दिया। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 109 रन बनाए। दिल्ली ने 9 ही ओवर में इसे हासिल कर लिया।

दिल्ली से शेफाली वर्मा ने 33 रन बनाए। मेग लेनिंग 32 और एलिस कैप्सी 38 रन के स्कोर पर नाबाद रहीं। मुंबई से हेली मैथ्यूज ने एक विकेट लिया।

पहले नंबर पर पहुंची दिल्ली

मुंबई के खिलाफ बड़ी जीत के साथ दिल्ली की टीम पॉइंट्स टेबल में 10 पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर पहुंच गई है। मुंबई 10 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। दिल्ली का रन रेट 1.98 और मुंबई का 1.73 है, इसीलिए दिल्ली टॉप पर है। दिल्ली का आखिरी मुकाबला यूपी और मुंबई का बेंगलुरु से होगा।

WPL का पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
दिल्ली कैपिटल्स	7	5	2	10	1.98
मुंबई इंडियंस	7	5	2	10	1.73
यूपी वारियर्ज	7	4	3	6	-0.06
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	2	5	4	-1.044
गुजरात जायंट्स	8	2	5	4	-2.220

यूपी वॉरियर्ज 7 मैचों में 4 जीत के बाद 8 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। बेंगलुरु और गुजरात की टीमें प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं। पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर की टीमों के बीच एलिमिनेटर होगा, इसे जीतने वाली टीम फाइनल खेलेगी।

पावरप्ले में दिल्ली की तेज शुरुआत

110 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को मेग लेनिंग और शेफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने 4 ही ओवर में टीम का स्कोर 50 रन कर दिया। शेफाली पांचवें ओवर में 33 रन बनाकर आउट हुईं। टीम ने 6 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 67 रन बनाए।

शाहिद अफरीदी बोले-भारतीय ने पाकिस्तानी टीम को धमकाया था

हमारी टीम फिर भी भारत गई, आप इंडियन टीम भेजें...उन्हें सिर-आंखों पर रखेंगे

खेल डेस्क, 21 मार्च (एजेंसियां)। एशिया कप विवाद के बीच पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने एक बड़ा दावा किया है। अफरीदी ने कहा कि पहले की बात बता रहा हूं। एक भारतीय ने पाकिस्तानी टीम को धमकी दी थी कि हम भारत नहीं जा सकते।

अफरीदी ने कहा- हमारी टीम ने ये सब दरकिनार कर दिया। हमारी सरकार ने इसे एक जिम्मेदारी के तौर पर लिया और टीम भारत आई। खतरे हमारे रिश्तों को बर्बाद नहीं कर सकते हैं। खतरे बने रहेंगे। पाकिस्तान एशिया कप अपने ही देश में करवाने पर अड़ा है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड वहां टीम नहीं भेजना चाहता है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड दुबई में मिलकर इसका कोई रास्ता निकालेंगे। लेकिन इस मीटिंग को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

लीजेंड क्रिकेट लीग के दौरान शाहिद अफरीदी मीडिया के साथ चैट के जरिए बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने इंडिया-पाकिस्तान क्रिकेट, एशिया कप विवाद पर बातचीत की। शाहिद अफरीदी ने कहा, आप इंडियन टीम को भेजो तो सही। हम लोग उन्हें सिर-आंखों पर रखेंगे। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान आती है तो यह बहुत अच्छा रहेगा।

स्वास्थ्य योजनाओं से तेलंगाना में लोगों के जीवन स्तर में सुधार : मुख्य सचिव

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में शुरू की गई क्रांतिकारी योजनाओं के कारण लोगों के स्वास्थ्य मानकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मंगलवार को बीआरकेआर भवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने कहा कि कांटी वेलुगु, केसीआर किट, केसीआर पोषण किट और महिला पत्रकारों के लिए व्यापक स्वास्थ्य जांच जैसी राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहलों से लोगों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। यह कहते हुए कि अब तक तेलंगाना में 13,28,808 लोगों को केसीआर किट प्रदान किए गए हैं और 29.10 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं, उन्होंने कहा कि इन केसीआर किटों को मुफ्त में लॉन्च किए जाने के बाद से राज्य में संस्थागत प्रसव में वृद्धि हुई है। शांति कुमारी ने बताया कि वर्तमान में 95 प्रतिशत प्रसव संस्थानों में हो रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में प्रसव 30 प्रतिशत से बढ़कर 61 प्रतिशत हो गया है। प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों में जन्म देने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिया जा रहा है। मुख्य सचिव ने कहा कि केसीआर पोषण किट, जिसे तेलंगाना के 9 जिलों में गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए प्रायोगिक रूप से पेश किया गया था, अच्छे परिणाम दे रही है और इन किटों के कारण मातृ और शिशु मृत्यु की संख्या में कमी आई है। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही सभी जिलों में केसीआर पोषण किट योजना का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शुरू किए गए महिला स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 5,214 महिलाओं की आठ प्रकार की चिकित्सा जांच की गई है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद और अन्य 22 जिलों में लगभग 57 प्रकार के पैथोलॉजिकल टेस्ट मुफ्त में करने के लिए शुरू की गई तेलंगाना डायग्नोस्टिक्स के तहत 49 लाख लोगों पर लगभग 8.90 करोड़ टेस्ट किए गए।

शांति कुमारी ने कहा कि इसी तरह, अब तक 352 बस्ती दवाखानों के माध्यम से 1.4 करोड़ लोगों की चिकित्सा जांच की जा चुकी है, जो लगभग दो करोड़ लोगों की तत्काल चिकित्सा जांच करने के लिए शुरू की गई थी और अन्य 46 बस्ती दवाखाने जल्द ही खोले जाएंगे।

इस बीच, नगर प्रशासन मंत्री केटी रामा राव द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर किए गए वादे के अनुसार, राज्य में महिला पत्रकारों के लिए मास्टर स्वास्थ्य जांच की जाएगी। मुख्य सचिव ने कहा कि इस मास्टर हेल्थ चेकअप के माध्यम से लगभग 56 प्रकार के पैरामीटर और 12 टेस्ट किए जाएंगे और इसके लिए आयुक्त सूचना जनसंपर्क विभाग से सूचना विभाग के कार्यालय में विशेष व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है। इस अवसर पर विशेष मुख्य सचिव एमए एंड यूडी अरविंद कुमार, सचिव एचएम एंड एफडब्ल्यू एसएएम रिजवी, सीएम के ओएसडी डॉ. टी. गंगाधर, आयुक्त स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्वेता मोहंती, निदेशक सार्वजनिक स्वास्थ्य श्रीनिवास राव और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.